आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा 01:24 तक
उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

गुरुवार, 26 जून 2025
वर्ष 35, अंक 150, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

41 साल बाद अंतरिक्ष में फिर लहराया तिरंगा

लखनऊ के शुभांशु ने रचा इतिहास

अंतरिक्ष की शुभ यात्रा

अंतरिक्ष के लिए रवाना होने से पहले हाथ हिलाकर उत्साह जताते शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित वाणिज्यिक मिशन के तहत बुधवार को तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा के लिए रवाना होकर इतिहास रच दिया। रूसी अंतरिक्ष यान के जरिए भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा की अंतरिक्ष यात्रा के 41 साल बाद किसी भारतीय की यह यात्रा हो रही है।

स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट ने दोपहर 12:01 बजे एक्सिओम मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों के लेकर फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से आईएसएस के लिए उड़ान भरी। शुक्ला के माता-पिता लखनऊ स्थित सिटी मोंटेसरी स्कूल में इस ऐतिहासिक उड़ान के गवाह बने। इसी स्कूल से शुक्ला ने पढ़ाई की है। प्रक्षेपण के 10 मिनट बाद अंतरिक्ष यात्रियों ने धरती का चक्कर काटना शुरू कर दिया, जिसके बाद शुक्ला ने अपने संदेश में कहा कि 41 साल बाद भारत की मानव अंतरिक्ष यात्रा में वापसी। ड्रैगन अंतरिक्षयान के धरती से ऊपर 200 किलोमीटर की ऊंचाई पर कक्षा में प्रवेश करने के तुरंत बाद शुक्ला ने कहा कि कमाल की राइड (यात्रा) थी। करीब 28 घंटे की यात्रा के बाद यान के गुरुवार शाम साढ़े चार बजे आईएसएस पहुंचने की उम्मीद है। लखनऊ में जन्मे शुक्ला, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की अंतरिक्ष यात्री पूर्व मिशन कमांडर पैगी व्हिटसन, हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कपू एवं पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की एक्सिओम-4 मिशन का हिस्सा हैं, जो भारत, पोलैंड और हंगरी के लिए मानव अंतरिक्ष यान की ओर वापसी को साकार करेगा। कक्षा में पहुंचने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों ने अपने नए कैप्सूल का नाम 'ग्रेस' बताया। अंतरिक्ष यात्री अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में 14 दिन बिताएंगे और अपने मिशन के दौरान 60 प्रयोग करेंगे।

स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान में सवार होकर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना होते शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य यात्री।

यह भारत के लिए गौरव का क्षण : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में जन्मे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंतरिक्ष में उड़ान भरने के लिए हार्दिक बधाई दी है। इसे भारत के लिए गौरव का क्षण बताते हुए भारत की वैज्ञानिक क्षमता की उपलब्धि कहा।

शुभांशु के साथ 140 करोड़ भारतीयों की शुभेच्छा : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्सिओम-4 मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत किया और कहा कि इस मिशन में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की शुभेच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर गए हैं। मोदी ने 'एक्स' पर कहा कि हम भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर रवाना हुए अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनने की राह पर हैं। वह अपने साथ 1.4 अरब भारतीयों की शुभेच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर गए हैं। उन्हें और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को शुभकामनाएं।

अमेरिका के केनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरता फाल्कन 9 रॉकेट

अंतरिक्ष से शुभांशु बोले
व्हाट ए राइड

नई दिल्ली। स्पेसएक्स का ड्रैगन अंतरिक्ष यान फ्लोरिडा में नासा के अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपण के 10 मिनट के भीतर पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश कर गया और इसमें रवाना हुए भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने कहा कि व्हाट ए राइड ! अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बने शुक्ला ने 41 वर्षों के अंतराल के बाद भारत की अंतरिक्ष में वापसी की घोषणा हिन्दी में की तथा सभी से उनकी यात्रा का हिस्सा बनने का आग्रह किया। शुक्ला (39) ने पृथ्वी की कक्षा से अपनी पहली टिप्पणी में कहा कि मेरे कंधों पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं अकेला नहीं हूं और मैं आप सभी के साथ हूं। उन्होंने कहा, नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियों। क्या सफर था! हम 41 साल के अंतराल के बाद अंतरिक्ष में लौटे हैं और क्या कमाल की राइड थी!

अंतरिक्ष की उड़ान ...पेज-03

संविधान की भावना का उल्लंघन भूलने वाला नहीं

आपातकाल के 50 साल

इमरजेंसी देश के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे काला अध्याय : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि कोई भी भारतीय यह कभी नहीं भूलेगा कि आपातकाल के दौरान संविधान की भावना का कैसे उल्लंघन किया गया। उन्होंने संवैधानिक सिद्धांतों को मजबूत करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई पोस्ट कर मोदी ने कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के सबसे अंधकारमय अध्याय में से एक है। कहा कि आपातकाल में संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को दबा दिया गया और बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसा लग रहा था जैसे उस समय सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था। मोदी सरकार ने पिछले साल घोषणा की थी कि आपातकाल की बरसी को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया

जाएगा। उन्होंने कहा कि 42वें संशोधन में संविधान में व्यापक परिवर्तन किए गए जो 25 जून 1975 को आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस सरकार की चालों का एक प्रमुख उदाहरण है, जिसे जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने बाद में पलट दिया था। मोदी ने कहा कि हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने और विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराते हैं।

हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूएं और गरीबों तथा दलितों के सपनों को पूरा करें। आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये लोग पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, हर विचारधारा से थे, जिन्होंने देश के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करने के लिए मिलकर कार्य किया।

केंद्रीय मंत्रिमंडल का संकल्प, पीड़ितों का करेंगे सम्मान

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को आपातकाल का विरोध करने वाले लोगों के बलिदान का स्मरण और सम्मानित करने का संकल्प लिया। मंत्रिमंडल ने आपातकाल का विरोध करने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए कुछ क्षणों का मौन रखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उन लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा, जिनके संविधान प्रदत्त लोकतांत्रिक अधिकार छीने गए और जिन्हें अकल्पनीय यातनाओं का सामना करना पड़ा। प्रस्ताव में कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उन अनगिनत व्यक्तियों के बलिदान को स्मरण और सम्मानित करने का संकल्प लिया, जिन्होंने आपातकाल और भारतीय संविधान की भावना को कुचलने के प्रयासों का साहसपूर्वक विरोध किया। यह दमनचक्र 1974 में नवनिर्माण आंदोलन और संपूर्ण क्रांति अभियान को कुचलने के प्रयासों से शुरू हुआ था।

लोकतंत्र सेनानियों एवं परिजनों का अब होगा कैशलेस उपचार

लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **योगी बोले-आपातकाल के लिए कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए**

अमृत विचार : आपातकाल की 50वीं बरसी पर बुधवार को लोकभवन में आयोजित भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय विषयक संगोष्ठी की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में संशोधन करके धर्म निरपेक्ष और समाजवादी शब्द जोड़ना भारत की आत्मा पर कुठाराघात था।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आपातकाल के लिए दलितों, वंचितों एवं पूरे देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए। बाबा साहब अंबेडकर ने अपनी लेखनी के माध्यम से जिन दलितों एवं वंचितों को अधिकार दिलाया था, कांग्रेस ने उनकी आवाज को दबाने का कार्य किया। योगी ने इस मौके पर लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को कैशलेस उपचार की सुविधा की घोषणा की। इस अवसर पर एक प्रदर्शनी लगाई गई जिसका मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया।

आकाली नेता बिक्रम मजीठिया गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब सतर्कता ब्यूरो ने मादक पदार्थों से जुड़े एक मामले में बुधवार को राज्य में 25 स्थानों पर छापेमारी के बाद वरिष्ठ अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को गिरफ्तार कर लिया। जिन स्थान पर छापे मारे गए उनमें मजीठिया का अमृतसर स्थित आवास भी शामिल है।

- **मादक पदार्थ से जुड़े मामले में सतर्कता ब्यूरो ने की कार्रवाई**

मजीठिया की पत्नी और अकाली दल की विधायक गनीव कौर मजीठिया ने दावा किया कि बिक्रम के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, ब्यूरो ने अभी तक उस मामले के विवरण की पुष्टि नहीं की है। ब्यूरो ने पुलिस के साथ मिलकर पंजाब में 25 स्थानों पर छापे मारे, जिनमें अमृतसर और चंडीगढ़ में मजीठिया के आवास समेत नौ स्थान शामिल हैं। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) प्रमुख सुखबीर सिंह बादल उनके बहनोई हैं। मजीठिया 2021 के एक मादक पदार्थ मामले में भी जांच का सामना कर रहे हैं। मजीठिया और उनकी पत्नी ने दावा किया कि सतर्कता ब्यूरो के सदस्य अमृतसर के ग्रीन एवेन्यू स्थित घर में जबरन घुस आए।

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से मची तबाही

कुल्लू में बादल फटने के बाद बाढ़ आ गई जिससे आबादी को नुकसान हुआ।

शिमला/धर्मशाला, एजेंसी

- **अचानक आई बाढ़ से दो की मौत 20 लापता, दो हजार पर्यटक फंसे**

हिमाचल प्रदेश में बुधवार को बादल फटने, अचानक आई बाढ़ और भारी बारिश के कारण दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 लोगों के बहने और करीब दो हजार पर्यटकों के फंसे होने की आशंका है।

कांगड़ा जिले में मनुनी खड्ड से दो शव बरामद किए गए, जबकि इंदिरा प्रियदर्शिनी जलविद्युत परियोजना स्थल के पास एक श्रमिक कॉलोनी में रह रहे लगभग 15-20 श्रमिकों के खनियारा मनुनी खड्ड में जल स्तर बढ़ने से बह जाने की आशंका है। अधिकारियों के अनुसार, बारिश के कारण परियोजना का काम रोक दिया गया था और श्रमिक निर्माण स्थल के पास अस्थायी आश्रयों में आराम कर रहे थे, तभी मनुनी खड्ड और आसपास के नालों से बाढ़ का पानी श्रमिक कॉलोनी की ओर आ गया और श्रमिकों को बहा ले गया। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), स्थानीय प्रशासन, ग्राम पंचायत और राजस्व विभाग की टीम खोज और बचाव अभियान चलाने के लिए मौके पर पहुंच गई हैं। वहीं, कुल्लू जिले में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ के बाद तीन लोग लापता हैं। बाढ़ से कई घर, एक स्कूल भवन, संपर्क सड़कें और छोटे पुल क्षतिग्रस्त हो गए। कुल्लू जिले के सैंज में जीवा नाला और रेहला बिहाल तथा गड़सा क्षेत्र के शिलागढ़ में बादल फटने की तीन घटनाएं हुईं। अधिकारियों ने बताया कि रेहला बिहाल में अपने घरों से सामान निकालने की कोशिश कर रहे तीन लोग बाढ़ में बह गए और लापता हैं।

सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 2026 से वर्ष में दो बार होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **फरवरी में होने वाला पहला चरण अनिवार्य, दूसरा चरण वैकल्पिक**
- **दोनों चरणों के परिणाम क्रमशः अप्रैल और जून माह में घोषित होंगे**

सीबीएसई के 10वीं कक्षा के छात्र 2026 से एक शैक्षणिक सत्र में दो बार बोर्ड परीक्षा दे सकेंगे, हालांकि फरवरी में होने वाले पहले चरण की परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य होगा। अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि मई में होने वाला दूसरा चरण उन छात्रों के लिए वैकल्पिक होगा जो अपना प्रदर्शन सुधारना चाहते हैं।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं कक्षा के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दे दी है, जिसकी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अनुशंसा की गई है। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा कि पहला चरण फरवरी में और दूसरा मई में होगा। दोनों चरणों के परिणाम क्रमशः अप्रैल और जून में घोषित किए जाएंगे।

छात्रों के लिए पहले चरण में शामिल होना अनिवार्य होगा, जबकि दूसरा चरण वैकल्पिक होगा। छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का मौका मिल सकेगा। शीतकाल में बंद रहने वाले स्कूलों के दसवीं कक्षा के छात्रों को किसी भी चरण में उपस्थित होने का विकल्प मिलेगा।

शोभायात्रा के लिए नहीं हटेंगी झुग्गियां और गरीबों के आश्रय

मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश-मोहर्रम का जुलूस हो या कांवड़ यात्रा, सुरक्षा और समरसता के साथ हों सम्पन्न

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **पर्व-त्योहारों पर कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अफसरों के साथ की बैठक**

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त हिदायत दी है कि मोहर्रम का जुलूस हो या कांवड़ यात्रा समेत अन्य त्योहार, सभी आयोजन श्रद्धा, सुरक्षा और समरसता के साथ सम्पन्न हों, इसके लिए प्रशासनिक मशीनरी को संवेदनशीलता और सतर्कता के साथ कार्य करना होगा। कहा कि किसी शोभायात्रा के लिए पेड़ काटना, झुग्गियां हटाना या गरीबों का आश्रय उजाड़ना कदापि स्वीकार्य नहीं होगा।

मुख्यमंत्री ने बुधवार देर शाम को अपने सरकारी आवास पर आगामी पर्व-त्योहारों के मद्देनजर मजबूत कानून-व्यवस्था, सौहार्दपूर्ण वातावरण और जनसुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। जिसमें प्रदेश के पुलिस आयुक्तों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के साथ बात की।

बैठक में स्पष्ट निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 जुलाई से 9 अगस्त तक श्रावण मास रहेगा, इस दौरान पारंपरिक कांवड़ यात्रा, श्रावणी शिवरात्रि, नागपंचमी और रक्षाबंधन जैसे पर्व मनाए जाएंगे। इसी अवधि में 27 जून से 8 जुलाई तक जगन्नाथ रथ यात्रा तथा 27 जून से 06/07 जुलाई तक मोहर्रम के आयोजन संभावित हैं। यह पूरा समयकाल कानून-व्यवस्था, चिकित्सा, स्वच्छता, शिक्षा और आपदा प्रबंधन के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील है। अतः सभी संबंधित विभाग और जिला प्रशासन समन्वय के साथ जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करें। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ अराजक तत्व प्रदेश में जातीय विद्वेष फैलाने का षड्यंत्र कर रहे हैं। चेतावनी देते हुए कहा कि इन साजिशों का तत्काल पर्दाफाश करें, दोषियों की पहचान सार्वजनिक करें और उनके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई करें। जनशिकायतों के निस्तारण को लेकर मुख्यमंत्री ने सीएम हेल्पलाइन और आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए कहा कि कुछ जिलों में निस्तारण की स्थिति संतोषजनक नहीं है। ऐसे जिलों को तत्काल अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाना होगा।

कांवड़ यात्रा के आयोजन के लिए विशेष निर्देश

कांवड़ यात्रा के शांतिपूर्ण और गरिमामय आयोजन को लेकर मुख्यमंत्री ने विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह यात्रा आस्था, अनुशासन और उल्लास का प्रतीक है। उत्तराखंड सीमा से सटे जिलों सहित गाजियाबाद, मेरठ, बरेली, अयोध्या, प्रयागराज, काशी, बाराबंकी और बस्ती जैसे जिले विशेष सतर्कता बरतें। यात्रा मार्ग पर डीजे, ढोल-ताशा और संगीत की ध्वनि निर्धारित मानकों के अनुरूप ही होनी चाहिए। ताजिया, रथ या कांवड़ यात्रा में प्रयुक्त डीजे की ऊंचाई भी नियत सीमा से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि, कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं, जिनमें वेष बदलकर अराजक तत्वों के शामिल होने की आशंका बनी रहती है, ध्यान रखें। यह भी निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर कहीं भी खुले में मांस आदि की बिक्री न हो।

धार्मिक यात्रा में अस्त्र-शस्त्र का न हो प्रदर्शन

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि धार्मिक यात्राओं में अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन और धार्मिक प्रतीकों का राजनीतिक उपयोग सौहार्द को खंडित करने वाले तत्व हैं, जिन पर पूरी सख्ती से रोक लगनी चाहिए। शोभायात्राओं, जुलूसों के मार्ग पर प्रतिबंधित पशुओं का प्रवेश रोका जाए। सोशल मीडिया की सघन निगरानी हो और जरूरत पर ड्रोन से निगरानी सुनिश्चित की जाए। फेक न्यूज़ और अफवाहों पर नियंत्रण के लिए त्वरित खंडन और सही सूचना का प्रसारण जरूरी है। मोहर्रम के आयोजनों के लिए भी मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बीते वर्षों में हुई दुर्घटनाओं से सबक लेते हुए इस वर्ष सभी पूर्व व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। पीस कमेटी एवं आयोजन समितियों से संवाद कर कार्यक्रमों को परंपरागत मार्गों पर शांतिपूर्वक संपन्न कराया जाए।

सपा, आरजेडी का दोहरा चरित्र लोकतंत्र के लिए खतरनाक

मुख्यमंत्री ने आपातकाल की 50वीं बरसी पर 'भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय' विषयक संगोष्ठी में साधा निशाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ स्थित लोक भवन सभागार में आपातकाल की 50वीं बरसी पर लगाई गई प्रदर्शनी देखते मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर 'भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय' विषयक संगोष्ठी में कहा कि समाजवादी पार्टी हो या आरजेडी दोनों ने संविधान हत्या दिवस पर न तो कोई बयान और न ही सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट किया। इन दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेता संविधान का गला घोंटने के कांग्रेस के कृत्य के खिलाफ थे, कांग्रेस की तानाशाहीपूर्ण कार्यवाही के विरोध में आंदोलनरत थे।

लोकभवन में आयोजित संगोष्ठी में योगी ने कहा कि ये लोग अपने स्वार्थ के लिए कांग्रेस के सामने नाक रगड़ते दिखाई पड़ते हैं। ये लोग लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देते हैं, लेकिन संविधान का गला घोंटने वालों और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान करने वालों को अपने गले का हार भी बनाते हैं। इनका यह दोहरा चरित्र लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने 'आपातकाल की त्रासदी' विषय पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के कवर पेज एवं चित्रों के माध्यम से लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा उन पर किए अत्याचारों को प्रदर्शित किया गया था, जिसका योगी ने अवलोकन किया। कार्यक्रम के दौरान योगी के साथ मंच पर विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, विधान परिषद सदस्य विजय बहादुर पाठक, लोकतंत्र सेनानी एवं पूर्व सांसद डॉ. अशोक वाजपेयी, विश्राम सागर एवं देवी दीन पाल मौजूद थे।

लोकतंत्र सेनानियों ने साझा किए अनुभव

अमृत विचार : कुछ लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल के दौरान उन्हें मिली यातनाओं को कार्यक्रम में मौजूद लोगों से साझा किया। किसी ने अपने भूमिगत होने के किस्से सुनाए तो किसी ने थाने एवं जेल के अपने अनुभवों को बताया। ससंदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा के लिए लोकतंत्र सेनानियों ने जो यातनाएं एवं अत्याचार झेला है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने बरेली जेल के अपने अनुभवों को साझा किया।

लोकतंत्र सेनानियों का किया सम्मान

अमृत विचार : कार्यक्रम में 26 लोकतंत्र सेनानियों को पटका पहनाकर योगी ने सम्मानित किया। सम्मानित होने लोकतंत्र सेनानियों में कृष्ण कुमार दीक्षित, गणेश राय, राकेश स्वरूप निगम, अजीत कुमार सिंह, सुरेश शिवजी रानी, डॉक्टर अजय शर्मा, जयदेव आहूजा, हरि श्याम रस्तोगी, राम किशोर शर्मा, अशोक शर्मा, डॉ. संतोष कुमार वाजपेयी, डॉ. बलवेंद्र अवस्थी, मधुकर मिश्रा, रामतीर्थ वर्मा, सुरेश चतुर्वेदी, सत्यप्रकाश जैन, रामचंद्र सिंह, आशुतोष पाठक, डॉ. राम लोलाक उपाध्याय, सरल मालवीय, सतीश चंद्र गौड़, दिनेश प्रताप सिंह, दिनेश अग्निहोत्री, संजय मिश्रा, भारत त्रिपाठी, धीरेन्द्र श्रीवास्तव शामिल रहे।

भाजपा ने आपातकाल की विभीषिका पर किया संवाद

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को आपातकाल के 50वें वर्ष में जिला स्तर पर संगोष्ठियों के माध्यम से उस दौरान की विभीषिका पर संवाद किया। प्रदर्शनियों के माध्यम से आपातकाल में रक्तरंजित हुए लोकतंत्र की झांकी प्रस्तुत की गई। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने मुरादाबाद में संगोष्ठी को संबोधित किया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रतापगढ़ और प्रयागराज, ब्रजेश पाठक ने बाराबंकी में काला दिवस पर संगोष्ठियों को संबोधित किया। वहीं केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर मेरठ, राष्ट्रीय मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ कानपुर, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा गौतमबुद्धनगर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रमापति राम त्रिपाठी संतकबीरनगर, डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय गाजीपुर, स्वतंत्र देव सिंह ललितपुर में रहते हुए कार्यक्रम में शामिल हुए।

एक नजर

योगी की मौजूदगी में रखी जाएगी ग्रीन डाटा सेंटर की आधारशिला

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश की आर्थिक, औद्योगिक और तकनीकी उन्नति में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। योगी की मौजूदगी में गुरुवार को गाजियाबाद के साहिबाबाद में सीईएल-ईएसडीएस ग्रीन डाटा सेंटर की आधारशिला रखी जाएगी। साहिबाबाद के इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लि. के कार्यालय में आयोजित इस फाउंडेशन स्टोन लेइंग सेरेमनी कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जीतेन्द्र सिंह और उत्तर प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील कुमार शर्मा भी हिस्सा लेंगे।

प्रदेश में मक्का की खरीद प्रक्रिया शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रदेश सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 (खरीफ फसल) में पहली बार मक्का की सरकारी खरीद शुरू की है। इस योजना के तहत प्रदेश के 23 जिलों में किसानों से मक्का की खरीद की जाएगी। इनमें फिरोजाबाद, मैनपुरी, आगरा, अलीगढ़, एटा, कासगंज, हाथरस, बुलंदशहर, रामपुर, सम्भल, बदायूं, कानपुर नगर, औरैया, इटावा, कन्नौज, फर्रुखाबाद, हरदोई, उन्नाव, अयोध्या, बहराइच, गोंडा, बस्ती और मिर्जापुर शामिल हैं। शासन की ओर से किसानों से मक्का का समर्थन मूल्य 2225 रुपये प्रति कुंतल तय किया गया है। मक्का खरीद की अवधि 15 जून से 31 जुलाई तक निर्धारित की गई है।

अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र की मंजूरी पर जताया आभार

अमृत विचार, लखनऊ : आगरा स्थित सिंगना में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना को मंजूरी दिये जाने पर प्रदेश के मंत्रियों ने केंद्र सरकार का आभार जताया है। उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि यह केंद्र कृषि उत्पादकता बढ़ाने, मूल्य संवर्धन व रोजगार सृजन के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।

एनडीडीबी संभालेगा यूपी में दूध व्यवस्था

मुख्यमंत्री योगी की मौजूदगी में हुआ एमओयू, सौंपी गई 4 प्रमुख इकाइयों की कमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. में अब दूध और पशु आहार की व्यवस्थाएं राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की देखरेख में होंगी। कानपुर, गोरखपुर, कन्नौज के डेयरी प्लांट और अंबेडकरनगर की पशु आहार निर्माणशाला का संचालन एनडीडीबी (राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड) को सौंपा गया है। किसानों की आय बढ़ाने और पशुपालन को सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार और एनडीडीबी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान प्रदान हुआ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में बुधवार को डेयरी सेक्टर में क्रांतिकारी पहल करते हुए राज्य की 4 प्रमुख इकाइयों की कमान एनडीडीबी को सौंपी गई। इनमें राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन (पीसीडीएफ) द्वारा संचालित तीन डेयरी प्लांट (कानपुर, गोरखपुर और कन्नौज) और अंबेडकरनगर स्थित एक पशुआहार निर्माणशाला का संचालन शामिल है। एनडीडीबी को संचालन सौंपे जाने से इन इकाइयों में तकनीकी दक्षता, पारदर्शिता और व्यावसायिकता के नए मानक स्थापित होंगे, साथ ही दुग्ध उत्पादकों को समयबद्ध भुगतान, बेहतर मूल्य और स्थायी विपणन की सुविधा प्राप्त होगी।

अग्रणी दुग्ध उत्पादक राज्य बन सकता है उप्र. : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने इस मौके पर कहा कि एनडीडीबी जैसे दक्ष एवं अनुभवी संस्थान को संचालन सौंपे जाने से इन इकाइयों में तकनीकी कुशलता, व्यावसायिक पारदर्शिता और किसानों को प्रत्यक्ष लाभ सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश की पशुधन संपदा और दुग्ध उत्पादन की विशाल क्षमता को यदि नियोजित और वैज्ञानिक तरीके से विकसित किया जाए तो उत्तर प्रदेश न केवल देश का अग्रणी दुग्ध उत्पादक राज्य बन सकता है, बल्कि वैश्विक डेयरी मानचित्र पर भी अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकता है।

> जिन तीन डेयरी प्लांट और एक पशु आहार निर्माणशाला के संचालन की जिम्मेदारी एनडीडीबी को सौंपी गई है, वे आने वाले वर्षों में प्रदेश के सबसे लाभकारी और मॉडल इकाइयों के रूप में स्थापित होंगी।
> – मीनेश शाह, चेयरमैन, एनडीडीबी

बड़ी बाधाएं होंगी दूर

प्रमुख सचिव, दुग्ध विकास विभाग ने बताया कि कानपुर, गोरखपुर और कन्नौज के प्लांटों का निर्माण पूरा होने के बावजूद वाणिज्यिक बायर्स के अभाव तथा परिचालन लागत की चुनौतियों के कारण पूर्व में संचालन में बड़ी बाधाएं उत्पन्न हुई थीं। अब इनका संचालन एनडीडीबी के माध्यम से किए जाने से यह इकाइयां पुनः पूरी क्षमता से कार्य करने लगेंगी।

आपातकाल से रूबरू होगी युवा पीढ़ी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● हर जिले में आपातकाल स्मरणोत्वस मनाया जाएगा

अमृत विचार : मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि आपातकाल दिवस, न केवल स्मरण का अवसर है बल्कि गहन चिंतन और लोकतांत्रिक व संवैधानिक मूल्यों के प्रति नई प्रतिबद्धता का अवसर भी है। इसलिए अगले 25 जून 2026 तक प्रत्येक जिले में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, कैनवास सेट स्थापित कर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा, देशभक्ति गीत और लोकतंत्र और देशभक्ति की थीम के जुड़े गीत लगातार बजाए जाएं।

यह निर्देश बुधवार को मुख्य सचिव उप्र. ने सभी जिलाधिकारियों को पत्र के माध्यम से दिए हैं। उन्होंने राष्ट्रीय आपातकाल के 50वीं वर्षगांठ पर जारी पत्र में स्पष्ट किया है कि 25 जून 2026 तक स्मरणोत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान मॉल, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, पार्क, कॉलेज व विद्यालयों में प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। विभिन्न आयोजनों के माध्यम से आपातकाल से जुड़ी त्रासदी, विपत्तियों से जनमानस को अवगत कराया जाएगा। मुख्य सचिव ने कहा कि आपातकाल के प्रत्यक्ष प्रभावित व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करने वालों को आमंत्रित किया जाए, अनुभव साझा कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधान सभा व विकास खंड में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए एक अधिकारी उपजिलाधिकारी स्तर पर नोडल अधिकारी नामित किया जाए।

खरीफ सीजन में किसानों को मिलेगी पर्याप्त मात्रा में खाद

अमृत विचार, लखनऊ : खरीफ सीजन में किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद मिलेगी। निजी उर्वरक रैक से 40 प्रतिशत आपूर्ति उत्तर प्रदेश सहकारी विपणन संघ (पीसीएफ) को दिया जाएगा। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में हुई बैठक में खाद वितरण की नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया। प्रमुख सचिव कृषि रविन्द्र ने नई व्यवस्था को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिये हैं। शासन के अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष भी 50 प्रतिशत उर्वरकों की आपूर्ति पीसीएफ को कराई गई थी। प्रमुख सचिव कृषि ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि खाद वितरण की इस व्यवस्था को राजस्व विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर कृषकों तक पारदर्शी रूप से पहुंचाया जाए। जिलाधिकारी स्वयं मौके पर जाकर वितरण व्यवस्था की निगरानी करें व यह सुनिश्चित करें कि कोई भी विक्रेता कालाबाजारी या 'ओवररेटिंग' न करने पाये।

मूसलाधार बारिश और वज्रपात का अनुमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● तीन दिनों तक प्रदेश में मानसूनी हलचल रहेगी तेज

अमृत विचार : प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी दोनों हिस्सों में मानसून ने तेजी पकड़ ली है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 24 घंटों में राज्य के अधिकतर हिस्सों में मूसलाधार बारिश और वज्रपात की स्थिति बन सकती है। खासकर तराई और बुंदेलखंड के 14 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, अगले तीन दिनों तक प्रदेश में मानसूनी हलचल तेज रहेंगी और बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। बीते दो दिनों से जौनपुर, प्रतापगढ़, कानपुर, सुल्तानपुर, औरैया, हमीरपुर आदि जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने प्रदेश के पूर्वी हिस्से में 30 जून तक लगातार भारी वर्षा की संभावना जताई है। वहीं पश्चिमी उप्र. में 27 जून तक भारी बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी दी गई है।

भारी बारिश की आशंका के बीच राज्य को बाढ़ से बचाने की भी तैयारी है। इस बीच राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से देशभर में मॉक ड्रिल गुरुवार को होगी, जिसमें प्रदेश के भी तमाम बाढ़ प्रभावित जिले शामिल हैं।

बेसिक शिक्षा अधिकारी बनेंगे क्रिकेटर रिंकू सिंह

अमृत विचार, लखनऊ : टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर रिंकू सिंह को शीघ्र ही बेसिक शिक्षा अधिकारी बनाने की तैयारी है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। उधर, बेसिक शिक्षा विभाग ने इसकी तैयारी कर ली है। रिंकू सिंह को अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली 2022 के तहत नियुक्ति दी जाएगी।

दरअसल, क्रिकेटर रिंकू सिंह अलीगढ़ जिले से हैं और हाल ही में उनकी सगाई सपा की सांसद प्रिया सरोज के साथ हुई थी। इस मौके पर लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में खेल और राजनीतिक जगत के दिग्गज शामिल हुए थे।

देश में आज भी अघोषित आपातकाल : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● कहा : सच बोलने पर किया जा रहा प्रताड़ित

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में आज देश में अघोषित आपातकाल है। पत्रकारों के सच लिखने पर पाबंदी है। जाति और धर्म के नाम पर भेदभाव हो रहा है। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। जब लोग इमरजेंसी को याद कर रहे हैं तो इस समय जो इमरजेंसी है, उसे भी ध्यान में रखना चाहिए।

सपा प्रमुख ने बुधवार को फर्रुखाबाद में पूर्व सांसद स्व. छोटे सिंह यादव की त्रयोदशी एवं शांति पाठ कार्यक्रम शामिल होने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भी महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अन्याय, अत्याचार चरम पर है। लोगों की आवाज दबाई जा रही है। सच बोलने पर प्रताड़ित किया जा रहा है। इस समय देश में अघोषित इमरजेंसी है। भाजपा इस अघोषित इमरजेंसी का दिवस कब मनाएगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि आज जो घटनाएं हो रही हैं, ऐसा इमरजेंसी में भी नहीं हुआ था। इटावा में वर्चस्ववादी लोगों ने भागवत कथा वाचक के साथ दुर्व्यवहार किया।

सार-संक्षेप

नए मतदाताओं के लिए चलाया जाए विशेष अभियान : रिणवा

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि 18-19 आयु वर्ग के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी बुधवार को उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण के अंतिम दिन 144 ईआरओ ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण प्राप्त ईआरओ अपने-अपने क्षेत्र में अधीनस्थ बीएलओ और सुपरवाइजरों को भी छोटे-छोटे समूहों में प्रशिक्षित करें, ताकि प्रत्येक स्तर पर प्रक्रिया की गुणवत्ता बनी रहे। उन्होंने उन बूथों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

पौधरोपण की तैयारी पूरी, यूपी बनाएगा नया कीर्तिमान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में 1 से 7 जुलाई तक चलने वाले वन महोत्सव के दौरान पूरे प्रदेश में रिकार्ड 35 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा, जो पूरे देश में सर्वाधिक है। वन एवं वन्यजीव विभाग ने सभी तैयारी लगभग पूरी कर ली हैं। वन महोत्सव आयोजन के नोडल अधिकारी विभाग के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक दीपक कुमार ने बताया कि विभिन्न विभागों के समन्वयन से निर्धारित लक्ष्य 52.33 करोड़ पौधों की सैपलिंग का एकत्रीकरण किया जा चुका है। इससे पूर्व 72,912 हेक्टेयर भूमि पर पौधरोपण के लिए मिट्टी तैयार कर ली गई है। वन एवं पर्यावरण मंत्री अरुण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में मेरठ और गोरखपुर मंडल के अलावा सभी मंडलों की समीक्षा बैठक संपन्न हो चुकी है। जल्द ही पौधरोपण की तिथि तय होते ही प्रदेशव्यापी स्तर पर वन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

नवचयनित सिपाहियों को मिलेगी पैडागॉजी ट्रेनिंग

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. पुलिस में नवचयनित 60,244 सिपाहियों को 112 रीजनल ट्रेनिंग सेंटर्स में प्रशिक्षण देने के लिए निरीक्षक, उपनिरीक्षक, मुख्य आरक्षी और आरक्षियों की तैनाती हो रही है। ये सभी कर्मी 21 जुलाई से 9 माह तक प्रशिक्षण केंद्रों में नवचयनित सिपाहियों को ट्रेनिंग देंगे। मानकों के अनुसार पैडागॉजी ट्रेनिंग देने के लिए 191 निरीक्षक एवं उपनिरीक्षक भेजे गए हैं। इसके अलावा पीटीआई ट्रेनिंग हासिल करने वाले 193 मुख्य आरक्षी एवं आरक्षियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। आगामी 21 जुलाई से प्रदेश के 10 प्रशिक्षण संस्थानों एवं 102 स्थाई/अस्थाई जनपदीय/पीएसी रीजनल ट्रेनिंग सेंटर्स में नवचयनित सिपाहियों की 9 माह की जमीनी ट्रेनिंग शुरू होनी है। इसके लिए सभी कमिश्नरेट और जिलों से अंत: एवं वाह्य विषयों में पारंगत कर्मियों की बतौर प्रशिक्षक ड्यूटी लगाई गई है। प्रशिक्षण निदेशालय द्वारा कर्मियों को तत्काल प्रशिक्षण केंद्रों के लिए भेजने का आदेश जारी किया जा चुका है। पेडगोजी ट्रेनिंग का मतलब है शिक्षण-पद्धति या शिक्षाशास्त्र की ट्रेनिंग। यह शिक्षकों और प्रशिक्षकों को इस बात का ज्ञान और कौशल प्रदान करती है कि वे प्रभावी ढंग से कैसे प्रशिक्षण प्रदान करें। साधारण शब्दों में यह इस बात का अध्ययन है कि कैसे किसी को किसी विषय में दक्ष बनाया जाए।

बघेल ताल बनेगा इको पर्यटन हब : जयवीर

अमृत विचार, लखनऊ : बहराइच स्थित बघेल ताल (बघेल झील) को राज्य पर्यटन विकास निगम इको पर्यटन के रूप में विकसित करेगा। बहराइच-गोंडा मार्ग पर पयागपुर के दक्षिणी छोर के पास स्थित बघेल ताल अपनी प्राकृतिक जैव विविधता के लिए विख्यात है। अब इसे लगभग 2.20 करोड़ रुपये की लागत से पर्यावरणीय संतुलन और पर्यटन की दृष्टि से पुनर्जीवित किया जाएगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया, बघेल ताल प्रदेश के सबसे बड़े वेटलैंड्स में से एक है। इस परियोजना के माध्यम से झील के पारिस्थितिकी तंत्र (इको सिस्टम) को संरक्षित रखने के साथ-साथ पर्यटन की आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण और इको टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

एआई व साइबर सुरक्षा पर कर्मचारियों को प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल करते हुए बुधवार को लखनऊ स्थित उप्र. कौशल विकास मिशन के मुख्यालय में एआई प्रज्ञा परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम उत्पादक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (जनरेटिव एआई) तथा साइबर सुरक्षा जैसे समसामयिक विषयों पर केंद्रित रहा, जिसमें मिशन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नवीनतम तकनीकी ज्ञान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बुनियादी अवधारणाओं के साथ-साथ उन्नत तकनीकी टूल्स तथा साइबर सुरक्षा तकनीकों की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही इन तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन (डेमॉन्स्ट्रेशन) भी प्रस्तुत किया गया, जिससे प्रतिभागियों को व्यावहारिक समझ विकसित करने में सहायता मिली। कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि प्रशिक्षण से प्रदेश में उच्च तकनीकी क्षमताओं का विकास होगा और हमारे अधिकारी व प्रशिक्षणार्थी भविष्य की कार्य आवश्यकताओं के लिए और अधिक सक्षम बन सकेंगे।

प्रबंधन के बयान से कर्मियों में उबाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● जेल का विकल्प देने पर भड़के बिजली कर्मी

अमृत विचार : उप्र. पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन के जेल का विकल्प देने के बयान से बिजली कर्मियों में उबाल आ गया है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश ने कहा कि बिजली कर्मी डरने वाले नहीं हैं। निजीकरण के लिए टेंडर होते ही बिजली कर्मी जेल भरो अभियान शुरू कर देंगे।

संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने आरोप लगाते हुए कहा कि कॉरपोरेशन के अध्यक्ष ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिजली कर्मियों को धमकी देते हुए जेल का विकल्प पत्र भरने की बात कही है। सभी प्रबंध निदेशकों और उच्च अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि दो दिन में कर्मियों से जेल जाने का विकल्प ले लिया जाय। उन्होंने कहा कि इस बयान ने 50 साल बाद एक बार फिर आपातकाल की याद ताजा कर दी है। इस बीच, आपातकाल के 50वें वर्ष पर प्रदेश के सभी जिलों व परियोजनाओं पर बिजली कर्मियों ने विरोध सभा कर अन्याय, दमन और सार्वजनिक संपत्ति की कथित लूट के विरोध में सामूहिक जेल भरो आंदोलन का संकल्प लिया।

उपभोक्ता परिषद ने सौंपा उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बुधवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मुलाकात की और उन्हें निजीकरण के विरोध में ज्ञापन दिया। ज्ञापन में निजीकरण प्रक्रिया की सीबीआई से जांच कराने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश के 42 जिलों में बिजली के निजीकरण के मसौदे पर राज्य विद्युत नियामक आयोग के जरिये बड़े पैमाने पर गंभीर वित्तीय अनियमितता उजागर हुई है। कहा गया है कि निजीकरण किए जाने का प्रस्ताव बड़े निजी घरानों को लाभ देने वाला फैसला है।

आधुनिक कृषि यंत्र बदलेंगे हालात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● 450 अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी वाले कंबाइन हार्वेस्टर से किसानों को मिलेगी राहत

अमृत विचार : प्रदेश के 62 जिलों में आधुनिक कृषि यंत्रों से प्रदेश के किसान रफ्तार भरेंगे। 450 अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी वाले कंबाइन हार्वेस्टर से हालात बदलेंगे।

शासन के अधिकारियों के अनुसार, आधुनिक यंत्रों से न केवल किसानों को फसल कटाई में होने वाली अतिरिक्त मेहनत से राहत मिलेगी, बल्कि फसलों की क्षति भी काफी हद तक कम होगी। राज्य सरकार का उद्देश्य पारंपरिक खेती को आधुनिक संसाधनों से जोड़ते हुए किसानों को विज्ञान व तकनीक आधारित कृषि पद्धति अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। कंबाइन हार्वेस्टर जैसी मशीनें एक साथ कटाई, थ्रेशिंग और साफ-सफाई का काम करती हैं, जिससे न केवल समय की बचत होती है, बल्कि उपज की गुणवत्ता और मात्रा में भी बढ़ोतरी होती है।

इस योजना में महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय है। राज्य के 15 जिलों में 26 महिला किसानों ने कंबाइन हार्वेस्टर जैसे आधुनिक यंत्रों की कमान संभाली है। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। महिलाएं अब न केवल खेती कर रही हैं, बल्कि मशीनों के संचालन और प्रबंधन में भी दक्षता दिखा रही हैं।

महिला किसानों की भागीदारी वाले जिले

सिद्धार्थनगर, अमेठी, बस्ती, चित्रकूट, गोरखपुर, झांसी, कन्नौज, कानपुर नगर, कानपुर देहात, महाराजगंज, पीलीभीत, रामपुर, संत कबीर नगर, शाहजहांपुर और उन्नाव।

नवीन तैनाती स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने की चेतावनी

अमृत विचार, लखनऊ : आंतरिक लेखा एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, उप्र., लखनऊ के स्थानांतरित कार्मिकों को कार्यमुक्त करने और ऐसे कर्मचारियों को कार्यमुक्त होकर तैनाती स्थल तत्काल ज्वाइन करने की अंतिम चेतावनी जारी की गई है। इस आदेश का पालन न करने वालों को पर अनुशासनिक कार्यवाही करने का आदेश जारी किया गया है। कहा गया है कि स्थानांतरण आदेश दिनांक 15 जून 2025 के क्रम में जिन कार्मिकों ने द्वारा नवीन तैनाती स्थान पर निर्धारित अवधि व्यतीत होने के बाद भी कार्यभार ग्रहण नहीं किया है, उन्हें अन्तिम अवसर दिया जाता है।

कार्यक्रम परिवहन निगम के 53वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में 406 अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

2027 तक परिवहन निगम के बेड़े में होंगी 25 हजार बसें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

परिवहन निगम के सम्मानित किए गए अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ विभागीय मंत्री दयाशंकर सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार : परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि उप्र. परिवहन निगम लाभ की स्थिति में है। लाभ की स्थिति की वजह से समय-समय पर कार्मिकों को बोनस भी दिया जा रहा है, 1165 मृतक आश्रितों को नौकरी देने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि जब हमने परिवहन विभाग का जिम्मा संभाला था, उस समय परिवहन निगम बेड़े में 10 हजार से भी कम बसें थीं, वर्तमान में 13 हजार से ज्यादा बसें हैं। वर्ष 2027 तक निगम अपने बेड़े को बढ़ाकर 25 हजार बसों का बेड़ा करने पर कार्य कर रहा है।

परिवहन मंत्री, बुधवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उप्र. परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के 53वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निगम में बीते समय से नियुक्तियां हो चुकी हैं, साथ ही लोक सेवा आयोग को एआरएम समेत अन्य पदों की भर्तियों के लिए अधियाचन भी भेजा जा चुका है। जल्द ही सभी पदों पर भर्ती पूरी कर ली जाएगी। मंत्री दया शंकर सिंह ने कहा कि गांव को मुख्यालय से जोड़ने की योजना पर परिवहन निगम तेजी से कार्य कर रहा है। परिवहन निगम 32 सीटर एवं 25 सीटर बसों को अपने बेड़े में जोड़ने की योजना बना रहा है। गांव में भी इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की योजना है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव परिवहन अमित गुप्ता अपर प्रबंध निदेशक राम सिंह वर्मा, वित्त नियंत्रक परिवहन निगम अजय जौहरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

चालक-परिचालक सम्मानित

53वें स्थापना दिवस के अवसर पर परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ने सेवानिवृत्त जीएम अजीत सिंह को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कुल 406 अधिकारियों, कर्मचारियों, चालकों-परिचालकों को सम्मानित किया। चालकों व परिचालकों को बेहतर प्रदर्शन करने एवं बेहतर डीजल एवरेज प्राप्त करने के लिए सिल्वर कॉइन एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान मंत्री ने परिवहन निगम के परिवार के ऐसे सदस्यों (पत्नी, पुत्र, पुत्री) को जिन्होंने विभिन्न परीक्षाओं में चयनित हुए, उनको भी मेडल देकर सम्मानित किया।

अंतरिक्ष की उड़ान

राकेश शर्मा मेरे आदर्श हैं

अंतरिक्ष में उड़ान से पूर्व शुभांशु शुक्ल ने कहा कि मेरे आदर्श भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा हैं। मै उनसे बेहद प्रभावित हूं। उनको पढ़कर बड़ा हुआ हूं। मैं जिस सफर पर हूं, यह एक लंबी यात्रा रही है। मुझे नहीं पता था कि यह यहां तक पहुंच जाएगा। मैं यह मौका पाकर खुद को भाग्यशाली और खुशकिस्मत महसूस कर रहा हूं, उड़ना हमेशा से ही मेरा एक सपना रहा है। मैं बहुत खुश हूं...।

नमस्कार। मेरे प्यारे देशवासियों, क्या यात्रा है। हम 41 साल बाद एक बार फिर अंतरिक्ष में वापस आए हैं। यह एक अद्भुत सवारी है। हम 7 .5 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से पृथ्वी के चारों ओर घूम रहे हैं। मेरे कंधों पर उभरा हुआ तिरंगा मुझे बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। मेरी यह यात्रा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत है। मैं चाहता हूं कि आप सभी इसका हिस्सा बनें। इस यात्रा पर आपका सीना भी गर्व से चौड़ा हो जाना चाहिए... आइए, मिलकर भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत करें। लखनऊ के शुभांशु ने जब यह संदेश भेजा तो उसे पढ़कर/देखकर मौजूद राजधानीवासी गर्व से अभिभूत हो गए। शुभांशु के अंतरिक्ष में रवाना होते ही समूचा सीएमएस कंपाउंड भारत माता की जय और वंदेमातरम का जयघोष गूंज उठा। शुभांशु ने सीएमएस से शिक्षा पाई है।

शुभांशु ने छुआ आसमान

मां ने मांगी दुआ, पिता बोले-मिशन गढ़ेगा कीर्तिमान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: 'मेरा शुभांशु.. लखनऊ का शुभांशु... प्रदेश/देश का शुभांशु है, हमें उस पर नाज। उसकी अंतरिक्ष उड़ान सफलता की नई इबारत लिखेगी। हमारा शुभांशु मिशन में जरूर कामयाब होगा। हम ईश्वर से प्रार्थना और आशीर्वाद मांगते हैं कि इस अंतरिक्ष मिशन से हमारा देश सफलता के नीत कीर्तिमान गढ़े। उसका अंतरिक्ष मिशन हर हाल में सफल होगा। क्योंकि ईश्वर के आशीर्वाद के साथ करोड़ों भारतवासियों की दुआएं भी तो उसके साथ है। अंतरिक्ष में मिशन पूरा कर वह धरती पर सकुशल आएगा।'

सीएमएस,लखनऊ में आयोजित 'व्योमोत्सव' में यह कहते शुभांशु की मां आशा शुक्ला के नेत्र भर आए। लेकिन, उनके ये आंसू खुशी के हैं। ...और हो भी क्यों न? उनका होनहार बेटा अंतरिक्ष की उड़ान भरने वाला दूसरा भारतीय जो बन बैठा है।

मां आशा की तरह ही पिता शंभू दयाल शुक्ला भी गर्व व रोमांच से भरे दिखे। वे बार-बार ईश्वर का धन्यवाद करते दिखे। बताया कि शुभांशु का अंतरिक्ष मिशन सफलता का कीर्तिमान गढ़ेगा। साथ ही वे अपने बेटे की सलामती की दुआ मांगते भी दिखे। बुधवार को 'व्योमोत्सव' में मौजूद लोगों में तो अलग ही उत्साह और रोमांच दिख रहा था। उधर, शुभांशु के अंतरिक्ष उड़ान के ऐतिहासिक क्षण का लाइव प्रसारण सिटी मांटेसरी स्कूल(सीएमएस) में किया गया। इस अवसर पर सीएमएस की सभी ब्रांच के छात्र और टीचर मौजूद रहे। इस दोरान शुभांशु के परिजन भी रहे। सीएमएस में आयोजित 'व्योमोत्सव' के माध्यम से सभी ने यान का लाइव प्रसारण देखा। जैसे-जैसे यान के लांच होने का समय नजदीक आता जा रहा था लोगों का रोमांच आसमान छू रहा था। जैसे ही स्पेसएक्स फाल्कन-9 रॉकेट ने अमेरिका के फ्लोरिडा से भारतीय समयानुसार दोपहर 12:01 बजे आकाश की ओर उड़ान भरी वैसे ही स्कूल के वर्ल्ड यूनिटी कन्वेंशन सेंटर तालियों, अश्रुपूरित आंखों और हर्षोल्लास से गूंज उठा। हर किसी ने भारत माता की जय के नारे लगाने शुरू कर दिए।

स्पेश शटल लांचिंग के दौरान भावुक मां आशा।

माता-पिता हुए भावुक

शुभांशु शुक्ल के पिता शंभू दयाल शुक्ला ने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है, बहुत खुशी है। मैं भगवान का धन्यवाद करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि उसका मिशन सफल रहे, भगवान उसे आशीर्वाद दें। उनकी मां आशा शुक्ला की आंखें नम हो गईं। वह अपनी आंखें पोंछती हुई बोली यह देश के लिए गर्व की बात है, बेटे का मिशन कामयाब हो, वह सकुशल वापस लौट आए यही प्रार्थना है।

कपोला विंडो की प्रतिकृति प्रदर्शित

लाइव लॉन्च टेलीकास्ट कार्यक्रम के दौरान अंतरिक्ष स्टेशन की 'कपोला' विंडो की प्रतिकृति, डीफाई ग्रेविटी फोटो बूथ, टेलीस्कोप से आकाश दर्शन, सिम्युलेटेड मिशन कंट्रोल सेंटर को भी दिखा गया।

लाइव लांचिंग देखने के बाद प्रसन्न मुद्रा में सीएमएस की निदेशिका भारती गांधी, शुभांशु के पिता शंभू दयाल शुक्ला, मां आशा शुक्ला, बहनें शुचि मिश्रा, निधि और पीछे खड़े छात्र व छात्राएं। अमृत विचार

शुभांशु के माता-पिता के साथ शिक्षकों ने किया भांगड़ा

अमृत विचार, लखनऊ : शुभांशु शुक्ला ने जैसे ही अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी,उनके माता-पिता रोमांचित होकर ताली बजाने लगे। खुशी के मारे शुभांशु की मां की आंखों से आंसू छलक पड़े। हाथ जोड़कर उन्होंने बेटे की सलामती की दुआ की। मिशन की सफल लॉन्चिंग के बाद शुभांशु के माता-पिता, स्कूल के टीचर्स ने भांगड़ा किया। शुभांशु की मां आशा शुक्ला ने कहा कि इस पल का इंतजार लंबे अरसे से था। मेरी खुशी का कोई ठिकाना नहीं है। कभी नहीं सोचा था कि बेटा इतनी ऊंचाई पर जाएगा। बेटा 14 दिन के लिए अंतरिक्ष में गया है, उसका मिशन कामयाब हो और वह सकुशल वापस आए यही दुआ है।

स्पेश शटल के उड़ान भरने के बाद नाचते शुभांशु के माता- पिता और अन्य लोग। अमृत विचार

एक्सी ओम मिशन-4 में होंगे 60 प्रयोग : डॉ. महीप

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: एकेटीयू में इनोवेशन हब के प्रभारी डॉ. महीप सिंह ने कहा कि एक्सी ओम मिशन-4 में कुल 60 प्रयोग किए जाएंगे जिसमें भारत के 6 प्रयोग किया जाना है।

डॉ. महीप सिंह।

धातुविज्ञान, सूक्ष्म जैवप्रोद्योगिकी, माईक्रो ग्रेविटी आदि पर प्रयोग किया जाना है। अंतरिक्ष यात्राओं में विभिन्न देश अपने शोध के विषय देते हैं जिनको नासा लिस्ट में डालकर सूची तैयार करता है। उनका यह मिशन देश के तेजी से बढ़ते विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र की पहचान है। हम अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में पहले से बेहतर करते आ रहे हैं। अंतरिक्ष में भारत के दूसरे मिशन से वैश्विक स्तर पर हमारी साख बढ़ेगी।

इसके अलावा जिन विषयों पर भारत शोध करना चाहता है वह वैश्विक कल्याण के लिए है। जिन छह बिंदूओं पर प्रयोग किया जाना है उनमें कृषि, बायोटेक्नॉजी संबंधित विषय हैं जिससे नवाचार, शोध और नए प्रयोग के अनेक मार्ग खुलेंगे। भारत के दूसरे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ल को मेरी शुभकामनाएं।

स्पेश शटल ने जैसे ही अंतिरक्ष के लिए उड़ान भरी लखनऊ के सीएमएस में सीधा प्रसारण देख रहे लोग खुशी से थिरकने लगे। अमृत विचार

विद्यार्थियों ने कहा, शुभांशु हमारे आदर्श

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ल के बचपन के स्कूल के छात्र दक्षराज सिंह ने कहा कि शुभांशु शुक्ल मेरे आदर्श हैं, हम भी बडे होकर देश सेवा करेंगे और देश का नाम रौशन करेंगे। दक्षराज सिंह को अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में प्रथम स्थान हासिल हो चुका है।

सीएसएस की छात्रा परी अग्रवाल जिनको अमेरिकी स्कॉलरशिप प्राप्त हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए गर्व का विषय है। हमारे विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय विभूतियां हैं जिनसे हम सबको प्रेरणा मिलती है।

ये अंतरिक्ष यात्रा संभावना का प्रकाश स्तंभ

सीएमएस की संस्थापिका और निदेशिका डॉ. भारती गांधी ने कहा कि सीएमएस के अनेक छात्रों ने देश का नाम रोशन किया है, लेकिन शुभांशु की यह यात्रा प्रत्येक भारतीय बालक-बालिकाओं के लिए संभावना का प्रकाश स्तंभ बन गई है। शुभांशु के इस मिशन से सीएमएस सहित देश के अनेक छात्र-छात्राओं को प्रेरणा मिलेगी और वह जीवन में आगे चलकर देश के लिए सर्वश्रेष्ठ करने के लिए प्रेरित होंगे। प्रदेश और देश में छात्र-छात्राओं को विज्ञान व तकनीकि के अध्ययन के लिए प्रेरणा मिलेगी। इसके अलावा हमारे छात्र वैश्विक स्तर पर देश का नाम रोशन करने को प्रेरित होंगे।

लांचिंग का पल-पल रहा रोमांच से भरपूर

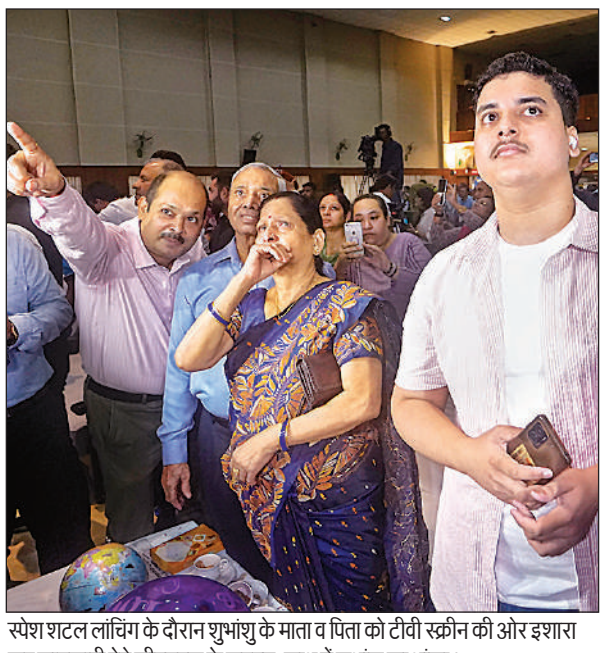

स्पेश शटल लांचिंग के दौरान शुभांशु के माता व पिता को टीवी स्क्रीन की ओर इशारा कर जानकारी देते सीएमएस के सदस्य, साथ में शुभांशु का भांजा।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ के शुभांशु शुक्ला एक्सियम मिशन-4 के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हो गए। शुभांशु को उनके स्कूल सीएमएस ब्रांच से भी लोगों ने स्पेस स्टेशन में जाते हुए देखा। अंतरिक्ष यान लांचिंग का लाइव टेलीकास्ट देखने के लिए बड़ी स्क्रीन लगाई गई थी। बुधवार सुबह दस बजे ही कानपुर रोड स्थित स्कूल पर लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और सीएमएस की सभी शाखाओं के शिक्षक भी मौजूद रहे।

स्क्रीन पर लाइव टेलीकास्ट के प्रसारणकी व्यवस्था के साथ अंतरिक्ष के कृत्रिम मॉडल भी प्रदर्शन के लिए रखे गए थे। सीएमएस कानपुर रोड स्थित शाखा पर शुभांशु के माता पिता और उनकी दो बड़ी बहनें भी पहुंचीं। जिनका विद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने जोरदार स्वागत किया। अंतरिक्ष यान के लांचिग का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा था लोगों का रोमांच बढ़ता जा रहा था। यान को 12 बजकर एक मिनट पर उड़ान भरना था, इसका समय करीब आते ही लोगों का रोमांच चरम पर पहुंच गया और सीएमएस का आडिटोरियम भारत माता की जय और बंदेमातरत से गूंजने लगा।

ईश्वर से प्रार्थना करतीं शुभांशु की बहन शुचि मिश्रा।

2000 से अधिक घंटे का उड़ान अनुभव

शुभांशु शुक्ल का जन्म 1985 में लखनऊ में हुआ और उन्होंने सीएमएस अलीगंज कैम्पस से मॉन्टेसरी से लेकर कक्षा 12वीं तक शिक्षा प्राप्त की। तत्पश्चात वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से स्नातक होकर वर्ष 2006 में भारतीय वायुसेना में कमीशन प्राप्त कर फाइटर पायलट बने। 2000 से अधिक घंटे का उड़ान अनुभव रखने वाले शुभांशु को वर्ष 2019 में गगनयान मिशन के लिए चुना गया और बाद में अंतरिक्ष मिशन के लिए पायलट नियुक्त किया गया। अपने 14 दिवसीय अंतरिक्ष अभियान में वे नासा की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पेगी व्हिटसन (मिशन कमांडर) तथा हंगरी व पोलैंड के अंतरिक्ष यात्रियों के साथ मिलकर मानव शरीर, पोषण और शून्य गुरुत्वाकर्षण में बीज अंकुरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर शोध करेंगे।

उप मुख्यमंत्री और महापौर ने दी माता-पिता को बधाई

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और महापौर सुषमा खर्कवाल ने बुधवार को शुभांशु शुक्ल के लखनऊ स्थित घर जाकर उनकी माता आशा शुक्ला, पिता शंभु दयाल शुक्ला को गुलदस्ते भेंटकर बधाई दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि शुभांशु ने देश के साथ ही लखनऊ क नाम भी दुनिया में रोशन कर दिया है। उनकी यह उपलब्धि भारत के वैज्ञानिक और सामरिक सामर्थ्य को दर्शाती है। शुभांशु शुक्ला युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। इस अवसर पर पार्षद दल उपनेता सुशील तिवारी पम्मी सहित पार्षद मुन्ना मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

एलडीए उपाध्यक्ष ने किया आईटी सिटी व वेलनेस सिटी का निरीक्षण, दिए तेजी लाने के निर्देश

लैंड पूलिंग से भूमि देने में किसानों को 10 गुना लाभ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : सुलतानपुर रोड पर प्रस्तावित आईटी सिटी व वेलनेस सिटी योजना के लिए लैंड पूलिंग से भूमि देने वाले किसानों को 10 गुना से अधिक फायदा होगा। योजना लांच होने पर किसानों को 25 फीसदी विकसित आवासीय अथवा 50 फीसदी अविकसित भूमि वहीं पर दी जाएगी। ये वर्तमान में दी जा रही मुआवजा से अधिक लाभकारी होगा।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बुधवार को आईटी योजना का निरीक्षण किया और किसानों से बात करके उन्हें लैंड पूलिंग के फायदे बताए। कहा कि आईटी सिटी के लिए लैंड पूलिंग नीति के माध्यम से अपनी जमीन देने वाले किसानों को कई गुना अधिक लाभ होगा। उदाहरण दिया कि मोहारी खुर्द में जमीन का डीएम सर्किल रेट लगभग 8 लाख रुपये बीघा है। प्रतिकर के रूप में नियमानुसार चार गुना मुआवजा दिए जाने पर किसान को 32 लाख रुपये ही मिलेगा। जबकि लैंड पूलिंग नीति के तहत 100 फीसद भूमि निःशुल्क देने वाले किसान को बदले में उसी योजना के अंदर 25 फीसदी विकसित आवासीय भूमि क्रमशः 6800 वर्गफीट मिलेगी। इसकी कीमत तीन करोड़ रुपये से अधिक होगी। इसी तरह वेलनेस सिटी योजना से आच्छादित ग्राम दुलारमऊ में जमीन का डीएम सर्किल रेट लगभग 15.75 लाख रुपये प्रति बीघा है। यहां भू-स्वामी को नियमानुसार लगभग 63 लाख रुपये मुआवजा मिलेगा, जबकि लैंड पूलिंग के तहत भूमि देने पर लगभग पांच गुना अधिक लाभ होगा। अब तक दोनों योजनाओं में लगभग 350 बीघा भूमि के आवेदन लैंड पूलिंग के माध्यम से प्राप्त हो चुके हैं। उपाध्यक्ष ने कानपुर रोड योजना स्थित श्रवण अपार्टमेंट का भी निरीक्षण किया। परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं पायी। पार्किंग व सैम्पल फ्लैट आदि के कार्य अधूरे मिलने पर उपाध्यक्ष ने कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि को फटकार लगाई।

निरीक्षण के दौरान आईटी सिटी का मानचित्र देखते उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार।

अवध विहार योजना में 705 आवेदकों को फ्लैट आवंटित

अमृत विचार, लखनऊ : आवास विकास की अवध विहार योजना में बुधवार को 744 फ्लैट के लिए लॉटरी की गई। जिसमें 705 आवेदकों को प्रधानमंत्री आवास योजना के रिक्त फ्लैट आवंटित किये गए।

परिषद ने इसके लिए 9 मार्च से 23 अप्रैल 2024 तक पंजीकरण खोला था। पंजीकरण के बाद सूडा ने 4991 पात्र आवेदकों की सूची आवास विकास को सौंपी थी। अवध शिल्प ग्राम में बुधवार को आयोजित लॉटरी में लगभग 3000 आवेदक लॉटरी में शामिल हुए। इस अवसर पर जोनल आयुक्त लखनऊ जोन चन्दन पटेल सहित सम्पत्ति प्रबंधक और अभियंता आदि उपस्थित रहे।

पशु बीमा में घटा पशुपालकों का अंश

15 फीसदी पशुपालक, 51 केंद्र और 34 फीसदी देगी राज्य सरकार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : पशुपालकों के लिए अच्छी खबर है। प्रदेश में नवंबर 2024 से टेंडर प्रक्रिया में फंसी पशुधन बीमा योजना शुरू हो गई है। उप्र पशुधन विकास परिषद ने योजना पर जोर देते हुए पशुओं का बीमा करना भी शुरू कर दिया है। इस वर्ष 6.76 लाख पशुओं के बीमा करने का लक्ष्य जिलों को आवंटित किया गया है।

राहत की बात यह है कि केंद्र सरकार ने योजना के नियमों में संशोधन किया है। केंद्र ने पशुपालकों का अंश घटाते हुए अपने में बढ़ोतरी की है। नई व्यवस्था के तहत पशुपालकों को प्रीमियम के तौर पर सिर्फ 15 फीसदी ही अंश देना होगा। चाहे सामान्य वर्ग हो या अन्य, सभी से एक समान अंश लिया जाएगा। शेष अंश 51 फीसदी केंद्र और 34 फीसदी राज्य सरकार द्वारा दिया जाएगा। इससे पहले हर वर्ग को अधिक और अलग-अलग अंश देय होता था। अब उदाहरण के तौर पर 50 हजार कीमत के पशु पर करीब पांच हजार रुपये प्रीमियम आएगा। इसमें पशुपालकों को 350 रुपये से भी कम देना होगा। पॉलिसी के मुताबिक मृत्यु होने पर पशुपालकों को क्षतिपूर्ति दी जाएगी। उत्तर प्रदेश पशुधन विकास परिषद के सीईओ डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि पशुधन बीमा योजना का टेंडर कराकर शुरुआत करा दी है।

ज्यादा से ज्यादा पशुपालक लाभान्वित हो सकें इसके लिए बीमा का लक्ष्य बढ़ाया गया है। केंद्र ने पशुपालक का अंश भी घटा दिया है। अब हर वर्ग को एक समान अंश देना हैं। इससे काफी राहत मिलेगी।

कंपनी ने खड़े किए थे हाथ, नहीं हो पाया था टेंडर

नामित कंपनी ने अधिक क्लेम भुगतान करने की बात कहकर नवंबर 2024 में टेंडर नहीं डाले थे। इस वजह से आगे की प्रक्रिया लटकी रही और योजना प्रभावित रही। जबकि पशुपालकों को उतना लाभ भी नहीं मिला था। इधर, परिषद में बदलाव हुआ तो बंद योजना पर जोर दिया गया। जो कमियां मिली या बताई गईं उसे दूर करके अप्रैल में नए सिरे से शुरुआत की गई।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

अपने आसपास की घटना, आयोजन की सूचना और फोटो हमें भेजें। इसे अखबार में प्रकाशित किया जाएगा।

इमेल
lkocityreporter@amritvichar.com

व्हाट्सएप
8112979390

मौसम

बादलों की आंख मिचौली जारी रहेगी, हल्की बारिश की संभावना।

अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
36.0⁰	27.0⁰

शहर में आज

- माल ब्लॉक की ग्राम पंचायत रूदन खेड़ा के सामुदायिक मिलन केंद्र पर चौपाल सुबह 10 बजे।
- भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की ग्रीष्मकालीन संगीत एवं कला अभिरुचि कार्यशाला की मंच प्रस्तुति एवं प्रमाणपत्र वितरण समारोह कला मंडपम प्रेक्षागृह में पूर्वाह्न 11 बजे।
- छत्रपति शाहू जी महाराज स्मृति मंच और केजीएमयू के तत्वावधान में शाहू जी महाराज के जन्मदिवस पर समारोह का आयोजन 12 बजे से।
- डालीगंज स्थित माधव मंदिर के 64वें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के तहत सामूहिक हवन यज्ञ– 5:00 बजे।
- मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से कामरेड अर्जुन प्रसाद स्मृति दिवस समारोह में इमरजेंसी के 50 वर्ष और आज का अधिनायकवाद विषयक परिसंवाद उत्तर प्रदेश प्रेस क्लब में सायं 5:00 बजे।
- रामलीला समिति महानगर की ओर से अंकित शरण द्वारा श्रीमद्भागवत कथा सायं 5:30 बजे से।

जांच समिति ने केजीएमयू पहुंच खंगाले दस्तावेज

शिक्षक भर्ती में नियमों की अनदेखी कर आरक्षित पदों पर सामान्य अभ्यर्थियों के भर्ती करने का मामला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- समिति ने कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद समेत अन्य अधिकारियों से बातचीत कर जुटाई जानकारी

अमृत विचार : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में शिक्षक भर्ती में नियमों की अनदेखी करने के मामले की जांच शुरू हो गई है। शिकायत पर शासन की ओर से गठित संयुक्त जांच समिति बुधवार को केजीएमयू पहुंचकर भर्ती से संबंधित दस्तावेज देखे। समिति ने आरक्षित पदों पर सामान्य अभ्यर्थियों के भर्ती संबंधी आरोपों की जांच शुरू की है। समिति ने कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद समेत दूसरे अधिकारियों से बातचीत कर जानकारी जुटाई।

केजीएमयू में 12 जुलाई 2022 को शिक्षकों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। सामान्य विज्ञापन शीर्षक के तहत 112 पदों के लिए आवेदन मांगे गए थे। जिसमें ईडब्ल्यूएस को 20 प्रतिशत, अनारक्षित को 63 फीसदी, अन्य पिछड़ा वर्ग को 10 प्रतिशत, अनुसूचित जाति को सात प्रतिशत और अनूसूचित जन जाति के शून्य पद विज्ञापित किए गए थे। आरोप हैं कि भर्ती में रोस्टर का उल्लंघन हुआ। ईडब्ल्यूएस के 15 पदों को बदलते हुए 76 प्रतिशत पद अनारक्षित घोषित कर दिए गए। लेकिन अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों में कोई सुधार नहीं किया गया। केजीएमयू में पदों की संख्या के हिसाब से अनुसूचित जनजाति लगभग 14 पद होने चाहिए। लेकिन दो ही पद दिए गए। राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग एवं केजीएमयू अधिनियम की धारा-13 की जांच में आरक्षण नियमों का उल्लंघन पाया गया। 18 सितंबर 2024 की शाम को आकस्मिक कार्य परिषद की बैठक में परिणाम घोषित कर शिक्षकों को रातों-रात ज्वाइन कराया गया। मामले की शिकायत हुई। शासन में उप सचिव आनंद कुमार त्रिपाठी ने आरोपों की जांच के लिए कमेटी गठित की। जिसमें अध्यक्ष लालजी निर्मल को बनाया गया। जबकि सुरेश पासी, मनोज पारस और डॉ. रागिनी सोनकर को सदस्य नामित किया गया। संयुक्त समिति ने वर्ष 2022 में जारी शिक्षकों के 112 पदों पर हुई भर्ती पर केजीएमयू प्रशासन से दस्तावेज मांगे। कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद समेत केजीएमयू के अन्य अधिकारियों ने समिति के सामने पक्ष रखा। जरूरी दस्तावेज भी मुहैया कराए। अब समिति अपनी रिपोर्ट शासन को दाखिल करेगी।

आरक्षित पदों पर सामान्य अभ्यर्थियों की भर्ती मामले की जांच शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

केजीएमयू

अमृत विचार : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में आरक्षित पदों पर सामान्य अभ्यर्थियों की भर्ती मामले की जांच होगी। शिकायत का संज्ञान है। इससे केजीएमयू में शिक्षकों की भर्ती एक वर्ष से ज्यादा लटकी रही। लंबी जद्दोजहद के बाद चयनित अभ्यर्थियों के नामों के लिफाफे खोले गए। अब शासन की ओर

अमृत विचार में बुधवार के अंक में प्रकाशित खबर। अमृत विचार

जांच में महिला निकली कोरोना पॉजिटिव

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी में 24 घंटे में एक महिला कोरोना पॉजिटिव आई है। लक्षण होने पर परिजनों ने निजी लैब से जांच कराई थी। रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसे होम आइसोलेशन में रखा गया है। चिकित्सकों की निगरानी में इलाज किया जा रहा है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड की एक 35 वर्ष महिला पॉजिटिव रोगी पाई गई। महिला सरस्वतीपुरम की रहने वाली है। जनपद में अब तक कुल 70 कोविड धनात्मक रोगी पाए गए हैं। जिनमें से 25 एक्टिव केस हैं। वहीं, अब तक 45 मरीज कोरोना को मात देकर स्वस्थ भी हुए हैं।

वितरक को पितृ शोक

अमृत विचार, लखनऊ : बाराबिरवा समाचार पत्र वितरण केंद्र के वरिष्ठ वितरक समिति के पूर्व महामंत्री संजय पांडेय के 88 वर्षीय पिता राज किशोर पाण्डेय का लंबी बीमारी के बाद अपने आवास पर आकस्मिक निधन हो गया। अंतिम संस्कार वीआईपी मार्ग के श्मशान घाट पर 11 बजे किया गया। राष्ट्रीय समाचार पत्र वितरक सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश उपाध्याय, केके तिवारी, राजेश उपाध्याय, मान सिंह, दिलीप मिश्रा, राम प्रकाश प्रजापति, अनिल प्रजापति, अन्नू पांडेय, संजय तिवारी, राजेश नेगी, संजय अवस्थी, राम सवल गुप्ता, पिंटू सिंह, कमलेश सिंह, रवि यादव, राजेश महाजन, वासु देव पाल, मनीष रावत, श्रवण राजपूत आदि लोग अंतिम विदाई में शामिल रहे।

राज किशोर पाण्डेय

उ.प्र. पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड

निविदा आमंत्रण सूचना निविदा संख्या 04– वि.पा.ख. (द्वि.) ल./2025–26, विद्युत पारेषण खण्ड– II, लखनऊ के अन्तर्गत 132 के0वी0 उपकेन्द्र एन.के.एन. पर 120 वाट एल.ई.डी. लाइट सप्लाई का कार्य के कार्य हेतु निविदा आमन्त्रित की गयी है। आपूर्ति की अनुमानित लागत रू0 1.97 लाख (कर सहित) का आपूर्ति की अवधि 01 माह निविदा भरने की अंतिम तिथि दिनॉक 05.07.2025 को 15:00 बजे तक है। अतः उपरोक्त वर्णित निविदाओं के आपूर्ति की कुल मात्रा निविदा विशिष्टीकरण व अन्य नियम एवं शर्तें जेम पर उपलब्ध है। अधोहस्ताक्षरकर्ता को बिना कोई कारण बताये किसी भी निविदा अथवा सभी निविदाओं को अस्वीकार / विभाजित करने का अधिकार सुरक्षित है। निर्धारित तिथि के विस्तार तथा शुद्धि पत्र से सम्बन्धित सूचना यदि कोई होगी केवल वेबसाइट पर डाली जाएगी। अतः स्वयं को अपडेट रखने के लिए उपरोक्त वेब साईट को नियमित देखते रहना चाहिए। **अधिषासी अभियन्ता विद्युत पारेषण खण्ड द्वितीय कक्ष सं. 211–216, प्रथम तल, पारेषण भवन यू.पी.एस.एल.डी.सी. परिसर, विभूति खण्ड गोमती नगर, लखनऊ 'राष्ट्र हित में बिजली बचायें'** पत्रांक: 769/ETD-II(L) दिनांक: 25.06.2025

अस्पताल में भर्ती विधायक से मिले योगी

- गोरखपुर से विधायक फतेह बहादुर सिंह सड़क हादसे में घायल हो गए थे, केके अस्पताल में चल रहा इलाज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : गोरखपुर से विधायक फतेह बहादुर सिंह को सड़क हादसे में घायल होने से उन्हें लखनऊ स्थित केके अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलने पर बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्हें देखने अस्पताल पहुंचे। विधायक से भेंट की। चिकित्सकों से उनके इलाज की जानकारी ली।

फतेह बहादुर सिंह गोरखपुर से लगातार आठ बार विधायक रहे। उनके पिता उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीर बहादुर सिंह थे। परिजनों ने बताया कि 23 जून की शाम को एक गंभीर सड़क दुर्घटना में फतेह बहादुर घायल हो गए। यह दुर्घटना गोरखपुर एक्सप्रेस-वे पर उस समय हुई, जब उनकी कार एक ट्रक से टकरा गई। दुर्घटना में उनके बाएं हाथ में गंभीर चोटें आईं हैं। कई स्थानों पर फ्रैक्चर भी हुआ है। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें उसी रात केके अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बुधवार को दोपहर लगभग 12:15 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अस्पताल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से कहा कि विधायक के इलाज में कोई कमी न हो। उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

अस्पताल में भर्ती घायल विधायक का हाल लेने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

पोर्टल ठप, अस्पतालों का पंजीकरण बंद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : अपडेट होने के बाद शुरू हुआ पोर्टल दोबारा से ठप हो गया है। इसके कारण अस्पतालों व क्लीनिकों का पंजीकरण-नवीनीकरण का कार्य अटक गया है। इससे संचालकों को दिक्कत का सामना कर पड़ रहा। रोजाना सीएमओ कार्यालय के चक्कर काटने को मजबूर हैं। वहीं, अफसरों का कहना है कि पोर्टल पर कुछ दिक्कत आने के कारण पोर्टल बंद किया गया है, जल्द काम पूरा कराकर इसे दोबारा शुरू कराया जाएगा।

राजधानी में सीएमओ के अधीन एक हजार से अधिक निजी अस्पताल, क्लीनिक व लैब पंजीकृत हैं। हर साल इनका नवीनीकरण होता है। क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट लागू होने के बाद 50 बेड से कम क्षमता वाले अस्पतालों को विभाग पांच साल का लाइसेंस जारी करेगा। इससे पहले पोर्टल अपडेट किया जा रहा था। करीब एक माह बाद 15 मई से दोबारा शुरू हुआ। स्वास्थ्य विभाग नए आवेदनों को रोक नवीनीकरण का कार्य शुरू किया। अफसरों का कहना है कि करीब 400 अस्पतालों का ही नवीनीकरण हो पाया था कि करीब एक सप्ताह से दोबारा से पोर्टल बंद कर दिया गया है। नर्सिंग होम के नोडल अफसर डॉ. एपी सिंह का कहना कि कार्य जल्द पूरा कराकर इसे चालू किया जाएगा।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार
क्षेत्रीय कार्यालय/Regional Office
विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ 226010
Email ID: ro.lucknow@epfindia.gov.in, दूरभाष – 0522–2304984

पत्रांक क.भ.नि./क्षे.का./लख./प्रेस प्रकाशनी/2025–26/9621 दिनांक: 24.06.2025

प्रेस प्रकाशनी

निधि आपके निकट 2.0 प्रोग्राम का आयोजन

विदित है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा निजी, संगठित/असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों/कर्मचारियों, पेंशनरों व नियोक्ताओं की समस्याओं के समाधान हेतु प्रत्येक माह की 27 तारीख को (अवकाश की स्थिति में अगले कार्य दिवस को) जिला जनसंपर्क कार्यक्रम ''निधि आपके निकट 2.0'' को शुरू किया गया है।

इसी क्रम में गत माहों की भांति इस माह भी दिनांक 27 जून, 2025 को क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ के परिक्षेत्र में आने वाले सभी 6 जिलों (लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी, हरदोई, एवं रायबरेली) में क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ की 6 टीमें निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम का आयोजन निम्नलिखित स्थलों पर करेंगी:

जनपद	जिला नोडल अधिकारी	कार्यक्रम स्थल
लखनऊ	श्री संदीप कुमार सिंह, प्रवर्तन अधिकारी	मेसर्स सुप्रभा इंडस्ट्रीज लिमिटेड प्लॉट नंबर डी–2 औद्योगिक क्षेत्र, देवा रोड चिनहट लखनऊ–226019
सीतापुर	श्री सुमित सोनी, प्रवर्तन अधिकारी	मेसर्स अवध शुगर एण्ड एनर्जी लिमिटेड, हरगांव, सीतापुर–261121
लखीमपुर	श्री संजय कुमार, लेखाधिकारी	मेसर्स बजाज शुगर, खंभार खेड़ा, लखीमपुर
बाराबंकी	श्रीमती शोएबा एजाज, प्रवर्तन अधिकारी	मेसर्स एसएलएमजी बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड कुर्सी रोड बाराबंकी
हरदोई	श्री करुणेन्द्र कुमार मिश्रा, लेखाधिकारी	मेसर्स जी आर इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड, प्लॉट संख्या बी–87/88, संडीला औद्योगिक क्षेत्र फेज–2, जिला– हरदोई यूपी 241204
रायबरेली	श्री महेंद्र प्रताप सिंह, प्रवर्तन अधिकारी	आईटीआई लिमिटेड, रायबरेली

अतः यदि किसी सदस्य/पेंशनर, नियोक्ता या अन्य किसी कर्मचारी को संगठन की विभिन्न योजनाओं से सम्बंधित किसी भी प्रकार की समस्या आ रही है तो उनसे आग्रह है कि वह अपने जिले में आयोजित होने वाले ''निधि आपके निकट 2.0'' कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का निराकरण कराएँ, जहाँ कार्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी समस्याओं के समाधान हेतु उपस्थित रहेंगे।

(आशीष कुमार)
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त–II
क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ

मृतक आश्रित नियुक्ति सहित पदोन्नति की मांग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नगर निगम कर्मचारी संघ के नवनिर्वाचित महामंत्री शमील एखलाक व उपाध्यक्ष सुखदेव यादव ने बुधवार को महापौर से शिष्टाचार भेंट कर नगर निगम के सभी संवर्गों के कर्मचारियों की लंबित मांगों और समस्याओं का मांग पत्र दिया। जिसमें मुख्य रूप से मृतक कर्मचारियों के आश्रितों की नियुक्ति, सभी संवर्गों में रिक्त पदों पर पदोन्नतियां, वर्ष 2005 के नियुक्त कर्मचारियों के भविष्य निधि खातों में जमा धनराशि को एनपीएस खातों में भेजा जाना आदि शामिल हैं।

मंत्री विजय लक्ष्मी ने बताया कि जिस पर महापौर ने मृतक आश्रित नियुक्ति सहित अन्य मांगों पर शीघ्र कार्रवाई का संगठन को आश्वासन दिया। महापौर ने कहा कि तत्काल मृतक आश्रितों को नियुक्ति प्रदान की जायेगी। महापौर ने संघ के पदाधिकारियों से संस्था, कर्मचारी व नगर हित में मिल कर कार्य करने को कहा। नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष आनंद वर्मा व पदाधिकारियों ने महापौर को कर्मचारी हित में दिए गए आश्वासन पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

महापौर से मुलाकात करते नगर निगम कर्मचारी संघ के नवनियुक्त पदाधिकारी

ब्रजेश पाठक को जन्मदिन की दी बधाई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी उत्तर विधानसभा के विधायक डॉ. नीरज बोरा पूर्व विधानसभा विधायक ओपी श्रीवास्तव बीकेटी विधानसभा से विधायक योगेश शुक्ला और मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से आवास पर भेंट की। सभी नेताओं ने उपमुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दी और स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की।

लखनऊ महानगर कार्यकर्ताओं द्वारा हजरतगंज हनुमान मंदिर और विभिन्न जगहों पर पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया गया। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी लखनऊ महानगर कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित भंडारे में सम्मिलित हुए और प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर एमएलसी अवनीश कुमार सिंह, वीरेंद्र सिंह, दिनेश तिवारी, आनंद पांडे, विपिन सोनकर, दीपक सोनकर शैलू, शिव शंकर विश्वकर्मा, कार्यक्रम आयोजक मध्य विधानसभा मंडल-1 मीडिया प्रभारी शुभम गुप्ता एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को गुलदस्ता देकर जन्मदिन की बधाई देते भाजपा नेता।

बलरामपुर अस्पताल में रोपे गए पौधे

अमृत विचार, लखनऊ : बलरामपुर चिकित्सालय परिसर में हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत विभिन्न छायादार व औषधीय पौधे रोप गए। अस्पताल के निदेशक डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि चिकित्सालय परिसर को हरा-भरा बनाना न केवल सौंदर्य की दृष्टि से महत्पूवर्ण है, बल्कि यह रोगियों और स्टाफ के लिए भी स्वास्थ्यवर्धक वातावरण सुनिश्चित करता है। इस सराहनीय पहल में पूर्व निदेशक डॉ. राजीव लोचन, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसके पांडेय समेत चिकित्सकों और अधिकारियों ने भागीदारी निभाई।

पिट्यूटरी ग्लैंड से रक्तस्राव और संक्रमण का इलाज दवा से संभव

अभी तक सर्जरी ही था इलाज का एकमात्र विकल्प

- सिर दर्द और आंख की रोशनी हो सकती है प्रभावित
- पीजीआई इंडोक्राइन मेडिसिन विभाग के शोध में सामने आए तथ्य

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : दिमाग में पाई जाने वाली पिट्यूटरी ग्लैंड से रक्तस्राव व संक्रमण से पीड़ित मरीजों को अब सर्जरी करवाने से निजात मिल सकेगी। दवाओं से भी इलाज संभव हुआ है। यह तथ्य संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) इंडोक्राइनोलॉजी विभाग के शोध में सामने आए हैं। शोध पत्र इंडोक्राइनोलॉजी और न्यूरो सर्जरी के इंटरनेशनल और नेशनल विशेषज्ञों ने स्वीकार किया।

पिट्यूटरी ग्लैंड से रक्तस्राव व संक्रमण से मरीजों को सिर दर्द और आंख की रोशनी प्रभावित होने के साथ ही कई तरह की समस्या हो सकती हैं। अभी तक ऑपरेशन कर मरीजों को बीमारी से निजात दिलाई जाती थी। दवाओं से इलाज का विकल्प नहीं था। इंडोक्राइनोलॉजी विभाग ने इस ग्रंथि में संक्रमण या रक्तस्राव से होने वाली परेशानी का सर्जरी और दवाओं से इलाज पर तुलनात्मक अध्ययन किया है। जिसमें दोनों तरह के इलाज की सफलता दर लगभग बराबर है। सर्जरी में कई तरह का जोखिम है, लेकिन दवा या कनवेंशनल थेरेपी में जोखिम नहीं है।

46 मरीजों पर हुआ शोध

डॉ. सुभाष यादव ने बताया कि कुल 46 ऐसे मरीजों पर शोध किया गया, जिसमें 22 का इलाज सर्जरी और 24 का दवाओं से हुआ। इनमें से 25 पुरुष व 21 महिला मरीज थीं। 94 फीसदी में मरीजों में क्रेनियल नर्व में रक्त प्रवाह बाधित होने से चेहरे और मुंह में सुन्नता, प्रभावित आंख को दूसरी दिशा में न घुमा पाने की परेशानी देखी गई। इन सभी मरीजों में कार्टीसोल, थायराइड गोनडोट्रोफिन हार्मोन के स्तर का अध्ययन किया। पाया कि मरीजों में इन तीनों हार्मोन की कमी है। क्रेनियल नर्व पाल्सी की परेशानी में दवा से इलाज वालों वाले में सौ फीसदी फायदा हुआ। जबकि सर्जरी वाले मरीजों में 83.30 फीसदी लोगों में फायदा हुआ। 16.07 फीसदी मरीजों को दिक्कत बरकरार रही।

इन्होंने किया शोध : डॉ. स्मृति माई पांडा. डॉ. सुभाष यादव, डॉ. प्रीति दवड़घाव।

ये है पिट्यूटरी ग्रंथि

पिट्यूटरी ग्रंथि आपके मस्तिष्क के निचले भाग में एक मटर के आकार का ऊतक है। जो खून में हार्मोन बनाती और स्त्रावित करती हैं। यह हार्मोन दूसरी कोशिकाओं या ऊतकों को काम करने के लिए स्टिम्युलेट करते हैं। पिट्यूटरी का प्रत्येक हार्मोन एक अलग ग्रंथि को और शरीर के कार्य को नियंत्रित करता है। पिट्यूटरी ग्रंथि को मस्तिष्क के एक हिस्से द्वारा नियंत्रित किया जाता है, जिसे हाइपोथैलेमस कहा जाता है।

लखनऊ नगर निगम
लालबाग, टी.एन. रोड, लखनऊ–226001 (उ.प्र.)
वेबसाइट : https://lmc.up.nic.in, ई–मेल : nnlko@up.nic.in

निविदा सूचना सं. : D-783/CE(E/M) मार्ग प्रकाश विभाग दिनांक : 24.06.2025

अति–अल्पकालिक निविदा सूचना

मार्ग प्रकाश विभाग, नगर निगम, लखनऊ द्वारा नगर निगम सीमाक्षेत्रान्तर्गत विभिन्न जोनों/स्थलों पर मोहरर्म-2025 एवं जगन्नाथ रथ यात्रा-2025 के अवसर पर अस्थायी प्रकाश व्यवस्था से सम्बन्धित कार्यों हेतु दिनांक 28.06.2025 को अपरान्ह 2:00 बजें तक सीलबन्द निविदाएं नगर निगम, लखनऊ के मुख्यालय में अपर नगर आयुक्त महोदय के कार्यालय कक्ष एवं मुख्य अभियन्ता (वि./यॉ.) केन्द्रीय कार्यशाला एवं आर.आर. विभाग, एल्डिको ग्रीन, गोमती नगर लखनऊ के कार्यालय में रखे निविदा बाक्स में आमंत्रित की जाती है। जो तद्दिनांक को अपराह 3:00 बजें निविदा समिति के समक्ष खोली जाएगी। जिससे सम्बन्धित निविदा प्रपत्र दिनांक 27.06.2025 को सायंकाल 3:00 बजे तक 3-त्रिलोकनाथ मार्ग, लालबाग, स्थित नगर निगम लखनऊ मुख्यालय में फार्मकीपर से किसी भी कार्य दिवस में निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा से सम्बन्धित शर्ते एवं आवश्यक प्रपत्रों का विवरण निविदा प्रपत्र में अंकित होगी तथा जिसकी जानकारी किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है। प्रश्नगत कार्यों की जमानत की धनराशि, कार्याविधि निविदा मूल्य इत्यादि का विवरण निम्नवत् तालिका में अंकित है :-

क्र. सं.	कार्य का नाम	आगणन धनराशि (रु. में)	धरोहर धनराशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	18% GST	कुल निविदा मूल्य
1.	मोहरर्म-2025 के अवसर पर नगर निगम जोन-01, 02 एवं 04 में आयोजित आग का मातम, एवं जूलूसों इत्यादि के आयोजन के स्थलों पर अस्थायी प्रकाश व्यवस्था के कार्य।	649998.00	13000.00	1000.00	180.00	1180.00
2.	मोहरर्म-2025 के अवसर पर विभिन्न स्थलों (शिब्लैनाबाद मकबरा, सआदत अलीखॉ मकबरा, शौकत अली का हाता एवं अन्य क्षेत्रों) पर अस्थायी प्रकाश व्यवस्था के कार्य।	774984.00	15500.00	1000.00	180.00	1180.00
3.	मोहरर्म-2025 के अवसर पर नगर निगम जोन-06 में आयोजित विभिन्न जूलूसों (जरी का जुलूस, मेंहदी का जुलूस, 9वीं का जुलूस इत्यादि) पर अस्थायी प्रकाश व्यवस्था के कार्य।	625006.00	12500.00	1000.00	180.00	1180.00
4.	मोहरर्म-2025 के अवसर पर नगर निगम-06 के अन्तर्गत विभिन्न पुलिस थानों/चौकियों एवं अन्य संवेदनशील स्थलों पर अस्थायी प्रकाश व्यवस्था के कार्य।	335332.00	6800.00	1000.00	180.00	1180.00
5.	दिनांक 27 एवं 28.06.2025 को भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा-2025 के अवसर पर जोन-02 स्थित मंदिर स्थल (पीली कालोनी ऐशबाग) एवं उसके सम्पर्क मार्गो तथा रथ यात्रा मार्गो पर अस्थाई प्रकाश व्यवस्था का कार्य।	250000.00	5000.00	1000.00	180.00	1180.00
6.	दिनांक 27.06.2025 को भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा-2025 के अवसर पर जोन-06 स्थित मंदिर स्थल (प्राचीन बड़ी कालीजी मंदिर) के चौक कालीजी बाजार वार्ड से प्रारम्भ होकर पुराने लखनऊ के आंतरिक मार्गो पर अस्थाई प्रकाश व्यवस्था का कार्य।	70000.00	1400.00	1000.00	180.00	1180.00

मुख्य अभियन्ता (वि./यॉ.)

अमृत विचार क्लासीफाइड

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र अंकित कुमार व उसकी पत्नी सुभाषी का चाल चलन ठीक नही है जिन्होंने हमारा व हमारे परिवार का जीना दूभर कर दिया है, वह हमारे साथ अमर्यादित व्यवहार व मारपीट करते है, हमको जान से मारने की धमकी व गाली गलौज करते है, सबको फर्जी झूठे मनगढ़ंत मुकदमों में फंसा देने की धमकी देते हैं, जिससे हम अपने पुत्र अंकित कुमार व उसकी पत्नी सुभाषी द्वारा किये गये किसी भी अनुचित कार्य के प्रति काफी भयभीत रहते है। तथा पुत्र व उसकी पत्नी के गलत कृत्यों से परेशान व क्षुब्ध होकर अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं, और भविष्य में उसके द्वारा किये गये कृत्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे हमसे व हमारे अन्य परिवार वालों से कोई वास्ता व सरोकार न होगा। **इन्द्रपाल पुत्र स्व0 राममरोसे व सविता यादव पत्नी इन्द्रपाल यादव निवासीगण ग्राम–भगमतखेड़ा, परगना व थाना काकोरी, तहसील व जिला–लखनऊ हाल पता सलेमपुर पतौरा काकोरी लखनऊ**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा फ्लैट सं0–8/डी1–1412, क्षेत्रफल 78.39 वर्ग मीटर स्थित फ्लोर सं 14, अवध विहार योजना, सेक्टर–08, गोमती एन्क्लेव, 2 बी0एच0के0, जनपद लखनऊ, उ0प्र0 में पंकज कुमार पाण्डेय के नाम पंजीकृत है। उक्त फ्लैट का आवंटन पत्र पंकज कुमार पाण्डेय के पास से कही गायब हो गया है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा मकान संख्या–एस0एस0– 11–519/डी–1 क्षेत्रफल 36.75 वर्गमीटर स्थित–सेक्टर डी–1. एल0डी0ए0 कालोनी, कानपुर रोड, योजना, जिला लखनऊ उ0प्र0 मकान इबरार अहमद खान के नाम पंजीकृत है। उक्त मकान का आवंटन पत्र अजहर अहमद खान के पास से कही गायब हो गया है।

सूचना

सूचित हो कि मैने अपना नाम Ashok Kumar Yadav से बदल कर Ashoka Kumar Yadav रख लिया है। क्योंकि मेरा नाम अंक विज्ञान की दृष्टिकोण से शुभ नहीं था। भविष्य में मुझे Ashoka Kumar Yadav के नाम से जाना व पहचाना जाए। **अशोक कुमार यादव पुत्र स्व. अशर्फी लाल यादव, निवासी–चूरामन पुरवा रसूलपुर सादत पी एस इन्दिरा नगर रसूलपुर सादत लखनऊ।**

सूचना

मैं अख्तरुन आयु लगभग 44 वर्ष पति का नाम अब्बास निवासी– ग्राम हैबतपुर पोस्ट दर्शन नगर जिला अयोध्या सशपथ बयान करती हूं कि मैंने अपने जीवन पर भारतीय जीवन बीमा निगम से पालिसी संख्या 275850430 ली है। शपथी कि पालिसी संख्या 275850430 में शपथी का नाम अख्तरुल निशा पत्नी अब्बासअली अंकित है। परंतु शपथी के आधार कार्ड नंबर 642689914588 में नाम अख्तरुन पत्नी अब्बास है। बैंक खाता में भी नाम अख्तरुन पत्नी अब्बास है। अख्तरुन पत्नी अब्बास व अख्तरुल निशा पत्नी अब्बासअली नाम शपथी का ही है। शपथी कि पालिसी संख्या 275850430 में शपथी का नाम अख्तरुल निशा पत्नी अब्बास अली के स्थान पर अख्तरुन पत्नी अब्बास संशोधित किया जाना न्यायहित में आवश्यक है।

सूचना

मैंने अपने छोटे पुत्र विपिन कुमार व उसकी पत्नी काजल के गलत आचरण एवं चाल चलन के चलते संबंध विच्छेद कर समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके किसी भी कृत्य या लेनदेन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता या सरोकार नहीं होगा वह स्वयं जिम्मेदार होगा। – **महेश चंद्र पुत्र मंगू सिंह उर्फ मंगल सिंह निवासी –कुदरकोट थाना कुदरकोट –तहसील –बिधूना– जनपद– औरैया।**

NOTICE

I am Simrah Siddique daughter of Umar Siddique Tabrez, resident of 544K/44 Sardar Nagar Campbell Road, Balaganj Lucknow, my correct and actual date of birth is 11-02-2010 which is also mentioned on the Aadhar card. But in my high school educational records, my date of birth has been mistakenly recorded as 10-02-2010 which is wrong. Therefore, my correct and actual date of birth should be recorded in my high school educational records.

सूचना

सूचित हो कि मैं **मदार बक्श पुत्र स्वद्न उमेद अली, निवासी ग्राम मवईकलां, परगना व तहसील मलिहाबाद, जिला लखनऊ** का हूँ। मेरा पुत्र मो0 सलीम व बहू अफसाना पत्नी मो0 सलीम मिलकर मेरे साथ आये दिन तिरस्कार किया करते है मुझे भला–बुरा कहा करते है गन्दी गन्दी गालिया देते है व मारपीट पर अमादा रहते है, उक्त दोनों का चाल–चलन व सामाजिक गतिविधिया ठीक नहीं है इसलिए अपने पुत्र व बहू को अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ तथा अब यदि भविष्य में मेरे पुत्र द्वारा कोई भी गलत कृत्य किया जाता है तो उसके जिम्मेदार वे स्वयं होगे, मेरा कोई भी वास्ता वे सरोकार नही होगा।

पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
बस "खुशबू" ही नहीं स्वाद भी है
"शुद्धता का एहसास" भी है।
हर समझदार गृहणी की पसन्द
एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के.एम. डिस्ट्रीब्यूटर
51/71, नारायन प्लाजा, नयागंज, कानपुर
फोन: 9519456555, 9695416555

सड़कों पर गंदगी, मंत्रियों की चाकरी कर रहे सफाईकर्मी

वीवीआईपी महात्मा गांधी-विक्रमादित्य वार्ड में नहीं होती सफाई, जियामऊ में दोपहर तक लगे रहते हैं कूड़े के ढ़ेर

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : नगर निगम के वीवीआईपी महात्मा गांधी-विक्रमादित्य वार्ड जहां मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री और अधिकारियों के आवास हैं, वहां भी सफाई में लापरवाही बरती जा रही है।

सूत्रों के अनुसार नगर निगम की ओर से जो कर्मचारी वार्ड में सफाई के लिए लगे हैं, उनमें से कई मंत्रियों और अधिकारियों के घरों में काम कर रहे हैं। ऐसे में सफाई कैसे हो। इस वार्ड में नियमित और कार्यदायी संस्थाओं से लगे कई सफाईकर्मी सेवानिवृत्त हो गए हैं और कुछ का उनका निधन हो गया है। इसके बाद भी इस वार्ड में सफाईकर्मियों की संख्या काफी कम है। क्षेत्रीय पार्षद अमित चौधरी लगातार नगर निगम के अधिकारियों को पत्र लिखकर कर्मचारी देने की मांग कर रहे हैं। लेकिन आज तक वार्ड में सफाईकर्मी नहीं दिये गए। इसका बुरा असर क्षेत्र की सफाई व्यवस्था पर पड़ रहा है। जियामऊ में दोपहर तक कूड़े के ढ़ेर लगे हैं। इस संबंध में अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने कहा कि जियामऊ गांव में लोग नगर निगम को कूड़ा न देकर सड़क पर ही डाल देते हैं। इससे सफाई कराने के बाद भी गंदगी बनी रहती है। सफाईकर्मियों की कमी जल्द दूर की जाएगी।

जियामऊ में नालियों के किनारे लगे कचरे के ढेर। अमृत विचार

पार्षद को नहीं पता, वार्ड में कितने सफाईकर्मी

दो वार्ड मिलाकर बना महात्मा गांधी-विक्रमादित्य वार्ड का क्षेत्र काफी बड़ा हो गया लेकिन कर्मचारी नहीं बढ़े। क्षेत्रीय पार्षद को भी यह नहीं पता कि उनके वार्ड में कितने नियमित सफाईकर्मी और कितने कार्यदायी संस्था से लगे हैं। वीवीआईपी क्षेत्र होने के बाद भी अधिकारी कभी सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने नहीं आते। पार्षद अमित चौधरी का कहना है कि क्षेत्र में गंदगी और सफाई न हो पाने से क्षेत्रीय जनता का सामना नहीं कर पा रहे हैं।

बारिश में जलभराव की समस्या पर दें विशेष ध्यान

अमृत विचार, लखनऊ : नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बुधवार को स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि कंट्रोल रूम में आने वाली जनता की शिकायतों को तत्काल अधिकारियों पहुंचाएं और निस्तारण का फीडबैक लिया जाए। नगर आयुक्त ने कहा कि बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्य मार्गों, वीआईपी क्षेत्रों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर जलभराव की समस्या का जल्द समाधान किया जाए। इसके अलावा 311 एप पर प्राप्त होने वाली शिकायतों को भी गंभीरता से लेकर समयसीमा में निस्तारण कराया जाए। नगर आयुक्त ने सुएज इंडिया कंपनी को सीवर की शिकायतों का तत्काल समाधान कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा सीवर की समस्या पर मौके पर टीम भेजें, जिससे जनता को असुविधा न हो।

पहली जुलाई को होगी नगर निगम सदन की बैठक

अमृत विचार : नगर निगम की कार्यकारिणी समिति में रिक्त 6 सदस्यों के मनोनयन के लिए 4 जुलाई को प्रस्तावित सदन की बैठक अब 1 जुलाई को सुबह 11 बजे से नगर निगम मुख्यालय के त्रिलोकनाथ सभागार में होगी। महापौर सुषमा खर्कवाल ने बताया कि यह संशोधन मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (सीएम-ग्रिड्स) के अंतर्गत बैंगलुरु एवं पिंपरी-चिंचवड़ (महाराष्ट्र) में चल रही योजनाओं के अध्ययन व तकनीकी सेमिनार में भाग लेने के लिए नगर आयुक्त और अन्य संबंधित अधिकारियों को 2 से 5 जुलाई तक शहर से बाहर रहना है। 4 जुलाई से पहले महापौर ने बैठक की तिथि 26 जुलाई निर्धारित की थी। बैठक में कार्यकारिणी के 12 में से 6 सदस्यों का मनोनयन किया जाना है। इनमें से 5 सदस्य भारतीय जनता पार्टी और एक समाजवादी पार्टी का पार्षद है।

एक नजर

कंसल्टिंग इंजीनियर के आवेदन की प्रक्रिया निरस्त

अमृत विचार, लखनऊ : ग्राम पंचायतों के कार्यों का प्राक्कलन एवं माप-पुस्तिका तैयार करने के लिए निकाली गई 677 कंसल्टिंग इंजीनियर पदों की विज्ञप्ति निरस्त कर दी गई है। पंचायती राज विभाग ने भर्ती सम्बंधित 20 फरवरी 2025 तक आवेदन आमंत्रित किए थे।

रोड कटिंग पर तीन महीने तक लगी रोक

अमृत विचार, लखनऊ : नगर निगम ने बारिश को देखते हुए तीन महीने तक रोड कटिंग पर रोक लगा दी है। साथ ही पूर्व में जारी अनुमति भी स्थगित कर दी हैं। नगर निगम के मुख्य अभियंता महेश वर्मा ने इस सम्बंध में आदेश जारी कर दिया है। उन्होंने बताया कि 25 सितंबर तक अनुमति जारी करने पर रोक रहेगी। इस अवधि में पूर्व में जारी अनुमति भी स्थगित रहेंगी। मुख्य अभियंता ने बताया कि सम्बंधित विभाग केबल डालने के लिए सड़क की खुदाई करती हैं। बारिश में इससे समस्या होती है। उन्होंने बताया कि इस सम्बंध में लेसा, जल निगम, टेलीकॉम और ग्रीन गैस कंपनियों को सूचना भेजी जा रही है।

माधव मंदिर की ओर से किया गया पौधारोपण

अमृत विचार, लखनऊ : डालीगंज स्थित माधव मंदिर के 64वें वार्षिकोत्सव एवं जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिन पर्यावरण संरक्षण के तहत एक पेड़ अवश्य लगायें कार्यक्रम का आयोजन डालीगंज के कलेक्टरगंज पार्क में किया गया। अध्यक्ष बिहारी लाल साहू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारत भूषण गुप्ता, गोविंद साहू, घनश्याम दास अग्रवाल, ओमकार जैसवाल, श्याम जी साहू, राकेश साहू, दिनेश अग्रवाल, अनुराग साहू और निशांत शुक्ला ने पौधा रोपण किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारत भूषण गुप्ता ने बताया कि राधा माधव सेवा संस्थान का उद्देश्य है कि पर्यावरण संरक्षण के तहत एक पेड़ अवश्य लगाया जाए। संस्था के पदाधिकारी अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

कई इलाकों में आज बिजली संकट

अमृत विचार, लखनऊ : आरडीएसएस योजना के तहत शहर के कई क्षेत्रों में गुरुवार को जर्जर तार, एबी केबिल और बिजली के खंभे सहित कई मरम्मत के कार्य किए जायेंगे। इसके चलते करीब 50 हजार बिजली उपभोक्ताओं को बिजली संकट का सामना करना पड़ेगा। महानगर के विवेकानंदपुरीसे पोषित इलाकों की बिजली आपूर्ति सुबह 10 से शाम 5 बजे तक बंद रहेगी। कमता उपकेंद्र के विमल नगर फीडर से पोषित इलाके में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक ठप रहेगी। चिनहट तिराहा फीडर से पोषित इलाकों की बिजली आपूर्ति सुबह 10 से शाम 5 बजे तक प्रभावित रहेगी।

टैगिंग पर उर्वरकों के सभी हेड को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लगातार मिल रही शिकायतों का सरकार ने लिया संज्ञान
- संयुक्त कृषि निदेशक ने जारी किया नोटिस

अमृत विचार : प्रदेश में उर्वरकों के साथ टैगिंग यानी कोई अन्य सामान खरीदने के लिए किसानों को बाध्य किया तो सम्बंधित का लाइसेंस निरस्त करके विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस तरह की बराबर मिल रहीं शिकायतों का संज्ञान लेकर संयुक्त कृषि निदेशक (उर्वरक) ने कंपनियों के सभी स्टेड हेड को टैगिंग रोकने के साथ कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

कृषि विभाग को किसानों द्वारा दूरभाष, सोशल मीडिया व अन्य माध्यम से थोक व फुटकर विक्रेताओं द्वारा टैगिंग की शिकायतें मिल रही हैं। जो किसानों को यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी व एसएसपी खरीदने पर अन्य उत्पाद लेने के लिए बाध्य करते हैं। इससे किसानों को नुकसान और कंपनी व व्यापारियों फायदा उठा रहे हैं। छापेमारी में भी टैगिंग की बात सामने आई है। इस पर शासन ने भी नाराजगी जताई है। इस पर सख्ती दिखाते हुए संयुक्त कृषि निदेशक (उर्वरक) डॉ. आशुतोष कुमार मिश्र ने समस्त राज्य विपणन प्रबंधक, विपणन प्रबंधक, उर्वरक विनिर्माता, प्रदायकर्ता संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही कार्रवाई की चेतावनी देकर तत्काल टैगिंग रोकने के निर्देश दिए हैं।

कल निकलेगी इस्कान मंदिर की जगन्नाथ रथ यात्रा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : सुशांत गोल्फ सिटी स्थित राधा रमण बिहारी मंदिर (इस्कॉन) की ओर से 27 जून को जगन्नाथ रथयात्रा महामहोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस्कान के अध्यक्ष अपरिमेय श्याम दास ने प्रेस क्लब में पत्रकारों को इसकी जानकारी दी। उपाध्यक्ष भोक्ता राम, मधुस्मिता, दीनदयाल कृष्ण, मन्दिर निर्माण समिति के अध्यक्ष आनंद स्वरुप अग्रवाल, फेस्टिवल कमेटी के उपाध्यक्ष लाल बहादुर और रवि मलिक साथ रहे।

अपरिमेय ने बताया कि 26 जून को इस्कॉन मंदिर में गुण्डिचा मार्जिन का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। हरि-हरि बोल, हरे कृष्णा एवं जय जगन्नाथ का उच्चारण करते हुए 100 मटके, 100 झाड़ू से मंदिर के कोने- कोने की सफाई करते हुए जगन्नाथ जी का स्वागत करेंगे। शाम 4 बजे रमण बिहारी मंदिर (इस्कॉन) में जगन्नाथ जी की विशेष आरती की जाएगी। रवीन्द्रालय में दोपहर 2 बजे हरिनाम संकीर्तन से कार्यक्रम की शुरुआत होगी। दोपहर 2:30 बजे प्रवचन एवं कथा का कार्यक्रम होगा। शाम को 4 बजे रथयात्रा शुरू हो जाएगी। यात्रा रवीन्द्रालय चारबाग से शुरू होकर बासमंडी चौराहा, हीवेट रोड, कैंट चौराहा (बलिंगटन), नावेल्टी सिनेमा, हलवासिया तिराहा, हजरतगंज चौराहा होते हुए वापस मुड़कर हलवासिया होते हुए डीएम आवास के बगल जहांगीराबाद पैलेस में समाप्त होगी।

पत्रकर वार्ता में रथयात्रा के बारे में जानकारी देते अपरिमेय श्याम दास व अन्य।

जगन्नाथ जी को काढ़ा पिलाते भक्त। अमृत विचार

जगन्नाथ जी को पिलाया जा रहा काढ़ा

अमृत विचार, लखनऊ : पूर्णिमा से अस्वस्थ चल रहे जगन्नाथ जी एकांतवास में विश्राम कर रहे हैं। चारों धाम रथ यात्रा समिति की ओर से प्रत्येक दूसरे दिन जगन्नाथ जी को काढ़े का भोग लगाया जा रहा है, ताकि वह जल्दी स्वस्थ होकर रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण को निकल सकें। समिति के आशीष अग्रवाल और रिद्धि किशोर गौड़ ने बताया कि कल स्वस्थ होकर जगन्नाथ जी अपने स्थान पर विराजमान होंगे। 27 जून को चांदी की पालकी में नगर भ्रमण पर निकलेंगे। सुबह 10 बजे से चारों धाम मंदिर रानी कटरा में पूजन शुरू होगा। 12 बजे पालकी रथ यात्रा शुरू होगी।

विश्व शांति के लिए मंदिर में किया हवन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- परमानंद हरि हर मंदिर की वर्षगांठ पर हुआ आयोजन

अमृत विचार: ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की ओर से सनातन ध्वज वाहिका सपना गोयल के मार्गदर्शन में परमानंद हरि हर मंदिर की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर बुधवार को विश्व शान्ति और भारत वर्ष के उत्थान के लिए देवा रोड स्थित मंदिर परिसर में हवन का आयोजन किया गया।

महिलाओं ने सामूहिक सुंदरकांड का पाठ और कीर्तन भी किया। समारोह का समापन भंडारे से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों में प्रसाद का वितरण किया गया। इसके साथ ही 24 जून की दोपहर दो बजे से शुरू हुआ अखंड राम चरित मानस का पाठ भी बुधवार की दोपहर में सम्पन्न हो गया।

मंदिर की संस्थापिका सपना गोयल ने बताया कि इस मंदिर की स्थापना 10 जुलाई 2021 को अमावस्या के अवसर पर की गई थी। दरअसल इस मंदिर के निर्माण की प्रेरणा उन्हें स्वप्न में हुई थी इसलिए उन्होंने ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की स्थापना कर सनातन जागृति का वृहद कार्य शुरू किया। भारतवर्ष को विश्व में दोबारा विश्व गुरु की पहचान मिले इसलिए प्रदेश ही नहीं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुंदरकांड महा अभियान बने भारत वर्ष की पहचान का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हरि हर मंदिर अपने स्वरूप के कारण भी निराला है क्योंकि इस मंदिर में हरि और हर दोनों स्थापित हैं, इसलिए यह मंदिर का भक्तों में परमान्द हरि हर मन्दिर के रूप में लोकप्रिय है।

मंदिर की वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं। अमृत विचार

फैमिली आईडी से होगी पहचान, मिलेंगे लाभ

अमृत विचार, लखनऊ: राशन कार्ड से वंचित जो परिवार हैं उन्हें फैमिली आईडी बनवाना अनिवार्य है। फैमिली आईडी बनने से परिवार को पहचान मिलेगी, साथ ही जिन योजनाओं से वंचित हैं उसका लाभ मिलेगा। यह बातें बुधवार को विकास भवन में आयोजित कार्यशाला में अर्थ एवं संख्याधिकारी कैलाश नाथ ने कही। 'एक परिवार एक पहचान' के तहत फैमिली आईडी को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें पंचायती राज विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार, ग्राम्य विकास, कृषि विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित हुए।

सार-संक्षेप

गुप्त नवरात्र आज से

अमृत विचार, लखनऊ : वर्ष भर में चार नवरात्र मनाए जाते हैं। चैत्र, आश्विन, पौष और आषाढ़। इनमें आषाढ़ और पौष के नवरात्र विशेष रूप से गुप्त साधना के लिए जाने जाते हैं। आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि से गुप्त नवरात्र की शुरुआत होती है। इस वर्ष 26 जून गुरुवार से गुप्त नवरात्र पर माता के नौ रूपों की पूजा शुरू हो जाएगी। 4 जुलाई तक गुप्त नवरात्रि पर खासतौर पर तांत्रिक साधना, विशेष अनुष्ठान और गुप्त उपासना होगी। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि गुप्त नवरात्र के दौरान कई साधक महाविद्या तंत्र साधना के लिए आराधना करते हैं, जबकि अन्य पूरे नौ दिनों तक मां आदिशक्ति के नौ रूपों की पूजा-अर्चना विधि-विधान से करेंगे। गुप्त नवरात्र के दौरान कई साधक महाविद्या (तंत्र साधना) के लिए मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता छिन्नमस्ता, त्रिपुरा भैरवी, मां धूमावती, माता बगलामुखी, मातंगी और कमला देवी की पूजा करते हैं। इस साधना में ग्रह जनित दोषों की शांति, रोगनिवारण, शत्रु पर विजय, धन वैभव, मनोकामना पूर्ति होती है।

राजनीतिक के संत थे वीपी सिंह : शेखर दीक्षित

शेखर दीक्षित और अशोक सिंह का माला पहनकर स्वागत करते कार्यकर्ता।

अमृत विचार, लखनऊ : पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की जयंती समारोह का आयोजन मंगलवार को गांधी भवन में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय किसान मंच की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों भागीदारी रहीं। जयंती समारोह पर किसान मंच के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुद्ध जीवियों ने अपने विचार व्यक्त किया। राष्ट्रीय किसान मंच के अध्यक्ष पंडित शेखर दीक्षित ने कहा कि वीपी सिंह एक राजनीतिक संत थे जाति और धर्म की राजनीति से ऊपर उठकर समाज के वंचित तबके के लिए लड़ाई लड़ी। आज जब देश में मूलभूत सुविधाओं की बात पीछे छूट गई है। तब उनकी विचारधारा की प्रासंगिकता और अधिक हो गई है। आवश्यकता इस बात की है जाति और धर्म से ऊपर उठकर विकास की राजनीति पर चर्चा हो। सभी दल अपने सुविधा अनुसार जनता को जातियों में बांटकर वोट हासिल करना चाह रहे हैं। राष्ट्र निर्माण एकता में है जातियों में बांटने में नहीं। किसान अपने खून पसीने से खेतों को सींच कर लोगों का पेट भरता है। एसी कमरे में बैठे हुए मंत्री और अधिकारी किसान की मेहनत का दाम तय करते हैं उसमें भी किसान को पूरा न्याय नहीं मिलता। इसलिए आवश्यकता है किसान अब अपनी राजनीतिक सूझबूझ को अधिक धार देते हुए अपनी लड़ाई खुद लड़े।

मोहर्रम की तैयारियों को लेकर निरीक्षण करते अधिकारी।

रूमी गेट से होकर गुजरेगा मोहर्रम का जुलूस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- जिलाधिकारी, पुलिस कमिश्नर नगर आयुक्त ने किया बड़े व छोटे इमामबाड़े का निरीक्षण

अमृत विचार: मोहर्रम की तैयारियां पूरे जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। पहली, सातवीं और आठवीं मोहर्रम का जुलूस रूमी गेट से होकर गुजरना है। इस बात को ध्यान में रखते हुए रूमी गेट के दोनों ओर वाहनों को रोकने के लिए लगाए गए पत्थर के खम्भों को हटा दिया गया। एक लम्बे अर्से बाद रूमी गेट से वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के वाहनों का काफिला गुजरा।

छोटा इमामबाड़ा, बड़ा इमामबाड़ा और सआदत अली खां का मकबरा हुसैनाबाद ट्रस्ट के अंतर्गत आता है। ट्रस्ट के चेयरमैन और लखनऊ के जिलाधिकारी ने पुलिस कमिश्नर, नगर आयुक्त और प्रशासन व पुलिस के बड़े अधिकारियों के साथ बड़ा व छोटा इमामबाड़ा का निरीक्षण किया और वहां चल रही मोहर्रम की तैयारियों का जायजा लिया।मोहर्रम का चांद 26 जून को नजर आ जाता है तो पहली मोहर्रम 27 जून को होगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए सआदत अली खां के मकबरे में मजलिस के लिए पंडाल बनाने का काम शुरू हो गया है। बड़े इमामबाड़े से छोटे इमामबाड़े को जोड़ने वाली अजादारी रोड पर प्रकाश व्यवस्था का काम भी जोर पकड़ गया है।

पुराने लखनऊ में जरीह, अलम और ताजियों की दुकानें सज गई हैं। चांद नजर आने के बाद महिलाएं अपने सुहाग के प्रतीक भी उतार देंगी। रंग-बिरंगे लिबासों की जगह लोग काले लिबास पहने नजर आएंगे।

लोहिया संस्थान को मिला ईट राइट कैंपस का प्रमाणपत्र

अमृत विचार, लखनऊ: डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की ओर से ईट राइट कैंपस के रूप में प्रमाणित किया गया है। यह प्रमाण पत्र आठ मई 2025 से सात मई 2027 की अवधि के लिए दिया गया है।

निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने बताया कि हम भी अब उन अग्रणी संस्थानों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने ईट राइट मूवमेंट को अपनाया है। जो देश में स्वास्थ्यप्रद और सुरक्षित आहार को बढ़ावा देने की एक राष्ट्रीय पहल है। यह हमारे संस्थान के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। यह उपलब्धि हमारे पोषण, स्वच्छता और मरीजों की सुरक्षा के प्रति समर्पण को दर्शाती है।

कथक नृत्य से दर्शाया द्रौपदी चीर हरण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सुभद्रा नृत्य संस्थान की ओर से आयोजित 10 दिवसीय शास्त्रीय कथक कार्यशाला का समापन समारोह अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में हुआ। इस अवसर पर श्रृंगार मणि उपाधि से सम्मानित नृत्यांगना मीरा दीक्षित और सीआईपीईटी के महानिदेशक प्रो. शिशिर सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

समारोह की शुरुआत गिरधर गोपाल साहू और मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई। नृत्यांगनाओं ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। संस्थान की निदेशक हुमा साहू ने परंपरागत एकताल पर कथक नृत्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागी बच्चों ने हुमा साहू के साथ मिलकर संत कुंभनदास एवं परमानंददास की भक्तिपूर्ण रचनाओं पर भावनृत्य प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। बाल कलाकार नभय साहू ने अपने सुमधुर संगीत से श्रोताओं का मन मोह लिया। गणेश वंदना शुद्ध पारंपरिक कथक में निबद्ध कुम्भल दास और परमानंद दास अष्टछाप के कवियों की रचनाओं पर आधारित प्रस्तुति पिया संग झूली रे, रास, हनुमान चालीसा, मुर्शिद खेले होली, द्रौपदी चीर हरण की प्रस्तुति लोगों के आकर्षण का केंद्र रही।

कथक नृत्य से द्रौपदी चीरहरण की प्रस्तुति देतीं कलाकार। अमृत विचार

नेचर कैम्प में बच्चों ने जानीं मछली की किस्में

मछलियों के बारे में जानकारी लेते बच्चे। अमृत विचार

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य संग्रहालय और टर्टिल सर्वाइवल एलाइन्स फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में जूनियर कन्ज़र्वेशनिस्ट नेचर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर उत्तर प्रदेश की मत्स्य विविधता एवं मत्स्य पालन के महत्व के विषय में प्रतिभागियों को जागरूक किया गया। टर्टिल सर्वाइवल एलाइन्स फाउंडेशन इंडिया के वैज्ञानिक डॉ. अनुराग एवं शिवांगी द्वारा राष्ट्रीय मत्स्य संग्रहालय का भ्रमण कराया गया। संग्रहालय की एक्स रे प्रयोगशाला में बच्चों को विभिन्न प्रकार की मछलियों के एक्सरे के माध्यम से शरीर के आंतरिक अंगों की विस्तृत जानकारी दी गई। संग्रहालय के पास बने गंगा एक्वेरियम में बच्चों ने कछुओं एवं विभिन्न प्रकार की मछलियों तथा कोरल्स की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान राष्ट्रीय मछली संग्रहालय के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी अमित सिंह बिष्ट ने मछलियों के प्रवास एवं प्रजनन को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम का समन्वय सहायक निदेशक अलशाज फातमी ने किया। कार्यक्रम में अनुराग द्विवेदी, सुरेश कुमार रावत और सत्यपाल शर्मा आदि का योगदान रहा।

कला संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे प्रेक्षागृह में किया गया मंचन

उठ जाग मुसाफिर, मन की बात में दिखी बच्चों की प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों की कल्पनाशक्ति, अभिव्यक्ति और सामाजिक समझ को विस्तार देकर उसे मंच पर लाने के उद्देश्य से यायावर रंगमंडल की ओर से हर साल होने वाले उल्लास बाल पर्व में बुधवार को बच्चों ने अपनी प्रतिभा का जबरदस्त प्रदर्शन किया। उल्लास का आयोजन संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे प्रेक्षागृह में किया गया।

40 दिवसीय कार्यशाला के जरिये बच्चों को जो सिखाया गया वह बच्चों ने यहां दो नाटकों के जरिये मंचित किया। केके अकादमी इंदिरानगर में पुनीत मित्तल के निर्देशन में जितेन्द्र मित्तल द्वारा लिखित नाटक उठ जाग मुसाफिर को बच्चों से मंचित कराया गया। 40 दिन तक अभिनय की बारीकियां सीखने के बाद बच्चों ने अन्याय के खिलाफ एक नई चेतना की लौ जगाई। प्रस्तुति सामाजिक जागरूकता, करुणा और नेतृत्व का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई। हिमांशु गुप्ता, नवनीत, सौरीश शर्मा, सृष्टि वाल्मीकि, अनिमेष कुमार, वंश शुक्ला, आयुषी, हर्ष सिंह, हर्ष, अनुज कुमार, प्रियांशु गौतम, आरव राज, अंश कुमार, निपुण सिंह, आंचल गुप्ता, आराध्या मौर्या, आराधिका सिंह, अभिनव भौमिक और वीरा सिंह के अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। दूसरी कार्यशाला सेंट पीटर इण्टर कॉलेज, गोमती नगर में आयोजित की गई। 40 दिवसीय इस कार्यशाला में बच्चों से नाटक मन की बात तैयार कराया गया। यह नाटक इस संदेश को स्पष्ट रूप से सामने लाता है कि बच्चों को माता-पिता की डांट के साथ-साथ उनका प्यार और थोड़ा सा समय भी चाहिए, ताकि वे अपने मन की बात कह सकें और उनके मन की बात भी सुन सकें। पीयूष कुमार, रजनी, स्तुति, कोमल, ईशानी, ऋषभ, अदिति, आरुष, मानव, शुभ कुमार, रागिनी, डिम्पल, हर्ष और काशवी के अभिनय कौशल और विषय की गहराई ने दर्शकों को गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया।

स्टेजक्राफ्ट कार्यशाला रंगमंच के पीछे की सृजनात्मकता

युवा रंगकर्मी आद्या घोषाल के निर्देशन में आयोजित स्टेज क्राफ्ट कार्यशाला ने बच्चों को रंगमंच के तकनीकी पक्ष जैसे सेट डिज़ाइन, प्रॉप निर्माण, परिधान चयन, प्रकाश संयोजन और बजट प्रबंधन की बारीकियों से अवगत कराया। इस अनुभव ने बच्चों को टीम वर्क, नेतृत्व, रचनात्मक सोच और समस्या समाधान जैसे विषय सिखाये। आयोजन का एक विशेष आकर्षण रही इस कला प्रदर्शनी में गुरुग्राम के दो शेल्टर होम्स के बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। यह प्रदर्शनी क्रिएटिव माइंड्स हीलिंग हार्ट्स नामक परियोजना के अंतर्गत आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी को ओपन डोर्स आर्ट प्रोग्राम, आर्तेदु फाउंडेशन और कलाग्राम सोसाइटी ने संयुक्त रूप से किया। इसकी परिकल्पना एवं निर्देशन शिखा एवं नीरा द्वारा की थी।

एक नजर

बेकाबू कार की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत, पति घायल

अमृत विचार, लखनऊ : दुबग्गा स्थित रिंग रोड पर मंगलवार शाम बेकाबू कार ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर से सड़क पर गिरी महिला को कार ने रौंद दिया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि पति घायल हो गया। घटना के चालक चालक कार लेकर फर्राटा भरते हुए भाग निकला। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। मूल रूप से हरदोई संडीला निवासी अजहर दुबग्गा स्थित टीवी टावर के पास पत्नी हसन जहां (42) के साथ किराये पर रहकर प्राइवेट गाड़ी चलाते हैं। उन्होंने बताया कि पत्नी हसन जहां संडीला गई थी। मंगलवार शाम को वह बस से वापस लौटी। दुबग्गा बस स्टैंड से अजहर पत्नी को बाइक से लेकर घर जा रहे थे। रास्ते में रिंग रोड पर बेकाबू कार ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से हसन जहां सड़क पर गिरीं और कार का पहिया उन पर चढ़ गया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक चल रहे अजहर को मामूली चोट लगी। इंस्पेक्टर दुबग्गा अभिनव वर्मा ने बताया कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

दोस्त को ट्रक ने रौंदा, मौत से आहत साथी ट्रेन के आगे कूदा

दो दोस्तों की मौत से सरावां गांव में मातम, साइकिलों से बाग में आम तोड़ने जा रहे थे

संवाददाता, मलिहाबाद

मनीष रावत

सागर गौतम

13 किमी दूर रहीमाबाद पुलिस ने पकड़ा ट्रक

हादसे की सूचना मिलते ही मलिहाबाद पुलिस ने रहीमाबाद इंस्पेक्टर को कॉल कर जानकारी दी। जिसके बाद रहीमाबाद पुलिस ने मुख्य मार्ग पर बैरिकेटिंग कर ट्रक को घेरकर रोका और चालक को पकड़ लिया। अतिरिक्त निरीक्षक मलिहाबाद ने बताया कि मृतक मनीष के पिता संजय की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर चालक जान मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अमृत विचार: थाना क्षेत्र में सरावां गांव में बुधवार सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। बेकाबू ट्रक ने साइकिल से जा रहे मनीष रावत (17) को रौंद दिया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। साथी सागर गौतम ने ट्रक रोकने को कोशिश की, लेकिन चालक भाग निकला। दोस्त मनीष की मौत से आहत होकर सागर गौतम (20) ने ट्रेन के सामने कूदकर खुदकुशी कर ली। सूचना मिलते ही मलिहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों परिवार को जानकारी देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अतिरिक्त निरीक्षक सुरेंद्र मिश्र ने बताया कि सरावां गांव निवासी मनीष रावत और सागर गौतम जिगरी दोस्त थे। दोनों साथ में ही बागों में आम तोड़ने का काम करते थे। पिता संजय रावत ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे दोनों बेटा मनीष और उसका दोस्त सागर अपनी-अपनी साइकिल से मलिहाबाद एक बाग में आम तोड़ने जा रहे थे। बाबा मैरिज लॉन के सामने सड़क पार करते समय लखनऊ से हरदोई की तरफ से जा रहे ट्रक ने साइकिल सवार मनीष को रौंद दिया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

यह देख पीछे से आ रहे साइकिल सवार सागर ने ट्रक को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ट्रक लेकर रहीमाबाद की तरफ भाग गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोस्त मनीष की मौत से सागर गौतम बुरी तरह से घबरा गया। वह सड़क पर ही मनीष से लिपटकर रोने लगा। उसने पहले एक और ट्रक के सामने लेटकर जान देने की कोशिश की, लेकिन उस ड्राइवर की सूझबूझ से वह बच गया। उसके बाद सागर रोते हुए भागकर अमानीगंज रेलवे फाटक के पास पहुंचा और एक एक्सप्रेस ट्रेन के आगे छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली।

ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। पुलिस ने बताया कि मनीष के परिवार में पिता संजय, भाई विशाल, साहिल, बहन निधि है। भाई विशाल मुंबई में रहकर मजदूरी करता है, जबकि पिता संजय लकवा ग्रस्त हैं। वहीं, सागर के परिवार में पत्नी रेखा, पिता गंगा, माता प्यारा और चार भाई हैं।

दोनों में थी गहरी दोस्ती : बताया जा रहा है कि मनीष और संजय में गहरी दोस्ती थी। दोनों हमेशा साथ ही रहते थे। यही वजह है कि मनीष की मौत के सदमे में सागर ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। दोनों दोस्तों की मौत से गांव में मातम का माहौल है। हर कोई दोनों की दोस्ती के बारे में चर्चा कर रहा है।

मंदिर से लौट रही महिला को वैन ने मारी टक्कर, मौत

संवाददाता, माल

अमृत विचार: थाने के पास शिव मंदिर में दर्शन-पूजन कर पैदल घर लौट रही महिला को सुबह बेकाबू वैन ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर वैन को कब्जे में ले लिया है। इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि बेटे की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

सुधा

माल के आजादनगर निवासी अर्पित ने बताया कि बुधवार सुबह करीब आठ बजे मां सुधा (55) पत्नी इंद्रपाल थाने के निकट स्थित शिव मंदिर में दर्शन-पूजन कर पैदल घर आ रही थी। गांव के पास ही वैन ने गलत दिशा में जाकर सुधा को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। खबर मिलते ही बेटा दौड़ा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में सुधा को माल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान सुधा की मौत हो गयी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने बेटे की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर चालक इमरान अब्बास को गिरफ्तार कर लिया है।

दो युवकों के खाते से उड़ाए 1.42 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : साइबर जालसाज ने दो युवकों के खातों से 1.42 लाख रुपये उड़ा लिए। कहीं जालसाज ने बैंक का क्रेडिट कार्ड कर्मी बनकर फंसाया तो कहीं स्विगी कस्टमर केयर कर्मी बनकर ठगा। ठगी के यह मामले हजरतगंज और चिनहट के हैं। पुलिस दोनों मामलों को दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच कर रही है। मूल रूप से सीतापुर अटरिया निवासी उदय प्रताप ने बताया कि 18 जून को एक कॉल आई। फोनकर्ता ने आरबीएल बैंक के क्रेडिट कार्ड सेक्शन का अधिकारी बनकर बात की। बातों में फंसाकर एक लिंक भेजा। पीड़ित ने लिंक ओपन कर जैसे ही जानकारी शेयर की। उनका मोबाइल हैक हो गया। जिसके बाद खाते से 93,751 रुपये कट गए। पीड़ित ने हजरतगंज कोतवाली में आईटी एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं, चिनहट के सिल्वर लाइन अपार्टमेंट निवासी ओजस शुक्ल का खाता पीएनबी में है। पीड़ित ने कुछ दिन पहले स्विगी से फूड बुक किया। डिलेवरी न होने पर कस्टमर केयर पर कॉल की। जालसाज ने बातों में फंसाकर खाते से 48,506 रुपये गायब कर दिए। साइबर सेल में शिकायत करने के बाद पीड़ित ने चिनहट कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पति की मौत के ढाई माह बाद पत्नी ने गोमती में कूदकर दी जान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

मर्चरी के बाहर खड़े कविता निषाद के परिजन (इनसेट में) कविता निषाद की फाइल फोटो। अमृत विचार

अमृत विचार: हजरतगंज के सिकंदर नगर नई बस्ती में रहने वाली कविता निषाद (30) ने बुधवार को लक्ष्मण मेला के पास गोमती नदी में कूदकर जान दे दी। कविता के पति महेश ने 2 अप्रैल को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मामले में कविता ने हजरतगंज कोतवाली में अलीगंज निवासी रिटायर्ड जज अनिल कुमार श्रीवास्तव और उनकी पत्नी वंदना के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। परिजन का आरोप है कि उक्त मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही नहीं होने से कविता आहत थी और इसी वजह से उसने जान दी।

भाई अंशु ने बताया कि बहनोई महेश की आत्महत्या के कुछ दिन बाद उनकी बहन कविता सुशांत गोल्फ सिटी स्थित अर्जुनगंज अहिमामऊ में अपने दूसरे मकान में बच्चों माधव और शुभी के साथ रह रही थी। कविता ने मकान का एक हिस्सा किराए पर दिया था। उसी रुपये से घर का खर्च चल रहा था। बुधवार सुबह कविता बच्चों संग भाई के घर सिकंदर नगर पहुंची थी। दोपहर करीब 1:30 बजे कविता पुलिस चौकी पर दरोगा से मिलने की बात कह कर घर से निकली।

इसके बाद लक्ष्मण मेला मैदान के पास गोमती नदी में कूद गईं। कविता को नदी में कूदता देखकर लोगों ने शोर मचाया। स्थानीय लोगों व परिजन ने कविता को नदी से बाहर निकाला। सूचना मिलते ही हजरतगंज पुलिस मौके पर पहुंची। आनन-फानन में कविता को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। भाई अंशु का आरोप है कि अगर समय रहते पुलिस ने कार्यवाही की होती तो बहन कविता की जान नहीं जाती।

आरोप है कि कविता पति की

- रिटायर्ड जज व उनकी पत्नी की प्रताड़ना से क्षुब्ध होकर नौकर ने लगाया था फंदा
- खुदकुशी के लिए उकसाने की रिपोर्ट के बाद भी पुलिस नहीं कर रही थी कार्रवाई

रिटायर्ड जज ने लगाया था साढ़े छह लाख की चोरी का आरोप

होली के समय रिटायर्ड जज के घर में साढ़े छह लाख रुपये की चोरी हुई थी। बहनोई महेश ने चोरी नहीं की थी। इसके बाद मालकिन वंदना महेश पर चोरी का आरोप मढ़ रही थी। 17 मार्च को उन्होंने अलीगंज थाने में पति के खिलाफ तहरीर दी थी। पति से पूछताछ के बाद पुलिस ने लिखापढ़ी करके छोड़ दिया था। इसके बाद से सेवानिवृत जज उनके बहनोई को धमका रहे थे कि डेढ़ लाख रुपये एक अप्रैल तक दे देना नहीं तो घर जब्त कर लिया जाएगा।

मालकिन को संबोधित वीडियो बनाकर महेश ने लगाया था फंदा

अंशू ने बताया कि बहनोई महेश अलीगंज निवासी रिटायर्ड जज अनिल कुमार श्रीवास्तव के यहां खाना बनाते थे। 2 अप्रैल को महेश ने मोबाइल पर मालकिन को संबोधित करते हुए एक वीडियो बनाया था। जिसमें कहा था कि, मम्मी जी...अगर आपको लगता है कि सारा रुपया मैंने निकाला और बांट लिया, पर ऐसा नहीं है। मैंने रुपया नहीं निकाला है। यह राहुल की हरकत है। अमित भी यह बात जानता है। राहुल ने यह बात खुद बताई थी कि पिन खोलकर उसने पैसा निकाला था। मेरे पास डेढ़ लाख रुपये नहीं हैं जो आपको दे सकूं। इसलिए आज होशो हवास में सुसाइड करने जा रहे हैं। मम्मीजी जी आज के बाद नहीं मिलेंगे आप से, क्योंकि आज हम आत्महत्या करने जा रहे हैं।

खुदकुशी मामले में कार्यवाही की मांग को लेकर चौकी और कोतवाली का चक्कर काटती रही, लेकिन पुलिस टालमटोल करती रही। अंशु ने बताया कि बहनोई और अब बहन के जाने के बाद भांजी व भांजे की जिम्मेदारी भी उनके ऊपर है। उन्होंने पुलिस से रिटायर्ड जज और उनकी पत्नी के के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

चार किमी तक कार सवारों ने किया पीछा युवती पर कसी फब्तियां, किए गंदे इशारे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- ओवरटेक कर रोकने का किया प्रयास, दी गालियां
- भाई संग समता मूलक से घर जा रही थी पीड़िता
- गाजीपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज खंगाले सीसी फुटेज

अमृत विचार: समतामूलक चौराहे से भाई के साथ स्कूटी से घर लौट रही युवती का कार सवारों ने पीछा किया। करीब चार किलोमीटर तक आरोपी गंदे इशारे और अश्लील फब्तियां कसते रहे। भाई के सामने ओछी हरकत होने पर युवती असहज हो गयी। पॉलीटेक्निक चौराहे के पास कार सवारों ने ओवरटेक करने की कोशिश की। सफल नहीं होने पर चलती कार से युवती को गंदी गालियां देते हुए धमकाया। पीड़िता ने पुलिस को कार नंबर सौंपते हुए गाजीपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

इंदिरानगर निवासी 25 वर्षीय युवती मेडिकल की पढ़ाई करने के बाद एक डॉक्टर के अधीन ट्रेनिंग कर रही है। पीड़िता ने बताया कि सोमवार रात भाई, बहन और सहेली के साथ गोमतीनगर घूमने गई थी। होटल में खाना खाने के बाद सभी लोग समता मूलक पर गए। उसके बाद देर रात सभी लोग अलग-अलग स्कूटी से लौट रहे थे। युवती का भाई स्कूटी चला रहा था। पीड़िता ने बताया कि समता मूलक चौराहे से मुंशी पुलिया की तरफ बढ़ते ही सफेद रंग की टियागो कार सवार पीछा करने लगे।

काफी देर तक भाई-बहन कार सवारों को नजरअंदाज करते रहे। लेकिन आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आए। आरोपियों ने गंदे इशारे करते हुए अश्लील फब्तियां कसी। पॉलीटेक्निक चौराहे के पास पहुंच कर ओवरटेक कर कार सवारों ने स्कूटी रोकने का प्रयास किया। असफल होने पर कार का शीशा उतार कर भाई के सामने ही युवती को गालियां दी। छेड़छाड़ करने के बाद आरोपी रिंग रोड की तरफ भाग गए। पीड़ित भाई-बहन ने पीछा किया तो अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपियों ने कार रोक कर उन्हें धमकाया।

आरोपियों की हरकत से सहमी पीड़िता रोने लगी। भाई ने उसे संभाला। इसी दौरान पीछे से बहन और सहेली भी आ गए। डॉयल-112 पर सूचना देने के बाद सभी लोग रात में गाजीपुर थाने पहुंचे। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि कार प्रयागराज नंबर की थी। इंस्पेक्टर गाजीपुर विकास राय ने बताया कि रात करीब 12.56 बजे युवती ने तहरीर दी थी। जिसके आधार पर कार नंबर सवार अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी है। पॉलीटेक्निक चौराहे पर लगे कैमरों की फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों को पकड़ा जाएगा।

एक्स पर की शिकायत सुरक्षा की मांग

गाजीपुर थाने में शिकायत करने के बाद पीड़िता ने एक्स पर आपबीती बताते हुए एक पोस्ट किया। पीड़िता ने मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। लखनऊ को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाया जाए, ताकि मेरे जैसी आम लड़कियां सुरक्षित रहें।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, दो युवकों की मौत

संवाददाता, काकोरी

- काकोरी के मौंदा इलाके में हुआ हादसा

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के मौंदा में मोड़ पर बुधवार शाम दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गयी। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही काकोरी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों घायलों को सीएचसी सरोजनी नगर भेजा, जहां डॉक्टरों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया।

इंस्पेक्टर सतीश राठौर ने बताया कि मौंदा से अमौसी जाने वाले रोड पर कुलदीप ट्रेडर्स के सामने बुधवार शाम करीब छह बजे दो बाइक सवारों में आमने-सामने भिड़ंत हो गयी। जिसमे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों की पहचान उन्नाव के थाना औरास के घरघटा निवासी श्याम गौतम (18) और दूसरे बाइक चालक दुबग्गा के सिकरौरी निवासी रामू (28) के रूप में हुई।

दोनों घायलों को सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि बाइक सवार श्याम गौतम औरास से नादरगंज में किराए पर रह रहे परिवार से मिलने जा रहा था, जबकि रामू अमौसी से अपनी बहन की ससुराल से वापस आ रहा था। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

फ्लैट का झांसा देकर महिला से ऐंठे 37.77 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कानपुर की महिला ने दो प्रोजेक्ट में बुक कराए थे तीन फ्लैट
- 11 साल बाद भी न मिला फ्लैट न रुपये हुए वापस
- डीसीपी पूर्वी के निर्देश पर निदेशकों समेत चार पर गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज

इंश्योरेंस पॉलिसी निरस्त का झांसा देकर ठगे 62 हजार

अमृत विचार , लखनऊ : निजी बैंक से ली गई इंश्योरेंस पॉलिसी को निरस्त करने का झांसा देकर एक युवक से करीब 62 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने मड़ियांव थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आईआईएम रोड स्थित साई सिटी निवासी अमित कुमार बाजपेयी ने एचडीएफसी लाइफ की इंश्योरेंस पॉलिसी ली थी। 17 जून को उनके पास एक महिला की कॉल आई। उसने अमित की पॉलिसी निरस्त होने के संबंध में बात की। बताया कि पॉलिसी सक्रिय नहीं है। ऐसे में इसमें जमा रुपये वापस करने के लिए एजेंट कोड हटाना होगा। बातों में फंसाकर महिला ने अमित के व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजा। जिसे क्लिक करने के बाद अमित ने आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज मेल कर दिए। साथ ही पॉलिसी के बदले 62,500 हजार रुपये भी दिए थे। पीड़ित को व्हाटसएप पर ही रसीद भी भेजी गई थी। जिसके चलते भरोसा हो गया। और रुपयों की मांग पर पीड़ित को शक हुआ। अमित ने मड़ियांव थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

अमृत विचार: रियल एस्टेट कंपनी पोलार्स इंफ्रा डेवलपर्स ने फ्लैट देने का झांसा देकर कानपुर की सरकारी कर्मचारी से 37.77 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपियों की चिकनी चुपड़ी बातों में फंसी पीड़िता ने फर्म के दो प्रोजेक्ट में तीन फ्लैट बुक किए। नकद और ऑनलाइन रुपये दिए, इसके बाद भी 11 साल तक फ्लैट नहीं मिला रुपये वापस मांगने पर भी आनाकानी की गई। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के निर्देश पर गोमतीनगर पुलिस ने निदेशकों समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कानपुर चकेरी स्थित श्याम नगर निवासी कीर्ति कुरील के पति अरुण कुमार बोकारो स्टील सिटी झारखंड में नौकरी करते हैं। उन्होंने बताया कि भाई की दोस्ती संदीप चतुर्वेदी से थी। जिसके चलते संदीप का छोटा भाई ऋषि चतुर्वेदी भी अक्सर घर आता था। वर्ष 2014 में ऋषि ने घर आकर बताया कि वह पोलार्स इंफ्रा डेवलपर्स में जुड़ गया है। रियल एस्टेट फर्म का कार्यालय लखनऊ के गोमतीनगर विनीत खंड में है। कंपनी के निदेशक सुधीर कुमार और दिनेश मणि राम नरेश तिवारी हैं। बातचीत में ऋषि ने बताया था कि उनकी फर्म लखनऊ में फ्लैट बना रही है।

आरोपी ने फ्लैट लेने का झांसा दिया। निदेशकों दिनेश मनीराम, केएस बाजपेई और सुधीर कुमार ने आश्वासन दिया कि जल्द ही फ्लैट का निर्माण होते ही कब्जा मिल जाएगा। पीड़िता कीर्ति ने प्रॉजेस टॉवर में दो और पोलार्स गुलमोहर गार्डेन मोहनलालगंज में एक फ्लैट बुक कराया। साथ ही टुकड़ों में 37.77 लाख रुपये दिए। इसके बाद भी फ्लैट नहीं मिला। ऋषि से पूछताछ करने पर वह भी टालमटोल करता रहा। संदेह होने पर पीड़िता ने छानबीन की तो पता चला कि आरोपियों ने फ्लैट के नाम पर धोखाधड़ी की है।

पीड़िता कीर्ति कुरील ने डीसीपी पूर्वी से मुलाकात कर शिकायत की। गोमतीनगर पुलिस ने ऋषि चतुर्वेदी निवासी चकेरी, दिनेश मणि राम नरेश तिवारी निवासी आशियाना, सुधीर कुमार, केएस बाजपेयी के खिलाफ धोखाधड़ी, गबन और आपराधिक साजिश की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर ब्रजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

फुटेज में आखिरी बार दिखी महिला मित्र, हुई पूछताछ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: गुडंबा स्थित अर्जुन एंक्लेव में मौरंग ठेकेदार उमाशंकर सिंह (44) हत्याकांड में आरोपियों की धरपकड़ के लिए क्राइम ब्रांच समेत तीन टीमों का गठन किया गया है। आरोपियों की तलाश टीमें छापेमारी कर रही है। सीसी फुटेज में आखिरी बार महिला मित्र वैशाली ही दिखी है। जिसके बाद पुलिस ने करीब 60 और सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली, लेकिन अंधेरा होने के चलते लगभग फुटेज धुंधली मिली। हत्याकांड में पुलिस रुपयों के विवाद और अनैतिक संबंधों को ही आधार बनाकर जांच कर रही है।

मूल रूप से सुल्तानपुर लम्भुआ निवासी उमाशंकर सिंह की गला रेत कर हत्या की गई थी। मंगलवार सुबह उनका शव अर्जुन एंक्लेव स्थित मकान के पहले तल पर बने कमरे में मिला था। शक के आधार पर पुलिस ने चाय की स्टॉल चलाने वाली वैशाली सिंह को हिरासत में लिया था। वैशाली भी मूल रूप से सुलतानपुर की रहने वाली है। लखनऊ आने पर उमाशंकर से उसकी अक्सर मुलाकात होती थी।

यही नहीं उमाशंकर के घर व इंटरलॉक की एक चाबी भी वैशाली के पास ही रहती थी। मंगलवार को वही इंटरलॉक खोलकर अंदर गयी तो उमाशंकर का शव होने की सूचना मकान मालिक मुस्तकीम को दी थी। वहीं, मृतक की पत्नी ममता ने बताया था कि वैशाली के प्रेमी संदीप ने करीब एक महीने पहले उसे धमकाया था कि पति को समझा लो, वरना अंजाम बुरा होगा। इसके बाद भी उमाशंकर और वैशाली मिलते रहते थे। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पड़ताल में सामने आया कि वैशाली ने अपने भाई अखिलेश का व्यवसाय स्थापित करने के लिए उमाशंकर से 10 लाख रुपये लिए थे। वहीं, परिवार के आरोप के बाद पुलिस लेनदेन और अवैध संबंधों के बिंदुओं पर जांच कर रही है।

सक्रियता एलआईयू समेत अन्य खुफिया एजेंसियां तलाश में जुटी

किसकी मदद से लोला ने बनवाया था जाली डीएल व आधार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- जाली दस्तावेज दिखाकर पुलिस को दिया था चकमा फिर कथित पति संग हुई गायब
- एफआरओ तैयार कर रहा उजबेकिस्तान समेत विदेशियों की सूची
- अवैध रूप से रह रहे यह लोग भेजे जाएंगे अपने देश

अंडरग्राउंड हुआ डॉ. विवेक

इंस्पेक्टर के मुताबिक छानबीन में सामने आया है कि लोला की आरोपी डॉक्टर विवेक गुप्ता से थाईलैंड में मुलाकात हुई थी। उसके बाद वह भारत आयी थी। लोला ने जवान दिखने के लिए सात बार प्लास्टिक सर्जरी कराई थी। लोला के जरिये ही होलिडा और नीलोफर भी विवेक के संपर्क में आए थे। सभी विदेशी महिलाओं का विवेक ही प्लास्टिक सर्जरी करता था। एफआईआर दर्ज होने के बाद से डॉ. विवेक भी अंडरग्राउंड है।

अमृत विचार: उज्बेकिस्तान से आकर लखनऊ में ठिकाना बनाए लोला कायूमोवा और उसका कथित पति त्रिजिनराज की तलाश में सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस के साथ एलआईयू भी लगी है। शातिर लोला ने लखनऊ में शरण लेने के लिए जाली दस्तावेज बनवाए थे। अपार्टमेंट वासियों ने एफआरओ कार्यालय में विदेशी महिला की शिकायत की थी। जिसके बाद पुलिस ने लोला से पूछताछ की थी। उसने जाली आधार कार्ड व डीएल दिखाकर अपार्टमेंट वासियों के आरोप को गलत बताया था। उसके बाद वह गायब हो गयी थी। लोला के हाथ लगने के बाद ही यह पता चल पाएगा कि जाली दस्तावेज बनवाने में किसने मदद की थी।

लखनऊ में बिना वैध दस्तावेज के रह रही उजबेकिस्तान व अन्य विदेशी महिलाओं की एफआरओ सूची तैयार कर रहा था। जल्द ही विदेश मंत्रालय की मदद से ऐसी विदेशी महिलाओं को उनके देश वापस भेजा जाएगा। इसके साथ ही एफआरओ इन सभी को ब्लैक लिस्ट करने की भी तैयारी में है। लोला की तलाश में खुफिया एजेंसियां भी लगी हैं। केरल जाने की अनुमति के लिए पुलिस ने पत्र पुलिस अधिकारियों के पास भेजा है।

ओमेक्स आर्चिड आर-1 में लिवइन पार्टनर अर्जुन राणा उर्फ त्रिजिनराज के साथ रहने वाली लोला कायूमोवा के बारे में एफआरओ में शिकायत की गयी थी। आरोप था कि अपार्टमेंट में रहने वाली विदेशी युवती की गतिविधियां संदिग्ध है। पुलिस छानबीन में अर्जुन उर्फ त्रिजिनराज ने लोला को पत्नी बताया था। यही नहीं लोला ने अपना भारतीय डीएल और आधार कार्ड भी दिखाकर पुलिस को चकमा दे दिया था। इसी बीच होलिडा और नीलोफर पकड़ी गईं, जिसके बाद 17 जून को लोला अपने कथित पति त्रिजिन राज के साथ लापता हो गई।

सौतेला पिता पुलिस के रडार पर, चश्मदीद के बयान दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नेट बैंकिंग व मैसेज से पता चलेगा कि आरोपी का कहां और किस बैंक में है खाता
- पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद और स्थिति होगी स्पष्ट
- महानगर बीसीए छात्रा सिमरन हत्याकांड

सिमरन (फाइल फोटो)

अमृत विचार: विज्ञानपुरी कॉलोनी में एमिटी विवि की बीसीए छात्रा सिमरन (19) हत्याकांड में बुधवार को महानगर पुलिस ने घटना की चश्मदीद और वादी उसकी मां रेखा राजपूत का बयान दर्ज किया। बयान में रेखा ने बताया कि सौतेला पिता विकास बेटी पर गंदी नजर रखता था। पुलिस ने रेखा के अलावा उनके अन्य परिजन के भी बयान लिए। इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार मिश्र ने बताया कि विवेचना की जा रही है। बयान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर में अन्य धाराएं बढ़ाई जाएंगी।

वहीं, जांच के क्रम में पुलिस आरोपी सौतेले पिता विकास चंद्र पांडेय के बैंक खातों की जानकारी जुटा रही है। इसके लिए पुलिस ने आरोपी के मोबाइल की नेट बैंकिंग और मैसेज को खंगाला। पुलिस पता कर रही है कि आरोपी के कितने और किस शहर के बैंकों में खाते थे। आरोपी ने रेखा का कुर्सी रोड स्थित प्लॉट को बिकवाने के बाद सिर्फ 80 लाख रुपये ही दिए थे। शेष रकम आरोपी ने कहां रखा है, इसके बारे में पता लगाया जा रहा है।

रेखा ने बयान में पुलिस को बताया है कि आरोपी उनकी बेटी पर गंदी नजर रखता था। आरोपी की हरकतों से परेशान होकर सिमरन एमिटी यूनिवर्सिटी के हॉस्टल से घर नहीं आना चाहती थी। हालांकि, छुट्टी होने की वजह से वह घर पर थी। पुलिस यह पता करने में जुटी है कि घर होने के बाद भी सिमरन हॉस्टल में क्यों रह रही थी? पुलिस सिमरन की दोस्तों से भी पूछताछ की तैयारी कर रही है ताकि मामले की तह तक पहुंचा जा सके। इंस्पेक्टर का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कई बातें स्पष्ट हो जाएंगी।

बताते चलें कि विज्ञानपुरी कॉलोनी में रेखा राजपूत बेटी सिमरन (19) के साथ रहती थीं। रेखा ने पति डा. जागेश सिंह राजपूत की मौत के बाद विकास चंद्र पाडेय से दूसरी शादी की थी। सोमवार रात विकास ने सिमरन की दो चाकूओं से गोदकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को मौके से दबोच लिया था।

एक नजर

छात्रों ने आपातकाल को किया याद

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय इकाई के कार्यकर्ताओं द्वारा 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल की 50 वीं वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर जागरुकता अभियान चलाया व सांकेतिक प्रदर्शन किया गया। जिसमे प्रमुख रूप से लखनऊ महानगर सहमंत्री सरिता पाण्डेय की उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष अमरप्रीत कौर ने कहा उस लोकतंत्र का गला घोंटा गया, संविधान को ताक पर रख दिया गया, और नागरिक अधिकारों को छीन लिया गया। विश्वविद्यालय के शोध संयोजक शशि प्रकाश पाठक ने कहा कि आज जब हम 50 साल बाद उस अंधकारमय समय को याद कर रहे हैं, तो हमें यह समझना होगा कि इतिहास को भूलना, उसे दोहराने का निमंत्रण देना है। एक छात्र होने के नाते, मैं मानता हूँ कि हम सबका यह नैतिक कर्तव्य है कि हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संवैधानिक अधिकारों, और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सतर्क रहें। राहुल भारती ने कहा कि हमारी पीढ़ी को यह जानना और समझना चाहिए कि लोकतंत्र कोई स्थायी देन नहीं है। बैठक में नागेश देव पाण्डेय,आरुष,सुप्रिया, किशन, अमरीश आदि की उपस्थिति रही।

नवाचार की नर्सरी बना एकेटीयू

प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति बनाने में विश्वविद्यालय निभा रहा अहम भूमिका

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

विश्वविद्यालय में अवसर और मंच देने के परिणाम स्वरूप आगे आगे हैं स्टार्टअप और इनोवेशन

अमृत विचार: प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति बनाने में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय युवाओं को मौका और मंच तो प्रदान कर रहा है। साथ ही नवाचार और उद्यमिता में आगे बढ़ने के लिए छात्रों का सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है। जिसके परिणामस्वरूप काफी संख्या में नवाचार और उद्यमिता सामने आये हैं। विश्वविद्यालय नवाचार को आगे बढ़ाने और युवाओं के नये विचार को सामने लाने के लिए प्रतियोगिता आयोजित करा रहा है। इसके लिए इनोवेशन हब और टेनिंग एण्ड प्लेसमेंट विभाग की ओर से हैकथॉन और बिल्डथॉन जैसे प्रतियोगिताएं कराई जा रही हैं।

हाल ही में इनोवेन्मेष का आयोजन किया गया। इसमे पूरे प्रदेश के छात्रों ने हिस्सा लिया। अपने नये आइडिया का प्रोटोटाइप मॉडल बनाया। जिसकी प्रदर्शनी भी विश्वविद्यालय में लगायी गयी। प्रदेश की राज्यपाल सहकुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने प्रदर्शनी को देखा और छात्रों के नवाचार की सराहना की। इसके अलावा इनोवेशन हब विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को लेकर हैकथान का भी आयोजन कराता है। जिसमें काफी संख्या में अच्छे नवाचार सामने आये। वहीं हाल ही में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग की ओर से बिल्डथॉन हुआ था। इसमें भी छात्रों की 60 टीमों ने अपने नवाचार की प्रदर्शनी लगाया था।

इनोवेशन हब कर रहा मदद : कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा छात्र इनोवेशन और स्टार्टअप की ओर अग्रसर हों। इस दिशा में इनोवेशन हब छात्रों को काफी हद तक आगे भी बढ़ा रहा है। वित्तीय सहायता के साथ ही वर्कप्लेस मुहैया कराया जा रहा है। यही नहीं इनोवेशन हब ने अलग-अलग क्षेत्रों के 75 विशेषज्ञों को अपने साथ जोड़ा है, जो छात्रों को नवाचार में मेंटार करते हैं। साथ ही इनोवेशन को स्टार्टअप और उसे कॉमर्सलाइज करने में भी इनोवेशन हब मदद कर रहा है। ताकि छात्रों को आगे बढ़ने में कोई परेशानी का सामना करना न पड़े।

28 जून तक भर सकते हैं फार्म

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 के सम सेमेस्टर के द्वितीय चरण के परीक्षा फॉर्म भरे जाने और परीक्षा शुल्क जमा करने की तिथि को पुन : विस्तारित किया गया है। अब परीक्षा फॉर्म भरने और परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 28 जून है जबकि परीक्षा की संभावित तिथि 2 जुलाई निर्धारित किया गया है। अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट aktu.ac.in पर जा सकते हैं।

2 जुलाई से होंगी सम सेमेस्टर परीक्षाएं

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के सम सेमेस्टर की द्वितीय चरण की परीक्षा के परीक्षा फॉर्म और शुल्क जमा करने की तिथि को एक बार फिर बढ़ा दिया गया है। परीक्षार्थी अब 28 जून तक परीक्षा फॉर्म भरने के साथ ही शुल्क जमा कर सकते हैं। वहीं, छात्र हित को ध्यान में रखते हुए परीक्षाएं 2 जुलाई से शुरू होगी।

मलिहाबाद में आईटीआई बनाएगा प्रदेश का पहला इंक्यूबेशन सेंटर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

प्रदेश के पांच अहम जिलों में भी बनेंगे ऐसे सेंटर

अमृत विचार: आईटीआई अलीगंज छात्रों को नवाचार और नई मशीनों में पारंगत करने के लिए टाटा के सहयोग से प्रदेश का पहला इनक्यूबेशन सेंटर बनाने जा रहा है। आईटीआई में पढ़ने वाले छात्रों को अब बेहतर स्किल प्रोवाइड करने के लिए व्यवासायिक शिक्षा परिषद और टाटा ग्रुप मिलकर प्रदेश के पांच जिलों में नए इनक्यूबेशन की स्थापना करने जा रहे हैं। राजधानी लखनऊ में आईटीआई मलिहाबाद में इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की तैयारी है। इसके लिए टाटा एक करोड़ रुपये की मदद करेगा।

मलिहाबाद में बनने वाला इंक्यूबेशन सेंटर प्रदेश पहला सेंटर फॉर इन्नोवेशन होगा जिसे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की तरफ से स्थापित किया जा रहा है। यहां पर आधुनिक इक्वेशन सेंटर में आईटीआई छात्रों को पढ़ाई के साथ ही नई तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और सॉफ्टवेयर आधारित कोर्सों का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद की ओर से तैयार किए गए इस प्लान के अनुसार इस केंद्र में एक साथ 500 छात्रों को ट्रेनिंग देने की सुविधा होगी। यहां पर साफ्टवेयर आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसके लिए प्रशिक्षण महानिदेशालय कोर्स तैयार कर रहा है।

इस इक्वेशन सेंटर का निर्माण जुलाई से करने की तैयारी है। टाटा कंपनी के सहयोग से नई टेक्नोलॉजी आधारित आधुनिक लैब की स्थापना होगी। किसी सेंटर में पहली बार विद्यार्थी को पढ़ने के साथ ही गाड़ियों की नई डिजाइन पथ निर्माण सॉफ्टवेयर से संचालित जानकारियां दी जाएंगी।

अनिल वर्मा, संयुक्त निदेशक, राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद

एक करोड़ में तैयारी होगी लैब : इंक्यूबेशन सेंटर में लैब का निर्माण एक करोड़ रुपए से किया जा रहा है। यहां पर सभी आधुनिक यहां कंपनी की तरह सभी सुविधा होगी. लखनऊ सहित प्रदेश के पांच जिलों में यह केंद्र बनेगा। लखनऊ में मलिहाबाद के अलावा मथुरा के नंदगांव, बरेली, मुजफ्फरनगर और गोरखपुर के चौरी चौरा में भी केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

लविवि में आठ शिक्षकों की हुई प्रोन्नति, छह कॉलेज जुड़े

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कार्य परिषद की बैठक में हुए कई निर्णय

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय कार्य परिषद की बैठक प्रशासनिक भवन में मंथन कक्ष में संपन्न हुई। इस बैठक में 8 शिक्षकों के प्रोन्नति को अनुमोदित किया गया। इसके अलावा 38 महाविद्यालयों में विभिन्न पाठ्यक्रमों के अस्थाई, स्थाई संबद्धता को अनुमोदित किया गया और विश्वविद्यालय ने 6 नए महाविद्यालयों के भी संबद्धता को अनुमोदित किया गया। इन महाविद्यालयों में मानवोदय महाविद्यालय आईआईएम रोड लखनऊर, पंडित जगन्नाथ मिश्र लॉ कॉलेज लालगंज रायबरेली, रघुनंदन हौसला बख्श अभय सिंह लॉ कॉलेज संडीला हरदोई, स्काई लॉ कॉलेज बिजनौर सरोजिनी नगर लखनऊ, अजीम मेमोरियल लॉ कॉलेज बेनीपुर, बिसवां सीतापुर, श्री लाल जी सिंह जीवन ज्योति विधि महाविद्यालय परसेंडी, सीतापुर शामिल हैं।

कार्य परिषद में जिन शिक्षकों के पदौन्नति पर मुहर लगी है उनमें डॉ. अर्चना गोडबोले जो शिक्षा शास्त्र विभाग से हैं, इसी विभाग से डॉ. आकांक्षा सिंह, आर्कियोलाजी से डॉ. अनित्य गौरव, मनोविज्ञान से डॉ. अर्चना शुक्ला, मनोविज्ञान से ही डॉ. मानिनी श्रीवास्तव, दर्शन शास्त्र विभाग से डॉ. राजेश्वर प्रसाद यादव, इसी विभाग से डॉ. राजेंद्र कुमार यादव और डॉ. रजनी श्रीवास्वत को प्रोफेसर पद पर प्रोन्नत किया गया है।

विश्वविद्यालय कर्मचारियों का प्रयास रंग लाया : उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ प्रोन्नति की मांग लगातार करता रहा है जिसे इस बार कार्य परिषद में स्वीकार किया गया है। कर्मचारियों ने इसका स्वागत किया है। राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ की मांग के पश्चात लखनऊ विश्वविद्यालय के संकायों, विभागों के कर्मचारियों को भी वरिष्ठता सूची में सम्मिलित करते हुए सहायक कुलसविव के पद पर प्रोन्नति प्रदान करते हुए शासकीय आदेश निर्गत किया। इस क्रम में इससे पूर्व कला संकाय के कार्यालय अधीक्षक सूर्यकांत मिश्र, टैगोर पुस्तकालय के कार्यालय अधीक्षक चंद्रभूषण मिश्र की प्रोन्नति हुई है। अभी तक लखनऊ विश्वविद्यालय के संकायों, विभागों के कार्मिक सहायक कुलसचिव नहीं बनते थे। उत्तर प्रदेश राज्यविश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण मिश्र और तत्कालीन उप मुख्यमंत्री प्रोफेसर दिनेश शर्मा जी के साथ वर्ष 2017 में हुई बैठक का यह परिणाम है।

भाषा विश्वविद्यालय में 15 जुलाई से नया सत्र हो जाएगा शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून, 2 जुलाई से प्रवेश प्रक्रिया होगी आरंभ
- विभिन्न विषयों के घोषित हुए परिणाम
- सभी पाठ्यक्रमों के परिणाम निर्धारित समय-सीमा में जारी कर दिए गए

अमृत विचार: ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अगले माह की 15 जुलाई से नए सत्र में पठन पाठन आरंभ हो जाएगा। छात्र-छात्राओं को आवेदन के लिए 30 जून तक अंतिम अवसर दिया गया है इसके बाद 2 जुलाई से प्रवेश प्रक्रिया शुरू जो जाएगी। इस दौरान ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में बीटेक अंतिम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय के तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित सभी पाठ्यक्रमों के परिणाम निर्धारित समय-सीमा में जारी कर दिए गए हैं।

इन पाठ्यक्रमों के घोषित हुए परिणाम : बीटेक बायोटेक्नोलॉजी, बीटेक सिविल, बीटेक सिविल (लेटरल एंट्री), बीटेक मैकेनिकल, बीटेक मैकेनिकल (लेटरल एंट्री), बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, बीटेक (लेटरल एंट्री), बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, बीटेक (लेटरल एंट्री), बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा साइंस। सभी छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.kmclu.ac.in पर जाकर अपने परीक्षा परिणाम देख सकते हैं।

छात्रवृत्ति आवेदन के लिए समाज कल्याण विभाग ने जारी की समय सारणी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: समाज कल्याण विभाग में छात्रवृत्ति के आवेदन दो जुलाई से शुरू हो जाएंगे। कक्षा नौ से कक्षा 12 तक के विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लिए दो जुलाई से ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भर सकेंगे। समाज कल्याण विभाग ने शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक वर्ग के लिए पूर्वदशम (कक्षा नौ व 10) और दशमोत्तर (कक्षा 11 व 12) की समय सारिणी जारी कर दी है। विद्यार्थी 30 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन फार्म भर सकेंगे।

जिला विद्यालय निरीक्षक दो जुलाई से 15 जुलाई तक सत्यापन करेंगे। वहीं अल्पसंख्यक वर्ग के लिए एनएसपी पोर्टल पर पंजीकृत निजी क्षेत्र के विद्यालयों की मार्किंग दो जुलाई से 14 दिसंबर तक की जाएगी। दो जुलाई से लेकर 30 अक्तूबर तक विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करेंगे। तीन जुलाई से 31 अक्तूबर तक छात्र आवेदन फॉर्म का फाइनल प्रिंटआउट निकालेंगे। तीन जुलाई से चार नवंबर तक विद्यार्थी समस्त दस्तावेजों के साथ यह फॉर्म विद्यालय में जमा करेंगे। तीन जुलाई से छह नवंबर तक विद्यालय इस फॉर्म को ऑनलाइन अग्रसारित करेंगे। सात नवंबर से 15 नवंबर तक जिला विद्यालय निरीक्षक इसका सत्यापन करेंगे। सात नवंबर से 17 नवंबर तक एनआईसी द्वारा स्क्रूटनी की जाएगी।

18 नवंबर से 21 नवंबर तक त्रुटिपूर्ण आवेदन फॉर्मों को विद्यालय स्तर पर त्रुटि में सुधार किया जाएगा, 27 नवंबर से आठ दिसंबर तक एनआईसी पुनः स्क्रूटनी करेगी। 18 नवंबर से 24 दिसंबर तक जनपदीय समिति डाटा लॉक करेगी। 27 दिसंबर तक छात्रवृत्ति की मांग की जाएगी और 31 दिसंबर तक छात्रवृत्ति की धनराशि जारी की जाएगी।

पुरानी पेंशन में शामिल शिक्षकों की जीपीएफ कटौती की परेशानी होगी दूर

अमृत विचार, लखनऊ : न्यू पेंशन स्कीम से पुरानी पेंशन स्कीम में आच्छादित किए गए शिक्षकों की समस्याओं को उच्च शिक्षा मंत्रालय ने दूर कर दिया है। लुआक्टा अध्यक्ष डॉ. मनोज पाण्डेय ने इसका स्वागत किया है। लुआक्टा लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय में नवनियुक्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी प्रो. अश्वनी मिश्रा को लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय का उच्च शिक्षा अधिकारी नियुक्त किये जाने पर बधाई दी है। क्षेत्रीय कार्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालय के शिक्षक जो पहले नए पेंशन स्कीम से आच्छादित थे उनको ओल्ड पेंशन स्कीम से आच्छादित किया गया है। जिसका लुआक्टा स्वागत करती है।

प्रिंस व अदिति बने चैंपियन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: अलीगंज स्थित बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी के शिव सहाय सभागार में बुधवार को बाल निकुंज स्कूल्स एंड कॉलेज की अंतरशाखीय कैरम चैंपियनशिप में प्रिंस और अदिति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बने।

सीनियर टीम-सी वर्ग की प्रतियोगिता (अंडर-18) के बालक वर्ग में प्रिंस ने और बालिका में अदिति ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। वहीं बालक वर्ग में पलटन छावनी के प्रिंस सिंह ने अलीगंज के अनुश रावत को हराया। बालिका वर्ग में पलटन छावनी की अदिति बरनवाल ने बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी अलीगंज की बबली यादव को पराजित किया दी। कॉलेज प्रधानाचार्या डॉ. अनूप कुमारी शुक्ला और कोऑर्डिनेटर सुधीर मिश्रा ने विजेताओं को सम्मानित किया।

सीएएल यलो और व्हाइट विजयी

अग्रिम वर्मा

अमृत विचार, लखनऊ : नीरू कपूर मेमोरियल अंडर-12 क्रिकेट प्रतियोगिता में बुधवार को सीएएल यलो और व्हाइट ने जीत दर्ज की। पहले मुकाबले में सीएएल यलो ने सीएल ग्रीन पर चार रन से हराया। यलो के 78 रन के जवाब में ग्रीन की टीम 74 रन पर सिमट गई। यलो की ओर से अंश यादव ने 28 रन बनाए। दूसरे मुकाबले में सीएएल व्हाइट ने सीएएल ब्राउन को 91 रन से हराया। व्हाइट के 131 रन के जवाब में ब्राउन की टीम में 40 रन पर सिमट गई। विजेता टीम से सर्वज्ञ सिंह ने 33 रन बनाए।

लाइफ केयर और एलडीए क्रिकेट क्लब ने दर्ज की जीत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

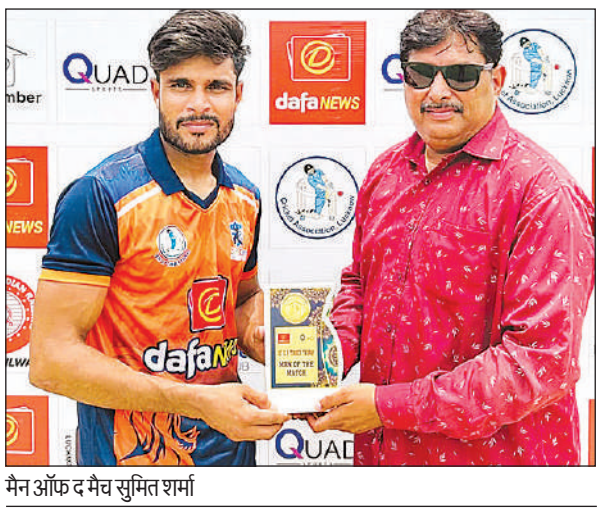

मैन ऑफ द मैच सुमित शर्मा

अमृत विचार: मैन ऑफ मैच रहे सुमित शर्मा की शानदार बल्लेबाजी के चलते लाइफ केयर क्रिकेट क्लब ने टिंबर ट्रॉफी टूर्नामेंट के लीग मैच में एलडीए क्रिकेट क्लब को 14 रन से हरा दिया। सेज स्टेडियम पर बुधवार को खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए लाइफ केयर ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 140 रनों का स्कोर बोर्ड पर टांगा।

सुमित शर्मा ने टीम ने टीम के लिए आतिशी बल्लेबाजी करते हुए छह चौके और दो छक्कों की मदद से 40 रन की शानदार पारी खेली। वहीं अक्षदीप ने 20 रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एलडीए की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 126 रन पर ढ़ेर हो गई। आसिफ अकरम ने 58 और सतरिक राव 20 के अलावा कोई भी खिलाड़ी टिक नहीं सका।

लाइफ की ओर से रोहित ने दो और आतिफ ने दो विकेट अपने नाम किए। वही अन्य लीग मैच मे अखिल इन्फ्रा क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट पर 187 रन बनाए। मैन ऑफ द मैच रहे पवन सिंह के शानदार खेल की बदौलत टीम मजबूत स्थिति में रही। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी की पूरी टीम 15.3 ओवर में सभी विकेट खोकर 114 रन पर समेट कर 73 रनों से जीत अपने नाम की।

खेल निदेशक ने प्रतीक्षा का किया सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ : केडी सिंह बाबू स्टेडियम के एथलेटिक्स महिला छात्रावास की प्रशिक्षु खिलाड़ी प्रतीक्षा यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राजधानी का मान बढ़ाया। प्रयागराज में आयोजित हुई 20वीं फेडरेशन एथलेटिक्स में ललितपुर की रहने वाली प्रतीक्षा ने दो स्पर्धाओं में दोहरी कामयाबी दर्ज की। प्रतीक्षा ने 800 मीटर और 1500 मीटर दौड़ में सभी को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। खेल निदेशक डॉ. आरपी सिंह और क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अतुल सिन्हा ने गुरुवार को राजधानी पहुंचने पर प्रतीक्षा यादव को सम्मानित किया।

बैडमिंटन चैंपियनशिप आज से

अमृत विचार, लखनऊ : रण बहादुर सिंह मेमोरियल जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप गुरुवार से गोमतीनगर के यूपी बैडमिंटन अकादमी में खेला जाएगा। 29 जून तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में जिले के लगभग 350 पुरुष और महिला शटलर हिस्सा लेंगे। लखनऊ बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव अनिल कुमार ध्यानी ने बताया कि एकल, युगल और मिश्रित युगल वर्ग के मुकाबले खेले जायेंगे। चैंपियनशिप के आधार पर लखनऊ जिला टीम का चयन होगा जो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लेगी।

पेशी पर आए कैदी ने वैन में बंदी को पीटा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- तमाशबीन बनी पुलिस, एक सिपाही ने बनाया था वीडियो
- वीडियो वायरल, हरकत में आया जेल प्रशासन

अमृत विचार: जेल से पेशी पर गए बंदियों की पुलिस वैन में मारपीट का बुधवार को वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में हत्या के आरोप में सजायाफ्ता बंदी रफत खान साथियों के साथ दूसरे बंदी मोहम्मद फरदीन को पीट रहा है। करीब 27 सेकेण्ड में वीडियो में बंदी पर लात व थप्पड़ की बौछार की गयी। वैन में दूसरे बंदी और पुलिस भी मौजूद है, लेकिन किसी ने भी नहीं रोका। वीडियो में पीटते हुए दिख रहा बंदी तीन जून को जेल से जमानत पर बाहर आ चुका है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक आरके जायसवाल का कहना है कि वायरल वीडियो 3 जून से पहले का है। मामले में वैन में मौजूद पुलिस, पिटने और पीटने वाले बंदियों में से किसी ने शिकायत नहीं की।

बुधवार को वायरल हुए वीडियो में दिख रहा है कि दबंग बंदी रफत खान दूसरे बंदी फरदीन को बुरी तरह पीट रहा है। पीटने में एक बंदी और शामिल हो जाता है। पिटाई से बंदी नीचे बैठ गया। जिसके बाद उसे थप्पड़ और लात से मारा गया। जेल अधीक्षक ने माना कि पेशी के लिए भेजी गई पुलिस वैन के अंदर ही मारपीट हुई। मारने वाला और पिटने वाले बंदी की पहचान की गई है। पीटने वाला बंदी काकोरी निवासी सजायाफ्ता रफत खान है और मार खाने वाला फरदीन है। सूत्रों की माने तो उक्त वीडियो वैन में मौजूद एक सिपाही ने ही बनाया था। गुरुवार को जेल प्रशासन इस मामले की जांच शुरू करेगा।

लोडर से दबकर हुई थी सफाईकर्मी की मौत

अमृत विचार, लखनऊ : पेपर मिल कॉलोनी स्थित नगर निगम के कूड़ा घर में सफाई कर्मी की मौत लोडर से दब कर हुई थी। बुधवार को महानगर पुलिस ने आरोपी लोडर ड्राइवर को गिरफ्तार कर लोडर बरामद कर लिया है। इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश मिश्रा ने बताया कि 20 जून को पेपर मिल कॉलोनी कूड़ा घर में निशातगंज निवासी राजू वर्मा (45) का शव मिला था। पत्नी ने सफाई ठेकेदार अमित रावत से पति का विवाद होने की बात कही थी। जिसके आधार पर गैर इरादतन हत्या की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गयी थी। पूछताछ में अमित की भूमिका नहीं मिली थी। इस बीच फुटेज देखने पर पता चला कि कूड़ा घर में लोडर आया था। जानकारी पर पता चला कि लहरपुर निवासी रवि शंकर बाजपेई 20 जून के बाद से गायह है। संदेह के आधार रविशंकर को पकड़ कर पूछताछ की गई। आरोपी ने कबूला कि 20 जून की रात वह लोडर बैक कर रहा था। इस दौरान राजू वर्मा लोडर के नीचे दब गया। उसकी चीख सुन कर रविशंकर लोडर लेकर कूड़ा घर से भाग गया था।

बुक डिपो कर्मी ने छात्रा से किया दुष्कर्म

संवाददाता, आलमबाग

पीड़िता ने आलमबाग कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार: निजी स्कूल की हाईस्कूल की छात्रा से बुक डिपो कर्मी ने दुष्कर्म किया। यही नहीं छात्रा का मोबाइल पर आपत्तिजनक वीडियो भी बना लिया। उसके बाद ब्लैकमेल कर दो माह तक यौन शोषण करता रहा। फिर वीडियो डिलीट करने के बहाने चारबाग स्थित एक होटल में ले जाकर गलत काम करते हुए 40 हजार रुपये की मांग की। डिमांड पूरी न होने पर वीडियो वायरल कर दिया। पीड़िता ने बुधवार को आलमबाग कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र सरोज ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

आलमबाग निवासी 16 वर्षीय किशोरी हाईस्कूल की छात्रा है। परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं होने के कारण एक बुक डिपो में छात्रा नौकरी भी करती है। पीड़िता ने बताया कि बुक डिपो में काम करने वाले दिलीप से उसकी दोस्ती हो गई। करीब दो माह दोपहर में खाना खाने के बाद वह बुक डिपो के पिछले हिस्से में बने कमरे में आराम कर रही थी। इसी बीच वहां आए दिलीप ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

यही नहीं आरोपी ने उसका वीडियो भी बना लिया। पीड़िता ने विरोध करते हुए शिकायत की बात कही तो आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इसके बाद पीड़िता शांत हो गयी। आरोप है कि पिछले दो माह में आरोपी ने ब्लैकमेल कर कई बार यौन शोषण किया। पीड़िता बार-बार वीडियो डिलीट के लिए कहती और वह टालता रहा।

पीड़िता ने बताया कि 21 जून को कॉल कर दिलीप ने वीडियो हटाने की बात कह कर उसे चारबाग बुलाया। इसके बाद दबाव बनाकर उसे एक होटल में ले गया। वहां दुष्कर्म करने के बाद आरोपी ने पीड़िता से 40 हजार रुपये मांगे। पीड़िता ने रुपये नहीं होने की बात कही। इसपर दिलीप ने आपत्तिजनक वीडियो रिश्तेदारों को भेज दिया। बदनामी देख पीड़िता ने आलमबाग कोतवाली में शिकायत की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दिलीप कुमार के खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट व अन्य गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

समिति के गोदाम में चोरी

अमृत विचार, काकोरी : बेहटा चौराहे स्थित रूद्र सेवा समिति के गोदाम का ताला तोड़कर चोरों ने चोरी की। समिति के प्रबधंक ने थाने में लिखित शिकायत की है। प्रबंधक ललित साहू ने बताया कि चोरों ने 24 जून की रात करीब 2-3 बजे के बीच गोदाम का ताला तोड़कर चोरी की। गोदाम में 15 जून को हुए आयोजित विशाल भंडारे और स्वास्थ्य कैंप का सामान रखा गया था। सामान की अधिक मात्रा के कारण अभी तक चोरी हुए सामान का सटीक आकलन नहीं हो पाया है। समदा चौकी प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

विवाहिता का लटका मिला शव, दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार: थाना क्षेत्र में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितयों में मौत हो गयी। वह छह माह की गर्भवती थी। पति का कहना है कि पत्नी ने फंदा लगाया है। वहीं, मृतका के भाई ने पति समेत छह के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज करायी है।

पिपरसण्ड का मजरा पाहुन खेड़ा निवासी विजय वर्मा की शादी करीब एक साल पहले नेहा वर्मा (22) से हुई थी। नेहा करीब छह माह की गर्भवती थी। मंगलवार रात नेहा की किसी बात को लेकर पति विजय से कहासुनी हो गई। इसके बाद नेहा अपने कमरे में चली गई। कमरे से काफी देर तक बाहर न आने पर परिजन ने दरवाजा खोल कर देखा तो नेहा साड़ी के फंदे से लटकी हुई थी। परिजन ने नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने उन्नाव हसनगंज में रहने वाले मायकेवालों को सूचना दी। छानबीन में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इंस्पेक्टर राजदेव राम प्रजापति ने बताया कि मृतका के भाई विशाल ने पति, ससुर, सास, जेठ, जेठानी और ननदोई पर दहेज को लेकर नेहा की हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कार से बकरी चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : मोहनलालगंज पुलिस ने दो बकरी चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कार लेकर बकरी चोरी करने निकलते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से बकरी बेचने में मिले 17 हजार रुपये व कार बरामद की है। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम शारिक अब्बास निवासी असन्दरा बाराबंकी व सूरज भोला निवासी ग्राम रतौली खटोला बंथरा बताया। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को सुलसामऊ निवासी विकास कुमार ने चार बकरी चोरी की शिकायत की थी।

तीन गांजा तस्कर गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : मड़ियांव पुलिस ने तीन गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से करीब चार किलो गांजा, 70 हजार रुपये व तस्करी में प्रयुक्त ई-रिक्शा बरामद किया है। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्र ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में बबलू अवस्थी निवासी हरदोई हालपता फैजुल्लागंज मडियांव, विनय तिवारी निवासी नौबस्ता मडियांव व सतीश कुमार सिंह निवासी फैजुल्लागंज हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कर्मणा मनसा वाचा यदभीक्षणं निषेवते।
तदेवापहरत्येनं तस्मात् कल्याणमाचरेत् ॥

मन, वचन, और कर्म से हम लगातार जिस वस्तु के बारे में सोचते हैं, वही हमें अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। अत: हमे सदा शुभ चीजों का चिंतन करना चाहिए।

संपादकीय

टकराव टालने का अवसर

इजराइल और ईरान के बीच लागू हुआ युद्ध विराम एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सुखद है कि यह लागू कर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने दोनों देशों से युद्ध विराम की घोषणा का पूरी तरह से पालन करने का आग्रह किया है। इजराइल द्वारा 13 जून को ईरान में परमाणु केन्द्रों व सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए जाने के साथ ही हिंसक टकराव की शुरुआत हो गई थी, जिसके बाद अमेरिका ने भी ईरान के तीन परमाणु केन्द्रों को निशाना बनाया। जवाब में ईरान ने कतर में एक अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर हमले किए। इससे क्षेत्र में असुरक्षा और गहरी हुई। इस बीच अमेरिका की मध्यस्थता के बाद दोनों देशों में समझौता हुआ। इन हमलों में बड़े पैमाने पर जान-माल की हानि हुई है। गौरतलब है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के इरादे से सुरक्षा परिषद की बैठक में 2015 में एक समझौते पर सहमति हुई थी, जिसे संयुक्त व्यापक कार्रवाई योजना के नाम से जाना जाता है, और इसकी अवधि इस वर्ष अक्टूबर में समाप्त हो रही है। यूएन अवर महासचिव रोज़मैरी डीकार्लो के अनुसार इस समझौते के समर्थन में पारित हुए प्रस्ताव की शर्तों को पूरा नहीं किया गया है। ओमान के सहयोग से ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच पांच दौर की द्विपक्षीय वार्ता के बावजूद, परमाणु समझौते को पूरी तरह लागू करने की दिशा में कोई रास्ता नजर नहीं आया है। ईरान व इजराइल के हिंसक टकराव की वजह से वार्ता के छठे दौर को स्थगित कर दिया गया था। ईरान के अनुसार, इसराइली हमलों में कम से कम 606 लोगों की जान गई है और 5,300 घायल हुए हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान का परमाणु नष्ट हो गया है, जबकि अमेरिका की एक खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी हमले के बाद ईरान का परमाणु कार्यक्रम कुछ महीने पीछे चला गया है लेकिन पूरी तरह से तबाह नहीं हुआ है। साथ ही ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा कि आक्रामक दुश्मन परमाणु सुविधाओं को नष्ट करने और परमाणु ज्ञान को कम करने के साथ-साथ सामाजिक अशांति को भड़काने के अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहा। इजराइल और ईरान के बीच युद्ध विराम पर सहमति की खबर निश्चित रूप से अच्छी बात है। परंतु देखना होगा कि इस युद्ध का आगे जाकर क्या असर होने वाला है। युद्ध विराम समझौता एक भयावह टकराव को टालने और ईरान परमाणु मुद्दे को शातिपूर्ण ढंग से निपटाने के लिए एक अवसर है। अब इस मुद्दे के कूटनीतिक समाधान की तलाश की जानी होगी।

युद्धप्रिय देशों पर हावी न्यूक्लियर वार टेक्नोलॉजी

रणवीर सिंह फोगाट
सेवानिवृत्त अधिकारी
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग
आईसीएमआर

न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी के विस्तृत इतिहास पर नज़र डालने से रेडियोएक्टिव मिनरल्स, इनकी एनरिच्मेंट और इनसे बम बनाने की टेक्नोलॉजी और डिवाइसेस का स्तर दिमाग की चूलें हिलाने के लिए काफी है।

ईरान के विरुद्ध इजराइल और अमरीका ने युद्ध लड़ा उसमें किन लोगों की जीत हुई है। न तो अमरीकनों की और न ही ईरानियों की। यहूदी और क्रिश्चियन के विरुद्ध ईरान के शिया मुसलमानों की भी नहीं बल्कि इस नई शैली के युद्ध में जीत हुई है टेक्नोलॉजी की। सीग्फ्रिड गेईडियोन ने सन 1947 में प्रकाशित किताब मैकेनाइज़ेशन टेक्स कमांड में भविष्यवक्ता की तरह महसूस किया था कि टेक्नोलॉजी के विकास के उस समय स्वरुप और गति को देखते हुए एक दिन ऐसा आएगा जब टेक्नोलॉजी मनुष्य पर हावी हो जाएगी।

अभी तो मनुष्य ही टेक्नोलॉजी पर हावी है लेकिन कृत्रिम मेधा और इंस्ट्रूमेंटेशन में जो प्रगति हुई है उससे युद्धास्त्र अधिक संहारक, सटीक, त्वरित, गाइडेड और चतुर बना दिए गए हैं। यूक्रेन का रूस पर ड्रोन हमला, भारत द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर के लिए हाई-टेक कमांड एंड कण्ट्रोल सिस्टम का इस्तेमाल और ईरान-इजराइल के हालिया संघर्ष में अमरीका द्वारा प्रयुक्त सर्वोन्नत टेक्नोलॉजी ने न केवल गेईडियोन की सोच को पुष्ट किया है वरन साइंस फिक्शन राइटर्स की दशकों पुरानी कल्पनाओं को साकार कर दिया है। अमरीका और यूरोपियन देश नहीं चाहते कि ईरान बम ग्रेड न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी हासिल करे।

ईरान के न्यूक्लियर ऊर्जा और सम्बद्ध ठिकानों पर हमले के प्रसंग में अमरीका ने इंटेलिजेंस गैदरिंग से किसी तरह खुद को आश्वस्त कर लिया कि ईरान के न्यूक्लियर साइंटिस्ट्स और इंजीनियर कुछ दिन में ही परमाणु बम बना लेंगे और इसीलिए अतिशीघ्र ऐसे ठिकानों को नष्ट करना जरूरी है। कंक्रीट या ठोस चट्टानों को भेदते हुए 60 मीटर की गहराई तक मार करने वाले 13,600 किलोग्राम भारी मैसिव आर्डिनेंस पैनीट्रेटर और गाइडेड बम की 14 यूनिट और 30 टॉमहॉक प्रक्षेपास्त्रों को दाग कर अमरीका ने हमला किया था।

परमाणु ठिकाने पर डाले गए विशालतम बम विस्फोट से नुकसान की संभावना इस बात पर निर्भर है कि परमाणु एनरिच्मेंट सुविधा के भीतरी कक्षों में किस-किस वस्तु पर स्ट्राइक से असर पड़ा है। फोर्दो, नतांज़ और इस्फ़हान के प्लांट्स पर 22 जून के हमले में क्या एनरिच किए हुए यूरेनियम के अति-सुरक्षित कंटेनर भी ध्वस्त हुए या 400 से 1200 किलोग्राम, 60 प्रतिशत तक एनरिच किया गया यूरेनियम ईरान ने पहले ही हटा लिया था? मार्च के अंत में अमेरिकी खुफिया समुदाय ने एक आकलन प्रस्तुत किया था जिसके द्वारा राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने यह कहा कि ईरान का समृद्ध यूरेनियम भंडार उच्चतम स्तर पर है और परमाणु अस्त्र रहित एक देश के लिए एनरिच्ड यूरेनियम का इतना बड़ा भंडार रखना अभूतपूर्व है।

ईरान के न्यूक्लियर ऊर्जा और सम्बद्ध ठिकानों पर हमले के प्रसंग में अमरीका ने इंटेलिजेंस गैदरिंग से किसी तरह खुद को आशवस्त कर लिया कि ईरान के न्यूक्लियर साइंटिस्ट्स और इंजीनियर कुछ दिन में ही परमाणु बम बना लेंगे और इसीलिए अतिशीघ्र ऐसे ठिकानों को नष्ट करना जरूरी है।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भीतर के गलियारों और कक्षों में रासायनिक और रेडियोलॉजिकल संदूषण होने की बात तो कही है परन्तु रेडियोधर्मी विकिरण का बाहर का स्तर अभी तो सामान्य ही है। हमले में यह सुनिशिचित किया गया कि ईरान के परमाणु इंजिनियर वार हेड्स की कन्फिग्यूरेशन कर पाएं इससे पहले सब-कुछ नष्ट कर दिया जाना चाहिए। पेंटागन की खुफिया शाखा रक्षा खुफिया एजेंसी की पांच पृष्ठों की प्रारंभिक, क्लासिफाइड रिपोर्ट में कहा गया है कि यूरेनियम एनरिच्मेंट करने वाले सेंट्रीफ्यूज, अधिकांशतः सही हैं और क्षतिग्रस्त नहीं हैं। कोशिश करने से ईरान के इंजिनियर सेंट्रीफ्यूज़ यूनिट्स को फिर से कुछ ही महीनों में चालू कर सकते हैं।

अभी किसी को मालूम नहीं है कि अमरीका ने 22 जून के मिडनाइट हैमर ऑपरेशन पर कितना खर्चा किया है। सात बी-2 स्पिरिट स्टील्थ बॉम्बर विमानों से गिराए गए 14 गाइडेड बमों और 30 टॉमहॉक मिसाइलों की कुल कीमत ही 140 करोड़ अमरीकी डॉलर है। गाइडेड बम यूनिट 57 -बी और टॉमहॉक मिसाइल की रचनात्मक इंजीनियरिंग में फाइनल कॉन्फिग्युरेशन में विस्फोटक पदार्थ भर कर सील करने तक फ्लीट एक्स्पेरिमेंटेशन स्टेज तक इसे टेस्ट किए जाने तक वर्षों का समय लगता है। बी-2 स्पिरिट स्टील्थ बमवर्षक विमानों ने अमरीका के मिसौरी एयरबेस से उड़ान भर कर ईरान के परमाणु संस्थानों को बमबारी से नष्ट करने से पहले लक्ष्य क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए लगभग 11,400 किलोमीटर से अधिक की एकतरफा दूरी तय की जिसके लिए कई बार हवा में ईंधन भरने के अलावा 37 घंटे तक बिना रुके उड़ना पड़ा। एक बी-2 बॉम्बर को 37 घंटा उड़ाने का खर्चा करीब 50 करोड़ भारतीय रुपये के मूल्य के बराबर है। इस प्रकार बम, मिसाइल और उड़ानों पर 1 ख़रब 70 अरब भारतीय रुपये खर्च हुए।

न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी के विस्तृत इतिहास पर नज़र डालने से रेडियोएक्टिव मिनरल्स, इनकी एनरिच्मेंट और इनसे बम बनाने की टेक्नोलॉजी और डिवाइसेस का स्तर दिमाग की चूलें हिलाने के लिए काफी है। थ्योरेटिकल से एक्सपेरिमेंटल फिजिक्स और विस्फोटकों की केमिस्ट्री की खोजयात्रा में टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट का जुड़ाव और विकास खुद में चकित करने वाली विद्यायें हैं। न्यूक्लियर वेपन्स के विकास का इतिहास वैसे तो अल्बर्ट आइंस्टीन की एनर्जी इक्वेशन (ई=एमसी 2) से शुरू होता है परन्तु, सन 1939 में जर्मन सेना आयुद्ध नीति नियामकों ने पहल करके यूरेनियम पदार्थ के विखंडन के सैन्य प्रयोग की जांच के लिए सेना के भौतिक विज्ञानी कर्ट डाइबन्हेर के नेतृत्व में एक शोध कार्यक्रम की स्थापना की। शीघ्र ही अमरीका को इसकी भनक लग गई और अमरीका के राष्ट्रपति ने भौतिकीविद ओपनहाइमर को परमाणु बम बनाने के प्रोजेक्ट पर लगा दिया जिसका कोड-नेम मैनहट्टन रखा गया। अगस्त 1945 में परमाणु बमों को जापान के शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर डाला गया। प्रोजेक्ट मैनहट्टन के सभी डाक्यूमेंट्स अब अध्ययन हेतु डी-क्लासिफाई हो चुके हैं। इसी सिलसिले में रूस, फ्रांस और चीन के परमाणु युद्धास्त्रों के विकास के बारे में अपेक्षाकृत कम जानकारी प्रकाशित होती है। रूस ने तो अपनी जानकारी को दशकों तक गोपनीय रखा और आज भी इन तीनों के बारे में लोगों को अधिक जानकारी नहीं है। बाद में ये तीनों देश न्यूक्लियर बम बनाने और इनका परीक्षण करने में जुट गए थे।

ईरान के तीन न्यूक्लियर संस्थानों को नष्ट करने का मामला अमरीका और इजराइल की एकतरफा कार्रवाई का द्योतक है। पूरे मामले में पुख़्ता सूचनाओं की कमी है। ईरान के रहनुमाओं ने कहा है कि देश के एक प्रमुख परमाणु वैज्ञानिकों की हमले में मौत होने के बावजूद यूरेनियम एनरिच्मेंट प्लांट के मरम्मत करके फिर से कुछ महीनों की बाद ही चालू कर दिया जाएगा। साफ़ है कि इरादा न्यूक्लियर बम बनाने का ही है। न्यूक्लियर बम ग्रेड की यूरेनियम और प्लूटोनियम बनाने के लिए एनरिच्मेंट प्लांट का होना जरूरी है। इसके लिए सेंट्रीफ्यूज़ की एक कतार लगाना आसान काम नहीं होता। ईरान में परमाणु टेक्नोलॉजी को लेकर जिस दर्जे का नुकसान हुआ है उसे फिर से स्थापित करने में कम से कम पांच-सात साल का समय तो लगेगा ही। हिस्ट्री ऑफ़ वार टेक्नोलॉजी और न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी के विस्तार का अध्ययन करें तो चकित करने वाले छोटे स्तर की हज़ारों तकनीकी पहलु उजागर होने लगते हैं। पिछले सौ साल में जितना भी बौद्धिक श्रम और प्राकृतिक संसाधन इन सबमें लगा है इनके बारे में पब्लिक डोमेन में उपलब्ध रिसर्च हिस्ट्री के प्रकाशनों को देखने से ही इनकी व्यापकता का बोध होता है। इन प्रकाशनों की संख्या 30 लाख से अधिक है जिसमें क्लासिफाइड इनफार्मेशन का तो जिक्र ही नहीं है।

प्रसंगवश

नशे का फैलता मकड़जाल समाज की तबाही

दिवस विशेष

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

मादक पदार्थों का सेवन अब केवल व्यक्ति की निजी कमजोरी नहीं बल्कि मानवता के विरुद्ध सबसे बड़े अपराध के रूप में उभर रहा है। यह प्रवृत्ति केवल शहरों के क्लबों, पार्टियों और रेव-संस्कृति तक सीमित नहीं रही बल्कि अब भारत के दूरस्थ गांवों और कस्बों तक अपने पांव पसार चुकी है। ग्रामीण अंचलों में अफीम, चरस, गांजा और हेरोइन जैसे पारंपरिक मादक पदार्थों के साथ-साथ इंजेक्शन के जरिए लिए जाने वाले आधुनिक नशीले रसायनों का चलन भी खतरनाक रूप से बढ़ रहा है। सबसे चिंता की बात यह है कि अब यह सब कुछ हमारे सामाजिक ढांचे का अभिन्न अंग बनता जा रहा है, मानो जैसे यह कोई स्वाभाविक हिस्सा हो। वैसे यह समस्या केवल भारत तक ही सीमित नहीं है बल्कि दुनिया के अनेक देशों में नशीली दवाओं की अवैध तस्करी और खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है लेकिन 36 वर्षों से यह दिवस मनाते रहने के बावजूद नशे की तस्करी पर लगाम कसे जाने के बजाय यह समस्या दुनियाभर में विकराल होती गई है। चिंताजनक स्थिति यह है कि भारत में तो नशे का कारोबार अब देश के नामीगिरामी शिक्षण संस्थानों तक फैल चुका है। बड़े शहरों की रेव पार्टियां, जहां महंगे होटल और फार्म हाउसों में धुआं, शराब और कोकीन की महक में आधुनिक युवा वर्ग डूबा होता है, इस विघटन की सबसे वीभत्स तस्वीरें पेश करती हैं। राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक शिथिलता ने इन पार्टियों को लगभग 'छूट प्राप्त अड्डों' में बदल दिया है, जहां पुलिस की कार्रवाई महज दिखावा बनकर रह जाती है। रईसजादों के लिए यह नशे की संस्कृति, 'स्टेटस सिंबल' और 'मॉडर्निटी' का पर्याय बन गई है। कोकीन जैसे पदार्थ, जिनमें गंध तक नहीं होती, उनके लिए नया फैशन स्टेटमेंट हैं, बिना यह समझे कि ये पदार्थ तंत्रिका तंत्र पर सीधा प्रहार करते हैं और धीरे-धीरे शरीर और आत्मा को खोखला कर देते हैं।

इस भयावह स्थिति को और बढ़ावा देने वाला माध्यम है इंटरनेट। यह सूचना क्रांति का माध्यम अब नशीली दवाओं की उपलब्धता और प्रचार-प्रसार का भी प्लेटफॉर्म बन गया है। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में कॉलेज छात्रों की भागीदारी चालीस प्रतिशत से अधिक है और इस आंकड़े में लड़कियों की संख्या भी चिंताजनक स्तर तक बढ़ चुकी है। अनेक कॉलेज परिसरों में अब यह स्थिति बन गई है कि छात्र अपने ही परिसर में नशा खरीद सकते हैं, यह व्यवस्था किसी संगठित गिरोह से कम नहीं। छात्रों का नशे की ओर झुकाव कई कारणों से होता है, साथियों के दबाव में, मॉडर्न दिखने की चाह में, रोमांच की तलाश में या फिर अवसाद, चिंता और मानसिक अकेलेपन की स्थिति में। चौंकाने वाली बात यह है कि वे दवाएं, जिन्हें मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाया गया था, उन्हें अब नशे के औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। मादक पदार्थों का सेवन धीरे-धीरे व्यक्ति की इच्छाशक्ति को इस हद तक खत्म कर देता है कि वह इनका गुलाम बन जाता है। प्रारंभिक प्रयोग के बाद, व्यक्ति पहले जैसी अनुभूति के लिए मात्रा बढ़ाता जाता है और एक ऐसी अवस्था में पहुंच जाता है, जहां उसका पूरा अस्तित्व इन पदार्थों पर निर्भर हो जाता है। इस समय समाज को एक जिम्मेदार संरक्षक की भूमिका निभानी चाहिए। सरकारें जितनी भी योजनाएं बना लें, कानून जितने भी कठोर हों, यदि समाज सजग नहीं हुआ तो इन प्रयासों की सफलता अधूरी रह जाएगी। युवाओं को बचाने के लिए सबसे पहले संवाद की आवश्यकता है, परिवारों में, विद्यालयों में, सामाजिक और धार्मिक मंचों पर। मार्गदर्शन, सहयोग और करुणा से ही युवा वर्ग को उस गर्त से बाहर निकाला जा सकता है, जिसमें वह आज फंसता जा रहा है। यह सोच गलत है कि नशे से लड़ाई केवल सरकार की जिम्मेदारी है, यह संपूर्ण समाज की परीक्षा है और यदि हम सचमुच इस परीक्षा में सफल होना चाहते हैं तो अब और देर नहीं करनी चाहिए। हमें यह स्वीकार करना होगा कि नशा अब एक व्यक्तिगत समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय आपदा है और इस आपदा से लड़ने का एक ही रास्ता है जनचेतना, सहयोग और सामूहिक संकल्प।

क्या नील गाय की हत्या ही विकल्प है

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

भले ही राज्यों में इनके नाम अलग-अलग हों लेकिन सभी जगह इनका आतंक एक जैसा है। नील गाय के लगातार हमलों से किसान बहुत परेशान और निराश हैं।

दो राज्यों के बीच फैले बुंदेलखंड में सड़कें बहुत अच्छी बन गई हैं लेकिन सड़कों पर चलना जानलेवा होता जा रहा है। आए रोज सड़कों पर तेज गति से चल रही कार-मोटर सायकिल से आवागमन करने वालों से एशिया की सबसे बड़ी हिरण प्रजाति रोजड या रोजा का सामना हो जाता है। वाहन तो चकनाचूर होता ही है, चोटें लोगों की मौत का कारण बन चुकी है। मालवा के मंदसौर –नीमच में अफीम के कई किसान पशु के डर से खेती छोड़ चुके हैं। हालांकि कभी इनकी गणना हुई नहीं लेकिन अंदाज है कि सारे देश में नील गाय या रोजा या फिर घोड़परास किसानी के लिए खतरा बने हुए हैं।

हाल ही में बिहार में राज्यभर में 3909 घोड़परास या नील गाय को मारने के लिए काम सौंपा गया है। इनमें सर्वाधिक घोड़परास की संख्या पूर्वी चंपारण में 576 है। समस्तीपुर से ले कर सारण, वैशाली और नालंदा तक आम लोगों की अर्जियां आई हैं कि उनके यहां नील गाय के आतंक से मुक्ति के लिए मारने की अनुमति दी जाए। बीते वर्ष बिहार में आधिकारिक रूप से 4279 नील गाय को मारा गया था जिनमें सर्वाधिक उस वैशाली जिले में मारे गए जहां अहिंसा के पुजारी गौतम बुद्ध का अंतिम उपदेश की घोषणा की थी। यहां 3057 नील गायों को गोली से उड़ा दिया गया था।

उत्तर प्रदेश के राज्य कृषि विभाग के अनुसार, पूरे प्रदेश में लगभग 2.33 लाख (233,000) नील गाय हैं। ललितपुर और इटावा जैसे जिलों में इनका प्रकोप ज्यादा है। राजस्थान के 2015 के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में नील गाय की संख्या 55,000 से अधिक थी। हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर और कर्नाटक जैसे अन्य राज्यों में भी नील गाय की आबादी पाई जाती है और कुछ जगहों पर यह काफी अधिक है।

भले ही राज्यों में इनके नाम अलग-अलग हों लेकिन सभी जगह इनका आतंक एक जैसा है। नील गाय के लगातार हमलों से किसान बहुत परेशान और निराश हैं। कई मामलों में, इस नुकसान के कारण किसानों को अपनी खेती छोड़नी पड़ रही है या वे दूसरी फसलें लगाने से हिचकिचा रहे हैं। कुछ मामलों में, भारी नुकसान से निराश होकर किसानों द्वारा आत्महत्या करने की खबरें भी आई हैं। हालांकि कुछ राज्यों में नीलगाय को मारने की अनुमति दी गई है, यह एक संवेदनशील मुद्दा है। कई लोग नीलगाय को "गाय" से जुड़ा होने के कारण मारना पसंद नहीं करते, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। इसके समाधान के लिए प्रभावी और टिकाऊ उपायों की आवश्यकता है।

तो क्या केवल उनकी हत्या कर देना ही नील गाय का एकमात्र निदान है? पिछले साल पंजाब कृषि विश्व विद्यालय में सुश्री कीरं रानी और भूपेंदर कौर बब्बर का एक शोध कार्य प्रकाश में आया था- मिटीगेटिग ब्लू बुल मेनान्सः एसेसिंग सट्रेजीस फॉर सस्टैनबल ऐग्रिकल्चर, जिसमें नील गाय से खेती को निरापद रखने के बहुत से विकल्प बताए थे। एनआईएससीपीआर और रिसर्च गेट में प्रकाशित शोध के अनुसार, प्राकृतिक और रासायनिक दोनों प्रकार के निरोधक के जरिए जानवरों को डरा कर उनकी नुकसान करने की आदत को काफी कुछ कम किया जा सकता है। खेतों के चारों तरफ बाड़, खाइयां और गड्ढे नील गायों को खेतों में प्रवेश करने से रोक सकते हैं, सोलर शक्ति से संचालित बिजली की बाड़ अधिक प्रभावी निवारक हो सकते हैं, लेकिन इनके लिए उचित डिजाइन और रखरखाव की आवश्यकता होती है। रिसर्चगेट की रिपोर्ट के अनुसार नायलॉन या लोहे की जंजीर की कम से कम 7 फीट ऊंची बाड़ प्रभावी होते हैं। शोध में बताया गया है कि फसलों के चयन को लेकर थोड़ी सावधानी भी इस जानवर की खेत से दूरी बना सकती है। ऐसी फसलें चुनें जिन्हें नील गायों द्वारा खाने की संभावना कम हो। तोरिया, तंबाकू, लेमन ग्रास, नागफनी। रामदाना आदि पर यह जानवर मुंह नहीं मारता। यदि खेत के बाहरी तरफ इन फसलों को बोया जाए तो यह खेत में घुसेगी नहीं। हालांकि यह तरीका आंशिक ही सफल है-एक तो यदि इसे भूख लगे तो यह कुछ भी खा लेता है, दूसरा इसकी लंबही छलांग लगाने की भी क्षमता होती है। फसलों को बदलने से नील गायों के आहार पैटर्न में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। यह वैज्ञानिक भी स्वीकारते हैं कि पारंपरिक तरीके जैसे गौमूत्र, पशु मल या दुर्गंधयुक्त मिश्रण का प्रयोग नील गायों को रोकने में सहायक हो सकता है। इसके अलावा फोरेट और फिनाइल घोल जैसे रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग निवारक के रूप में किया जा सकता है, लेकिन उनकी प्रभावशीलता सीमित है।

सोशल फोरम

कमजोर सामाजिक सत्ता

कर्मेंदु शिशिर
वरिष्ठ लेखक

जब आप हिन्दू-मुस्लिम के आधार पर देखिएगा, तो आपकी सोच भी उसी के अनुरूप होती जाएगी। आपके पास उसी के पक्ष में तर्क मिलने शुरू हो जाएंगे। यही हाल जाति को लेकर है। आप लोगों को काम, आचरण, व्यवहार और सोच से आकलित करना शुरू कीजिए तो ऐसे वाइरस से बच सकते हैं। वरना झूठ, लूट, परिवारवाद और बकवास को ऐसा खुलेआम तर्क सहित समर्थन भारतीय राजनीति के इतिहास में इसके पहले नहीं था।

देखिए संस्कृति तात्विक नहीं, यौगिक होती है। वह " एक" से बनती ही नहीं है। वह सामाजिक सहयोग और सरोकार से ही विकसित होती है। भारतीय संगीत से आप हिन्दू-मुस्लिम को आधार बनाकर अलग कीजिएगा तो वह बिखरकर छिन्न-भिन्न हो जाएगा। वही हाल फिल्मों का है और साहित्य का भी,सोच-विचार का भी। महात्मा गांधी आचरण में सबसे बड़े और घोषित हिन्दू थे। मुसलमान उन पर सबसे यकीन किए। आप उनको बार-बार पाकिस्तानी बताइएगा और कहिएगा कि ये सब अंदर से यही है। फिर कहिएगा इन पर विश्वास नहीं। आपको पता है कि "वंदे मातरम्" नाम से उर्दू में एक साप्ताहिक निकलता था। सब स्वतः बोलते थे। हर समाज के भीतर बीमारियां ही हैं। सरकार का काम सामाजिक सुधार के काम का नेतृत्व करना नहीं है। इसमें वह सहयोग कर सकती है। सामाजिक कुरीतियां समाज सुधारक ही दूर कर सकते हैं। इसके लिए आपको उसी समाज के भीतर से इन्लाइटमेंट वाले लोगों को ढूंढना होगा। उनको आगे करना होगा। आज शिक्षा को लेकर और अनेक मामलों को लेकर मुस्लिम युवतियां सामने आई हैं और बहुत प्रभावशाली ढंग से अपना काम कर भी रही हैं। इसमें बार-बार असफलता, कम सफलता और फिर धीरे-धीरे सफलता मिलती है। सामाजिक परिवर्तन बहुत दुरूह होता है। इसे आप समाज सुधारकों की जीवनी पढ़कर जान सकते हैं। सोचिए आप अपने भीतर से जात-पात और छुआछूत को तो हटा नहीं पाए और दूसरे को सुधारने को लेकर पैमाल हो रहे हैं। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में सामाजिक आंदोलन बहुत तेज और सशक्त था। आजादी के बाद आपने सामाजिक सत्ता को बिलकुल कमजोर कर दिया।

-फेसबुक वॉल से

सार्थक बहस की सीमाएं और जनतंत्र का दर्शन

कमलाकांत त्रिपाठी
पूर्व आईआरएस

ऐसी विचारधारा के लोगों के भीतर भी मूल प्रमेय पर बहस नहीं हो सकती। समय में आए बदलाव के अनुरूप केवल विस्तार के ब्योरों पर बहस हो सकती है।

क्या एक आस्थावान मज़हबीऔर एक अनीश्वरवादी के बीच धर्म के मुद्दे पर ईमानदार, स्वस्थ और सार्थक बहस हो सकती है? मुश्किल है क्योंकि दोनों के बुनियादी प्रमेय भिन्न हैं और दोनों अपने-अपने प्रमेयों को अंतिम मानकर चलते हैं। फिर मज़हब है आस्था का विषय और आस्था न संप्रेषित हो सकती है, न तर्क से उसका खंडन हो सकता है। मुश्किल तो है किंतु अवधारणात्मक रूप से संभव है। शर्त सिर्फ़ यह है कि दोनों में सौजन्य हो और एक-दूसरे के मनुष्य की मनुष्यता के प्रति सम्मान हो। मनुष्यता का सामान्य आधार तो अमिट है। इसी तरह दो भिन्न मज़हब मानने वालों के बीच भी उसी शर्त पर सार्थक बहस हो सकती है, भले ही उनके बुनियादी प्रमेय भिन्न हों।

जनतंत्र की अवधारणा में राज्य-संबंधी मामलों पर इस तरह की बहस की कोई ज़रूरत ही नहीं क्योंकि जनतंत्र के मूल प्रमेय के अनुसार आस्था और अनास्था राज्य-क्षेत्र के विषय ही नहीं हैं। यदि किसी मज़हब की व्यवस्था इतनी व्यापक है कि राज्य-व्यवस्था उसका अविभाज्य अंग है तो जनतंत्र के साथ उसमें समस्या आनी निश्चित है। जनतंत्र के साथ शरीयत नहीं चल सकती, चलेगी तो वह जनतंत्र का ढोंग मात्र होगा। एक ही समाधान है कि ऐसा मज़हब अपने में अंतर्निहित राज्य-व्यवस्था से अपने को पृथक कर ले। विचारधारा के साथ यह सुविधा नहीं क्योंकि वह तो राज्य और उसके कार्य-क्षेत्र के इर्दगिर्द ही घूमती है। यदि किसी विचारधारा में (वह वाम हो या दक्षिण, मार्क्सवादी हो या सांस्कृतिक राष्ट्रवादी) यह अंतर्निहित है कि उसने अंतिम सत्य पा लिया है और अस्तित्व की गुत्थी को अंतिम रूप से और हमेशा के लिए सुलझा लिया है, तो उस विचारधारावालों की बाहरवालों के साथ सार्थक बहस नहीं हो सकती। बल्कि विचारधारावालों के लिए असहमति के प्रति सहिष्णुता एक अवसरवादी, समझौतावादी क़दम होगा, कायरता होगी। ऐसी विचारधारा के लोगों के भीतर भी मूल प्रमेय पर बहस नहीं हो सकती। समय में आए बदलाव के अनुरूप केवल विस्तार के ब्योरों पर बहस हो सकती है। किंतु ऐसे ब्योरों पर भी भीतर एक राय बन जाने के बाद बाहर वालों के लिए वह अंतिम हो जाएगी, उससे असहमति के प्रति सहिष्णुता विचारधारा के प्रति बेवफ़ाई हो जाएगी। लिहाज़ा, बाहर वालों के साथ उनकी बहस केवल उन्हें कन्वर्ट करने के लिए या मात्र दिखावे के लिए होगी, बहस से निकले किसी इतर निष्कर्ष को मानने के लिए नहीं। यानी, बहस सार्थक नहीं होगी।

राजनीतिशास्त्र का विद्यार्थी होने के नाते जनतंत्र का दर्शन और इतिहास तथा 'विचारधारा' का दर्शन और इतिहास-दोनों की चाहे-अनचाहे घोटाई करनी पड़ी है (वही रोज़ी-रोटी का सवाल)। अब तो उम्र हो गई लेकिन मेरे मन से एक संशय नहीं गया-क्या जनतंत्र और विचारधारा में सामंजस्य संभव है? लगता तो यही है कि सही अर्थ में नहीं। कारण, जनतंत्र में अंतिम कुछ भी नहीं है, न मूल प्रमेय, न विस्तार के ब्योरे। सब कुछ समय-सापेक्ष है और समय किसी भी विचारधारा के अंदरूनी विकास की गति से ज़्यादा तेज़ी से बदलता है। तो जनतंत्र में (संविधान, जो स्वयं भी खास प्रक्रिया से संशोधन के अधीन है, की सीमा के भीतर) सब कुछ जनता को तय करना है। ट्रायल एंड एरर से। इसीलिए पांच साल की सीमा है। ग़लत हो जाए, तो पांच साल बाद रास्ता बदल देंगे। फिर ग़लत हो जाए, तो फिर बदल देंगे। अंतिम सत्य पर आधारित मूल प्रमेयों से लैश विचारधारा के लिए ट्रायल एंड एरर का कोई मतलब नहीं। पांच साल का भी कोई मतलब नहीं। वह तो मूल प्रमेय के अनुरूप विजय को कन्सॉलिडेट करने या 'लिबरेट' करने के लिए जनतांत्रिक संस्थाओं में हेरफेर शुरू कर देगी। विचारधारा के प्रयोग हो चुके हैं। निरंकुश राजतंत्र असफल हो गया तो सीमित राजतंत्र के प्रयोग हुए जो वस्तुतः जनतंत्र ही है। उसी तरह निरंकुश विचाराधारा तंत्र के भी प्रयोग हुए और असफल हो गए। पुनः जनतंत्र की ओर लौटना पड़ा।

जनतंत्र बहुत उत्तम व्यवस्था नहीं है। किंतु जितनी भी व्यवस्थाएं ज्ञात हैं उन्हें आज़माकर देखने के बाद यह साबित हो गया है कि उन सबसे बेहतर है। जनतंत्र में शांतिपूर्ण सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। जैसे वर्तमान पूंजी और सत्ता के गठजोड़ को तोड़ने के लिए चुनाव कानूनों में बुनियादी परिवर्तन संभव है। आज के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के ज़माने में उम्मीदवारों की संख्या सीमित करने जैसे कुछ नियमनों के साथ जनता के (सरकारी) ख़ज़ाने से भी चुनाव कराए जा सकते हैं। जनता का संकल्प हो तो बेहतरी के लिए कोई भी मूलभूत सुधार हो सकता है। किंतु कोई भी सुधार सापेक्ष फल ही देगा। दिव्यान्तर कभी नहीं हो सकता क्योंकि मूल मानव स्वभाव में आमूल परिवर्तन कभी नहीं हो सकता। इसलिए मानव समाज की नियति में दिव्यांतर नहीं है। अस्तु जनतंत्र दिव्यांतर की महत्वाकांक्षा नहीं पालता, न उसका आश्वासन देता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharlucknow@gmail.com आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

एक नजर

डॉ. अभिषेक एनआईएसडी की स्टीयरिंग कमेटी में नामित

अमृत विचार, लखनऊ : आस्था सेंटर फॉर जिरिएट्रिक मेडिसिन, पैलिएटिव केयर हॉस्पिटल एंड हॉस्पाइस के संस्थापक एवं सचिव डॉ. अभिषेक शुक्ला को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस द्वारा 'पैलिएटिव और हॉस्पाइस केयरगिवर्स' के लिए एडवांस कोर्स मॉड्यूल की स्टीयरिंग कमेटी का सदस्य नामित किया गया है। यह समिति वृद्धजनों के लिए सहानुभूतिपूर्ण और विशिष्ट देखभाल प्रदान करने के लिए प्रशिक्षकों को तैयार करने के लिए एक पाठ्यक्रम विकसित करने में भूमिका निभाएगी।

डॉ. अभिषेक शुक्ला

अपोलो हॉस्पिटल्स में हुईं 300 रोबोटिक सर्जरी

अमृत विचार, लखनऊ : अपोलो हॉस्पिटल ने रोबोटिक सर्जरी (घुटना प्रत्यारोपण) करने में 300 सफल सर्जरी करने का रिकार्ड स्थापित किया है। निजी क्षेत्र के अस्पतालों में यह उपलब्धि है। यह जानकारी रिप्लेसमेंट विभाग के चेयरमैन डॉ. संजय श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि एआई से लैस रोबोटिक आर्म से की गई यह सर्जरी असाधारण रूप से सटीक होती है, जिससे मरीजों को एक पूरी तरह व्यक्तिगत और उपयुक्त इलाज मिलता है।

बेटे की जन्मदिन पार्टी में हर्ष फायरिंग, पिता को लगी गोली

गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर में भर्ती, मामा ने की थी फायरिंग

संवाददाता, गोसाईंगंज

फायरिंग में युवक को गोली लगने के बाद पसरा मातम। अमृत विचार

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के बेलीखुर्द गांव में बेटे के जन्मदिन की पार्टी के दौरान रिश्ते के साले द्वारा तमंचे से की जा रही हर्ष फायरिंग में पिता राम सूचित (35) के सीने में गोली लगी गई। गोली लगने से वे जमीन पर गिर पड़े। घटना के बाद आरोपी वहां से फरार हो गया। घायल को पुलिस ने ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

इंस्पेक्टर गोसाईंगंज बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि किसान राम सूचित के पांच साल के बेटे अयांश का बुधवार को जन्मदिन था। जन्मदिन पार्टी के दौरान नवलखेड़ा गांव निवासी मुकेश ने करीब 11:30 बजे 315 बोर के तमंचे से कई राउंड फायरिंग की। इसी दौरान एक गोली रामसूचित के सीने में लगी। गोली लगने से वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े। अचानक हुई इस घटना से पार्टी में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में घायल को सीएचसी पहुंचाया गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को सीएचसी से सिविल और वहां से ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि अभी तक की जांच में पता चला है कि मुकेश ने फायरिंग की थी। आरोपी एक मामले में दिसंबर माह में जेल भी गया था और कुछ फरवरी माह में जमानत पर रिहा होकर आया था। आरोपी के खिलाफ एक गैर इरादतन हत्या का भी मामला दर्ज है।

चर्चा है कि पार्टी में मुकेश शराब पीकर आया था। खाना खाने के दौरान मुकेश की कुछ लोगों से कहासुनी हुई। इसपर रामसूचित ने समझाने का प्रयास किया तो उसने फायरिंग कर दी। जिसमें रामसूचित के गोली लग गयी। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी मुकेश राम सूचित का रिश्ते में साला लगता है। पुलिस आरोपी मुकेश की तलाश में लगी है।

त्योहारों में अधिकारी बनेंगे बाल गृहों के बच्चों के अभिभावक

- बच्चों संग मनाएंगे हर खुशी
- बाल गृहों में बच्चों के लिए खेल कला और जीवन कौशल की गतिविधियां होंगी तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : अब त्योहारों में अधिकारी बाल गृहों में बच्चों के अभिभावक बनेंगे। उनके संग हर खुशी मनाएंगे। राज्य सरकार ने बाल गृहों में बच्चों के लिए खेल, कला और जीवन कौशल की गतिविधियां तेज करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही, व्यक्तिगत अवसरों पर आश्रय गृहों में समय बिताने के निर्देश दिये हैं।

राज्य सरकार ने जिलाधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों और उनके परिवारों से आह्वान किया गया है कि वे इन गृहों को 'गोद लें' और त्योहारों, जन्मदिन या वर्षगांठ जैसे व्यक्तिगत अवसरों पर इन बच्चों और महिलाओं के साथ समय बिताएं, जिससे उन्हें अपनापन और आत्मविश्वास मिले। इतना ही नहीं, प्रशासन और आमजन को इन संस्थाओं में शैक्षिक सहयोग, कौशल विकास गतिविधियां, जीवन कौशल प्रशिक्षण, शैक्षणिक सहयोग, खेल-कूद, आर्ट एंड क्राफ्ट, पर्सनल हाइजीन व कैरियर काउंसलिंग और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भी प्रेरित किया गया है। सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और तकनीकी संस्थानों से भी सहयोग लेने पर जोर दिया गया है, ताकि प्रत्येक बच्चा और महिला आत्मनिर्भर और सम्मानित जीवन जी सके। शासन के अधिकारियों के अनुसार, महिला कल्याण विभाग की ओर से प्रदेश में संचालित सभी संरक्षण गृहों, बालगृहों, विशेष गृहों, महिला शरणालयों और वृद्धाश्रमों को अतिरिक्त समर्थन और सशक्तीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है।

संस्थाओं को 10.67 करोड़ जारी

अधिकारियों ने बताया कि बाल देखरेख संस्थाओं और महिला संरक्षण गृहों में निवास कर रही महिलाओं और बच्चों को न केवल सुरक्षित वातावरण देना है, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में आत्मनिर्भरता के साथ जोड़ना भी है। इसके तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में संस्थाओं को वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 10 .67 करोड़ से अधिक की धनराशि जारी की गई है। इसमें भोजन, सामग्री, उपकरण और आउटसोर्सिंग सेवाओं के लिए बजट शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि बाल देखरेख संस्थाओं में आवासित संवासियों के लिए भोजन मद में चार हजार रुपये प्रति संवासी प्रति माह की दर से और अन्य आवश्यकताओं जैसे वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के लिए तीन हजार रुपये प्रति संवासी प्रति माह की दर से उपलब्ध कराया जा रहा है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा०, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	ई–निविदा सूचना सं0	1179–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता–उत्तर रेलवे–लखनऊ दिनांक 24.06.2025
2.	कार्य का नाम	लखनऊ डिवीजन में विभिन्न स्थानों पर स्थापित 22 नम्बर एलिवेटरों (लिफ्टों) के लिए तीन वर्षों के लिए व्यापक रखरखाव अनुबंध।
3.	अनुमानित लागत	रू. 1,03,17,439.44/– (एक करोड़ तीन लाख सत्रह हजार चार सौ उनतालिस रूपये और चवालिस पैसे मात्र)
4.	बयाना राशि	रु. 2,01,600/– (दो लाख एक हजार छः सौ रूपये मात्र)
5.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	36 माह
6.	ई–निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 17.07.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:30 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा० उत्तर रेलवे, हजरतगंज लखनऊ के कार्यालय में।
7.	प्रस्ताव की वैधता	ई–निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।

सूचना सं0–1179–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता–उत्तर रेलवे–लखनऊ दिनांक 24.06.2025 1907/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. **ई-निविदा सूचना सं. :** 1180-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ दिनांक 24.06.2025
2. **कार्य का नाम :** लखनऊ डिवीजन में विभिन्न स्थानों पर स्थापित 21 नम्बर एस्केलेटरों का व्यापक रखरखाव अनुबंध।
3. **अनुमानित लागत :** रु. 1,06,57,987.20/- (एक करोड़ छः लाख सत्तावन हज़ार नौ सौ सत्तासी रुपये और बीस पैसे मात्र)
4. **बयाना राशि :** रु. 2,03,300/- (दो लाख तीन हज़ार तीन सौ रुपये मात्र)
5. **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 24 माह
6. **ई-निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि :** दिनांक 17.07.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:30 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., उत्तर रेलवे, हज़रतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
7. **प्रस्ताव की वैधता :** ई–निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8. **उत्तर रेलवे की वेबसाइट :** अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।

सं.: 1180-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ दिनांक: 24.06.2025 1906/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नाला निर्माण से इंडस्ट्रियल एरिया में जलभराव का होगा समाधान

- औद्योगिक क्षेत्र में आबादी का नहीं आने दिया जाएगा पानी
- जिलाधिकारी ने नादरगंज क्षेत्र में जलनिकासी का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : जिलाधिकारी विशाख जी ने बुधवार को नादरगंज (इण्डस्ट्रियल एरिया) में जल निकासी की समस्या का निरीक्षण किया। अधिशासी अभियंता जल निगम ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में यूपीसीडा द्वारा नाला निर्माण कराया जा रहा है। इस नाले के बन जाने से इंडस्ट्रियल एरिया में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा।

यूपीसीडा के अधिकारी द्वारा जिलाधिकारी को बताया गया कि आबादी के नाले भी इंडस्ट्रियल एरिया से जुड़े हैं, जिससे जलभराव की समस्या बढ़ती जा रही है। जिलाधिकारी ने जल निगम, नगर निगम और तहसीलदार सरोजनीनगर को निर्देश दिये कि जलभराव का निस्तारण करने के लिए भूमि चिन्हित करके नाला टैप किया जाए और औद्योगिक क्षेत्र के बाहर ही डिस्चार्ज किए जाने के लिए जल निगम द्वारा कार्ययोजना तैयार की जाए। आबादी का पानी औद्योगिक क्षेत्र में नहीं आने दिया जाए। जल निगम ने बताया कि सीवरेज के पानी के लिए जल निगम द्वारा अलग से 3.2 एमएलडी एसटीपी की स्थापना का कार्य चल रहा है।

स्कूटर इंडिया तिराहे पर बढ़ाए जाएंगे मार्शल

जिलाधिकारी ने खांडे देव, स्कूटर इंडिया व दरोगा खेड़ा आदि स्थलों का भी निरीक्षण किया। पीक टाइम में नादर गंज, स्कूटर इंडिया आदि स्थलों पर जाम की समस्या के निस्तारण के लिए जिलाधिकारी ने एनएचएआई को निर्देशित किया कि कार्यदायी संस्था द्वारा ट्रैफिक मार्शल की संख्या बढ़ाई जाए। साथ ही रोड पर इधर-उधर पड़ी निर्माण सामग्री को व्यवस्थित करके सड़क साफ रखी जाए।

पहली मोहर्रम के जुलूस को लेकर बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

- शाम 6 बजे से लागू होगा डायवर्जन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः पहली मोहर्रम पर शाही जरी के जुलूस के मद्देनजर शुक्रवार/शनिवार शाम को पुराने लखनऊ की यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। डायवर्जन शाम छह बजे से लागू होगा। इस दौरान वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से गुजरना होगा। यह जानकारी डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने दी।

इधर नहीं जा सकेंगे

- सीतापुर रोड से आने वाले वाहन डालीगंज क्रासिंग से पक्का पुल के रास्ते इमामबाड़ा की ओर।
- हरदोई रोड से कोनेश्वर चौराहे से घंटाघर की ओर।
- कैसरबाग से पक्का पुल के रास्ते सीतापुर रोड की तरफ।
- कैसरबाग से हरदोई रोड के जाने वाले वाहन पक्का पुल की ओर।
- हुसैनाबाद तिराहा से छोटा इमामबाड़ा होकर घंटाघर की ओर।
- चौक चौराहे से खुन-खुन जी गर्ल्स डिग्री कालेज से नींबू पार्क तिराहे की ओर।
- शाहमीना तिराहे से पक्का पुल के रास्ते इमामबाड़े की ओर।
- नया पुल बंधा तिराहे से पक्का पुल चौराहे की ओर।
- नक्खास तिराहे से विक्टोरिया स्ट्रीट की तरफ।
- चरक चौराहे से नक्खास तिराहा या फूलमंडी, नींबू पार्क चौराहे की ओर।
- कुड़िया घाट रोड तिराहा से नींबू पार्क चौराहे की तरफ।
- पक्का पुल चौराहे से बड़ा इमामबाड़ा, रूमी गेट चौराहा, घंटाघर तिराहा से छोटा इमामबाड़ा की ओर।

इधर से जा सकेंगे

- डालीगंज क्रासिंग से चौराहा नंबर 8, आईटी चौराहे के रास्ते।
- चौक मेडिकल क्रास के रास्ते।
- डालीगंज पुल से दाहिने आईटी चौराहा, कपूरथला चौराहा, मड़ियांव के रास्ते।
- शाहमीना तिराहे से बाएं मेडिकल कालेज चौक, कोनेश्वर के रास्ते।
- तहसीनगंज तिराहे के रास्ते।
- मेडिकल क्रास (कमला नेहरू) चौराहे से कोनेश्वर के रास्ते
- चरक चौराहा, चौक से कोनेश्वर अथवा डालीगंज पुल चौराहे से दाहिने आईटी चौराहा के रास्ते।
- नया पुल से खदरा के रास्ते।
- रकाबगंज पुल, बाजारखाला के रास्ते।
- मेडिकल कालेज, रकाबगंज पुल अथवा चौक कोनेश्वर चौराहे के रास्ते।
- बंधा रोड अथवा नया पक्का पुल के रास्ते।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

जनपद–अमेठी–227409

मो0न0–9453004069 Email ID- bsaamethi@gmail.com

पत्रांक: समग्र शिक्षा/के0जी0बी0वी0/716/2025–26 दिनांक– 24 जून, 2025

विज्ञप्ति

समस्त आवेदित अभ्यर्थियों (केयर टेकर के पद को छोड़कर) को सूचित किया जाता है कि बेसिक शिक्षा के अन्तर्गत जनपद अमेठी में संचालित 03 उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में नवीन पदों पर चयन हेतु काउंसलिंग से सम्बन्धित तिथियां, समय व स्थल निम्नवत् तालिका में अंकित की जा रही है–

क्रम संख्या	काउंसलिंग स्थल	काउंसलिंग तिथि, दिन व समय
01	रणंजय इण्टर कालेज, गौरीगंज, जनपद–अमेठी।	दिनांक 30 जून, 2025 दिन–सोमवार, समय प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक।

काउंसलिंग की विस्तृत जानकारी हेतु समस्त आवेदित अभ्यर्थियों की सूची www.amethi.nic.in पर अपलोड है।

नोट–

1. समस्त शैक्षिक, अनुभव व अन्य प्रमाण पत्र की फोटो कापी 2 प्रतियों में फाइल कवर सहित अपना नाम, पता, पद, मोबाइल नम्बर अंकित करते हुए व समस्त मूल शैक्षिक, अनुभव व अन्य प्रमाण पत्र के साथ प्रतिभाग करें।
2. जाति प्रमाण पत्र पिता पक्ष का ही मान्य होगा, जो विज्ञापन की तिथि के पूर्व का हो।
3. काउंसलिंग उपरान्त कोई भी दस्तावेज स्वीकार नही किये जायेगें।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,
जनपद अमेठी।

अलकनंदा ग्रीन सिटी समेत चार प्लाटिंग ध्वस्त

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण ने बुधवार को बुलडोजर चलाकर अलकनंदा ग्रीन सिटी समेत चार अवैध प्लाटिंग ध्वस्त कर दी। वहीं, गुड़म्बा में रिंग रोड पर निर्माणाधीन अवैध कॉम्पलेक्स सील किया।

टीम को प्रवर्तन जोन-4 अंतर्गत सैरपुर की अवध विहार कालोनी में लक्ष्मण यादव व अन्य द्वारा लगभग 40 बीघा क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग करके अलकनंदा ग्रीन सिटी नाम से कालोनी विकसित की जा रही थी। इसी तरह वंशराज यादव व अन्य द्वारा सैरपुर के घुवैला, कमलाबाद में लगभग चार बीघा में अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत कराये बिना निर्माण करने पर ध्वस्त कर दी गई।

इसी तरह प्रवर्तन जोन-7 अंतर्गत दुबग्गा के ग्राम मलहा में संदीप व प्रदीप कुमार द्वारा चार बीघा व आरडी ग्रीन्स द्वारा लगभग चार बीघा में अवैध रूप से प्लाटिंग करने पर ध्वस्त की गई। प्रवर्तन जोन-5 अंतर्गत गुड़म्बा के आदिल नगर में रिंग रोड पर मोहम्मद शोएब खान व अन्य द्वारा लगभग 4 हजार वर्गफिट के भूखंड पर अवैध रूप से व्यावसायिक कॉम्पलेक्स का निर्माण करने पर टीम ने सील किया।

फर्स्ट रेफरल यूनिट को एनक्वास प्रमाणित कराने पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश की 50 प्रतिशत स्वास्थ्य इकाइयों को दिसंबर तक नेशनल क्वालिटी एसेसमेंट स्टैंडर्ड (एनक्वास) प्रमाण पत्र दिलाना है। इसके लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की मिशन निदेशक द्वारा ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य इकाइयों खासतौर पर फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) को तैयार करने के निर्देश दिए जा चुके हैं ताकि उनका एक्सटर्नल एसेसमेंट कराकर उन्हें प्रमाणित कराया जा सके। एनएचएम के अपर मिशन निदेशक धीरेंद्र सिंह सचान ने बुधवार को सभी सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) को पत्र जारी किया है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–नीलामी आमंत्रण सूचना

ट्रांसपोर्टरों एवं कार्गो संचालको के लिए पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल से सामान्य/एलएचबी कोच से चलने वाली विभिन्न मेल एक्सप्रेस गाडियों मे 23/24 टन भार वीपीयू एवं 3.9 टन भार, एसएलआर को 02 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर आवंटित करने हेतु ई–नीलामी।

भारत के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा मण्डल से सामान्य/एलएचवी कोच से चलने वाली विभिन्न मेल एक्सप्रेस गाडियों में 23/24 टन भार वीपीयू एवं 3.9 टन भार एसएलआर को पट्टे पर आवंटित करने हेतु ई–नीलामी के अन्तर्गत खुली नीलामी आमंत्रित की जाती है।

ई–नीलाम किये जाने वाले एसएलआर/वीपीयू का विवरण निम्नवत है:–

क्र. स.	गाड़ी सं.	एसएलआर/वीपीयू	कंपार्टमेंट	वीपीयू/एसएलआर की छमता(टनमें)	ई–नीलामी की तिथि	ई–नीलामी का समय
ई–नीलामी कैटलाग सं. BSB9LEASING2025						
1	22132	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	03.07.2025	10.00 से 10.30 बजे
2	12670	एसएलआर	अगला	3.9	03.07.2025	10.00 से 10.40 बजे
3	22539	एसएलआर	अगला	3.9	03.07.2025	10.00 से 10.50 बजे
4	22433	एसएलआर	अगला	3.9	03.07.2025	10.00 से 11.00 बजे
5	22427	एसएलआर	अगला	3.9	03.07.2025	10.00 से 11.10 बजे
6	20942	एसएलआर	अगला	3.9	03.07.2025	10.00 से 11.20 बजे
7	15025	एसएलआर	अगला	3.9	03.07.2025	10.00 से 11.30 बजे
8	14865	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	03.07.2025	10.00 से 11.40 बजे
9	11060	एसएलआर	अगला	3.9	03.07.2025	10.00 से 11.50 बजे
10	13122	एसएलआर	अगला	3.9	03.07.2025	10.00 से 12.00 बजे
11	14611	एसएलआर	अगला	3.9	03.07.2025	10.00 से 12.10 बजे
12	12538	एसएलआर	अगला	3.9	03.07.2025	10.00 से 12.20 बजे
13	13138	एसएलआर	अगला	3.9	03.07.2025	10.00 से 12.30 बजे
14	15115	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	03.07.2025	10.00 से 12.40 बजे
15	16368	एसएलआर	अगला	3.9	03.07.2025	10.00 से 12.50 बजे
16	14853	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	03.07.2025	10.00 से 13.00 बजे
17	17324	एसएलआर	अगला	3.9	03.07.2025	10.00 से 13.10 बजे
18	22324	एसएलआर	अगला	3.9	03.07.2025	10.00 से 13.20 बजे
19	11072/71	वीपीयू	–	24	03.07.2025	10.00 से 13.30 बजे
20	22419/20	वीपीयू	–	24	03.07.2025	10.00 से 13.40 बजे
21	12168/67	वीपीयू	–	24	03.07.2025	10.00 से 13.50 बजे
22	13106/05	वीपीयू	–	23	03.07.2025	10.00 से 14.00 बजे
23	22536/35	वीपीयू	–	24	03.07.2025	10.00 से 14.10 बजे
ई–नीलामी कैटलाग सं. BSB10LEASING2025						
24	15111	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	04.07.2025	10.00 से 10.30 बजे
25	13106	एसएलआर	पिछला प्रथम भाग	4	04.07.2025	10.00 से 10.40 बजे
26	18612	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	04.07.2025	10.00 से 10.50 बजे
27	15127	एसएलआर	अगला	4	04.07.2025	10.00 से 11.00 बजे
28	15104	एसएलआर	अगला	3.9	04.07.2025	10.00 से 11.10 बजे
29	15109	एसएलआर	अगला	3.9	04.07.2025	10.00 से 11.20 बजे
30	11108	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	04.07.2025	10.00 से 11.30 बजे
31	14863	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	04.07.2025	10.00 से 11.40 बजे
32	15053	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	04.07.2025	10.00 से 11.50 बजे
33	15181	एसएलआर	अगला	3.9	04.07.2025	10.00 से 12.00 बजे
34	15105	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	04.07.2025	10.00 से 12.10 बजे
35	15112	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	04.07.2025	10.00 से 12.20 बजे
36	12168	एसएलआर	अगला	3.9	04.07.2025	10.00 से 12.30 बजे
37	12225	एसएलआर	अगला	3.9	04.07.2025	10.00 से 12.40 बजे
38	15083	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	04.07.2025	10.00 से 12.50 बजे
39	15159	एसएलआर	अगला	3.9	04.07.2025	10.00 से 13.00 बजे
40	22419	एसएलआर	अगला	3.9	04.07.2025	10.00 से 13.10 बजे
41	19168	एसएलआर	अगला	3.9	04.07.2025	10.00 से 13.20 बजे
42	15007	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	04.07.2025	10.00 से 13.30 बजे
43	15125	एसएलआर	पिछला प्रथम भाग	4	04.07.2025	10.00 से 13.40 बजे
44	18182	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	04.07.2025	10.00 से 13.50 बजे
45	15114	एसएलआर	अगला प्रथम भाग	4	04.07.2025	10.00 से 14.00 बजे

अमानत राशि (रू में): कॉन्ट्रेक्ट की वार्षिक कीमत का 5%, **वेबसाईट पता:** www.ireps.gov.in

नोट– 1. ई–नीलामी IREPS (E-Auction leasing Portal) पर निर्धारित तिथि एवं समय पर ऑनलाईन होगी। 2. ई– नीलामी (E-Auction) मे भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति द्वारा IREPS पोर्टल पर रू. 10000/- + GST (Non Refundable) ऑनलाईन जमा कर एक बार पंजीकरण कराना आवश्यक है एवं साथ ही उसके पास भारतीय स्टेट बैंक (SBI) मे चालू खाता हो जो IREPS से लिंक हो, अमानत राशि (EMD) का भुगतान/कटौती ऑनलाईन उसी खाते से होगी। 3. ई–नीलामी (E-Auction) से संबंधित नियम एवं शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी IREPS पोर्टल (www.ireps.gov.in) के E-Auction leasing Section मे उपलब्ध है।

मुजाधि/वाणिज्य–64 मण्डल रेल प्रबंधक(वा.) वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

विश्व मद्य निषेध दिवस की पूर्व संध्या पर हुआ नशा मुक्ति पर मंथन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः सनातन महासभा और लाल ब्रिगेड के संयुक्त तत्वाधान में विश्व मद्य निषेध दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को 1090 चौराहा पर नशा मुक्त संकल्प सभा, नुक्कड़ नाटक व शिविर का आयोजन किया गया।

संयोजक डॉ. प्रवीण ने बताया कि उत्तर प्रदेश में खतरनाक क्रूड मिलाकर मादक पदार्थ तैयार किया जा रहे हैं और लखनऊ राजधानी में ही मेडिकल स्टोर से स्मैक सहित नशे की दवाएं व इंजेक्शन युवाओं को बर्बाद करने के लिए आसानी से मिल जाते हैं। उन्होंने बताया कि कई थाना क्षेत्रों में स्मैक जैसा जहर 250 से 400 रुपये पुड़िया के रूप में उपलब्ध है। विशेष रूप से गलियों, पार्कों, पुल के नीचे, बस्तियों के आस पास स्मैक बेचने वाले पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि 1000 नशा पीड़ितों में 59 प्रतिशत स्मैक, 27 प्रतिशत चरस, गांजा, भांग, नींद की गोली और व्हाइटनर के लोग पाए गए। शेष शराब से पीड़ित हैं। गोष्ठी के पूर्व मद्यनिषेध विभाग के एसपी चौहान द्वारा निर्देशित नशा मुक्ति विषयक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आईपीएस अखिलेश निगम ने नशे से होने वाले नुकसान के बारे में कहा कि युवा पीढ़ी को बचाने के लिए हम लोग विश्वविद्यालय व विद्यालय स्तर पर जुलाई माह से जन जागरण अभियान चलाने का कार्य करने जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मेडिकल स्टोर पर भी नींद की दवाओं की बिक्री बिना चिकित्सक के पर्चे के देना बंद करने को लेकर भी मुहिम होगी। आज विशेष तौर पर नशा व अपराध मुक्त भारत अभियान को प्रारंभ किया गया है, क्योंकि 50 प्रतिशत अपराध नशे के कारण होते हैं। नशा करने वाले संगीन अपराध को अंजाम देते हैं। इस अभियान के अंतर्गत स्कूल / कॉलेज के आस पास विशेष नशा मुक्त जोन बनाकर अभियान चलाना तय है। आज के नशा व अपराध मुक्त उत्तर प्रदेश शिविर में सामूहिक रूप से सभी ने नशा मुक्त संकल्प आईपीएस अखिलेश निगम, आशा सिंह, राज्य मद्यनिषेध अधिकारी आरएल राजवंशी, डॉ. प्रवीण के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता विकास मिश्र ने किया। इस अवसर पर स्वामी आनंद नारायण, डॉ. अमित नायक, आशा सिंह, रवि कचरू, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, तेजस्वी गोस्वामी, प्रिंस गिरि, शोभित सिंह, मधुबाला, अंजनी पांडे, अतुल तिवारी, अर्जुन, शक्ति सिंह, सुनीता गोस्वामी, जीसी जोशी आदि उपस्थित रहे।

बरेली इंटरनेशनल विश्वविद्यालय

प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

सत्र : 2025–26

Accreditations, Affiliations & Approvals

प्रस्तुत पाठ्यक्रम

CUET (UG/PG) स्कोर स्वीकृत और CUET (UG/PG)-2025 में सूचीबद्ध

मेडिकल साइंसेस
एमएससी मेडिकल (एनाटॉमी/बायोकेमिस्ट्री/माइक्रोबायोलॉजी/फार्माकोलॉजी/फिजियोलोजी)

डेंटल साइंसेस
डिप्लोमा–डेंटल हाइजिनिस्ट/डिप्लोमा–डेंटल मैकेनिक्स

नर्सिंग विज्ञान
एएनएम/जीएनएम/बीएससी नर्सिंग/पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग/नर्स प्रक्टिशनर इन क्रिटिकल केयर (NPCC)/एमएससी नर्सिंग (मेडिकल सर्जिकल/चाइल्ड हेल्थ/कम्युनिटी हेल्थ/मेंटल हेल्थ/अब्स्टेट्रिक्स एवं गायनेकोलॉजिस्ट)

फार्मेसी
डी.फार्म/बी.फार्म/एम.फार्म (फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिक्स, फार्मासियूटिकल कैमिस्ट्री, फार्माकॉगनॉसी)

पैरामेडिकल साइंसेस
डिप्लोमा इन मेडिकल लैब तकनीशियन (DMLT)/डिप्लोमा इन एक्स–रे तकनीशियन/डिप्लोमा इन डायलिसिस तकनीशियन/डिप्लोमा इन इमरजेंसी एण्ड ट्रामाकेयर/डिप्लोमा इन एम आर आई तकनीशियन/डिप्लोमा इन रेडियोथेरेपी तकनिशियन (DRIT)/ बैचलर इन ऑप्रेशन थियेटर टेक्नोलॉजी (BOTT)/बैचलर इन फिजियोथेरेपी (BPT)/ बैचलर इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (BMLT)/बैचलर ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी (BRIT)/बीएससी (ऑप्टोमेट्री)/एमएससी क्लीनिकल एम्ब्योलॉजी/ एम.एससी इन मेडिकल लैबोरेट्री सांइस (MMLS)/ मास्टर्स इन फिजीयोथेरेपी (MPT)

फोरेंसिक साइंसेस
बीएससी फोरेंसिक विज्ञान, एमएससी फोरेंसिक विज्ञान

मैनेजमेंट एंड कॉमर्स
बी.कॉम (ऑनर्स)/बीबीए (Finance & Texation)/बीसीए/(आईटी और मल्टीमीडिया)/ एम.कॉम (ऑनर्स)/ मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (MBA)/मास्टर ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (MHA)/मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ (MPH)

ह्यूमैनिटीज एंड जर्नलिज्म
बी.ए (पत्रकारिता)/बी.ए (जनसंचार)/एम.ए (अंग्रेजी)/एम.ए (मनोविज्ञान)/एम.ए (पत्रकारिता)/एमए (जनसंचार)

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें - 9105500202, 9105500404, फोन-0581-2526153, 051, 053

पता : एडमिशन सेल, एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज कैंपस, बरेली, पिन कोड–243006 (यू.पी.)

Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

एक नजर

पूर्व मंत्री जंग बहादुर के केस में सुनवाई चार को

सुलतानपुर : पूर्व मंत्री जंग बहादुर सिंह व अन्य के खिलाफ चल रहे 24 वर्ष पहले हत्या के केस में बुधवार को सुनवाई अभियोजन गवाह के न आने से चार जुलाई तक टल गई। कोर्ट ने शेष अभियोजन साक्षी को जरिए जमानीदार वारंट तलब किया है। जामो थाना क्षेत्र के गौरा पूरे मतऊ निवासी शिव कुमार ने मुकदमा दर्ज कराया था कि 17 अप्रैल 2001 को आरोपी अशोक कुमार और विजय बहादुर पाल उसके घर पहुंचे और भाई राजकुमार को साथ ले गए। रात में दिछौली के पास राजकुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस की विवेचना में पूर्व मंत्री जंग बहादुर सिंह और रामविलास की भूमिका हत्या की साजिश रचने में पाई गई।

पूर्व विधायक के केस में वादी मुकदमा कोतवाल तलब

विधि संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार : कादीपुर कोतवाली में वर्ष 2002 में बलवा, पथराव व डकैती के मामले में पूर्व विधायक रामचंद्र चौधरी, अभिषेक सिंह राणा और रामार्य पाठक समेत 14 आरोपियों पर चल रहे मुकदमे में एक बार फिर अहम मोड़ आया है। विशेष न्यायाधीश एमपी/एमएलए एक्ट व अपर सत्र न्यायाधीश, एफटीसी द्वितीय राकेश की अदालत ने वादी मुकदमा शिवराज सिंह को साक्ष्य के लिए तीन जुलाई को जरिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तलब किया है। प्रकरण में विशेष लोक अभियोजक वैभव पाण्डेय की ओर से गवाह को तलब करने का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था। अदालत ने प्रार्थना स्वीकार करते हुए 3 जुलाई को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर दिया है। पुलिस अधीक्षक को साक्षी की पेशी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। यह मामला 17 दिसम्बर 2002 को कादीपुर क्षेत्र स्थित संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज के सामने छात्रा पूनम श्रीवास्तव की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद भड़के हंगामे से जुड़ा है।

लोकतंत्र की हत्या करने वालों को नहीं भूलेगा देश : ब्रजेश पाठक

आपातकाल की 50वीं बरसी पर जिलों में प्रदेश सरकार के मंत्रियों व भाजपा नेताओं ने कांग्रेस को घेरा

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : आपातकाल की 50वीं बरसी पर बुधवार को प्रदेश सरकार के मंत्रियों व भाजपा नेताओं ने जिलों में आयोजित गोष्ठियों व कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर कांग्रेस को जमकर कोसा। आपातकाल को लोकतंत्र की हत्या करार देते हुए भाजपा ने तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार की आलोचना की, साथ ही लोकतंत्र सेनानियों के साहस व बलिदान को सराहा गया।

इसी क्रम में बाराबंकी के सफेदाबाद स्थित मेयो इंस्टीट्यूट में भाजपा ने विविध कार्यक्रम आयोजित किये। लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया गया। यहां पहुंचे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि 50 साल पहले नेहरू-गांधी परिवार के अहंकार के चलते देश पर से आपातकाल थोपा गया। कहा कि लोकतंत्र की हत्या करने वालों को देश कभी नहीं भूलेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक। अमृत विचार

डिप्टी सीएम ने कहा कि 25 जून 1975 को आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल थोपा। 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है। कांग्रेस का मानना है कि देश पर शासन करने का अधिकार केवल एक परिवार को है। कांग्रेस अब भी नरेंद्र मोदी जैसे साधारण पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति को प्रधानमंत्री के रूप में स्वीकार नहीं कर पा रही है। प्रभारी मंत्री सुरेश राही ने कहा कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस के अत्याचार को देश की जनता कभी भूल नहीं सकती। क्षेत्रीय मंत्री संजय गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस में लोकतंत्र का अभाव है। भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्य ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर जिला प्रभारी अवनीश सिंह पटेल, जिपं अध्यक्ष राजरानी रावत, विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा, एमएलसी अंगद सिंह, एससी एसटी अयोग के प्रदेश अध्यक्ष बैजनाथ रावत, पूर्व सांसद उपेन्द्र सिंह रावत, पूर्व विधायक शरद अवस्थी सहित तमाम नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। डिप्टी सीएम ने आपातकाल की 50वीं बरसी पर लगी प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया। आपातकाल के दौरान तत्कालीन कांग्रेसी सरकार द्वारा देश भक्तों पर किए गए अत्याचारों के मार्मिक चित्रों को दर्शाया गया है। संगोष्ठी में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक एवं प्रभारी मंत्री सुरेश राही ने 12 लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया।

कांग्रेस तानाशाह, सपा के पीडीए में धोखा : केशव प्रसाद

प्रतापगढ़, अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बुधवार सुबह पुलिस लाइन पहुंचे और मार्च पास्ट की सलामी ली। इसके बाद 'एक पेड़ मां के नाम' से आम का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद उप मुख्यमंत्री पत्रकारों से रूबरू हुए। कहा कि आज से 50 वर्ष पूर्व कांग्रेस ने संविधान की हत्या की। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोपा था। यह निर्णय किसी युद्ध व विद्रोह के कारण नहीं, बल्कि सत्ता बचाने की हताशा में लिया गया। कहा कि कांग्रेस एक तानाशाह पार्टी है। उसकी वास्तविकता सामंतवादी की है। यह लोकतंत्र में विश्वास न रखने वाली पार्टी है। कहा कि भाजपा के शीर्ष नेताओं को आपातकाल का विरोध करने पर जेल जाना पड़ा। सपा मुखिया अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि आपात काल के समय असली समाजवादी नेता लोकतंत्र को बचाने के लिए जेल गए थे। लेकिन आज के नकली समाजवादी अखिलेश एंड कंपनी उसकी कांग्रेस की गोद में बैठे हैं जिसने आपातकाल लगाया था। सपा के पीडीए में धोखा है। इसलिए देश की जनता कांग्रेस मुक्त भारत बनाएगी और प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी को समाप्तवादी पार्टी बनाएगी। इसके बाद 50वें आपातकाल दिवस पर तुलसीसदन हाल में आयोजित कार्यक्रम में चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन भी किया। उन्होंने 19 लोकतंत्र सेनानियों व उनके आश्रितों को सम्मानित कर सम्मान पत्र प्रदान किया। विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, पूर्व सांसद संगम लाल गुप्ता, पूर्व विधायक धीरज ओझा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भाजपा अमरनाथ यादव ने विचार रखा। इस दौरान विधायक जीत लाल पटेल, जिला प्रभारी कौशलेन्द्र सिंह पटेल, शिवाकांत ओझा, पूर्व विधायक धीरज ओझा सहित अन्य मौजूद रहे।

तुलसीसदन में लोकतंत्र सेनानियों व उनके आश्रितों को सम्मानित करते केशव प्रसाद मौर्य।

लोकतंत्र विरोधी सोच का परिणाम थी इमरजेंसी : मयंकेश्वर सिंह

सीतापुर, अमृत विचार : देश में आपातकाल लगाए जाने की 50 वीं बरसी पर भाजपा द्वारा प्रदर्शनी, पौधरोपण और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर को भाजपा ने काला दिवस के रूप में मनाते हुए कांग्रेस की तत्कालीन नीतियों की तीखी आलोचना की। गेस्ट हाउस में प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस सरकार द्वारा लगाया गया आपातकाल उनकी लोकतंत्र विरोधी सोच का स्पष्ट प्रमाण था। उन्होंने कहा कि उस दौर में न केवल बड़े नेताओं को जेल में डाला गया, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता का भी गला घोंटा गया। भाजपा के प्रदेश महामंत्री और अवध क्षेत्र के प्रभारी संजय राय ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें न संविधान की समझ है और न ही उसकी मर्यादा का ज्ञान, इसलिए वह विदेश जाकर देश के खिलाफ बोलने से भी नहीं चूकते। जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि इमरजेंसी के दौर में देश को गहरे संकटों का सामना करना पड़ा। जिला प्रभारी नीरज सिंह ने इंदिरा गांधी के शासनकाल की नीतियों को निष्ठुर और अलोकतांत्रिक करार देते हुए लोकतंत्र के रक्षार्थ संघर्ष करने वाले नेताओं की सराहना की। भाजपा के एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत इस अवसर पर वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में एमएलसी पवन सिंह चौहान, पूर्व जिला अध्यक्ष उमाकांत मिश्रा, अजय गुप्ता, अचिन मल्होत्रा सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सम्मानित लोकतंत्र संग्राम सेनानी उपस्थित रहे।

घोंटा गया था लोकतंत्र का गला : राकेश सचान

बलरामपुर, अमृत विचार। आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि आपातकाल लोकतंत्र का गला घोंटने वाला कृत्य था। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि तत्कालीन सरकार ने अपनी सत्ता बचाने के लिए जनता और विपक्षी दलों के नेताओं पर अत्याचार किए और हजारों लोगों को जेल में डाला। कैबिनेट मंत्री सचान ने कहा कि भाजपा सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचा रही है और 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी और अवैध मदरसों की जांच कराने की बात कही। कैबिनेट मंत्री ने आपातकाल से संबंधित प्रदर्शनी का निरीक्षण किया और प्रशासन की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

तो फिर लगेगा आपातकाल : दारा सिंह

गोंडा, अमृत विचार : कांग्रेस यदि सत्ता में आएगी तो देश में एक बार फिर आपातकाल जैसी स्थिति बनेगी और देश में आपातकाल लगेगा। उक्त बातें जनपद के प्रभारी मंत्री दारा सिंह चौहान ने कही। आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर भाजपा की ओर से बुधवार को काला दिवस मनाया गया। इटावा में कथावाचक के साथ हुई मारपीट की घटना पर मंत्री ने कहा कि सरकार जाति धर्म या मजहब के हिसाब से नहीं चलती। अपराध करने वाले किसी भी जाति धर्म के हों, उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा। इसके बाद प्रभारी मंत्री ने आपातकाल को लेकर टाउन हॉल में गोष्ठी व प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। भाजपाइयों को आपातकाल के दौरान विभिन्न प्रकार की घटनाओं के चित्र को दिखाया गया। लोकतंत्र सेनानी जनार्दन तिवारी व हरिश्याम पांडेय सहित अन्य लोगों को देकर सम्मानित किया गया।

सत्ता के नशे में की थी संविधान की हत्या

सुलतानपुर, अमृत विचार : आपातकाल की 50वीं बरसी पर भाजपा की ओर से पयागीपुर स्थित भाजपा कार्यालय पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक एवं कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत इमरजेंसी पर आधारित प्रदर्शनी के उद्घाटन और अवलोकन से हुई। इसके पश्चात कार्यालय परिसर में पौधरोपण हुआ। संगोष्ठी में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने धारा 352 लगाकर देश पर आपातकाल थोप दिया था।

सत्ता बचाने की रणनीति थी आपातकाल

भाजपा एमएलसी अश्वनी त्यागी।

उन्नाव, अमृत विचार। एसवीएम इंटर कॉलेज पूरन नगर में आपातकाल संगोष्ठी व लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इसमें मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश महामंत्री भाजपा व एमएलसी अश्वनी त्यागी ने कहा कि देश का किसान व नौजवान इंदिरा गांधी व उनकी सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ अक्रोशित व आंदोलित था। इसके बाद भी इंदिरा गांधी ने अपनी स्वार्थ सिद्धि करने व अपनी सत्ता बचाने के लिए आपातकाल थोपा था। उन्होंने कहा कि संविधान के दायरे में सरकार संचालित होती है लेकिन इंदिरा गांधी ने संविधान व उनके स्तंभों कार्य पालिका व न्याय पालिका और यहां तक चौथे स्तंभ पत्रकारिता को भी कठपुतली बना दिया था।

गोंडा: बीमारी व गरीबी से परेशान पिता-पुत्र नदी में कूदे, बेटे की मौत

संवाददाता, कटरा, गोंडा

अमृत विचार : गरीबी और बीमारी की दोहरी मार से जूझ रहे एक पिता-पुत्र ने बुधवार को त्रिमुहानी घाट पर स्थित सरयू नदी में छलांग लगा दी। इस हृदय विदारक घटना में जहां बेटे की डूबकर मौत हो गई, वहीं ग्रामीणों की सूझबूझ से पिता की जान बचा ली गई। घटना की जानकारी मिलते ही परसपुर थाना क्षेत्र की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि दोनों कलवारी गांव के रहने वाले हैं।

जानकारी के अनुसार तहसील करनैलगंज के थाना कटरा बाजार क्षेत्र अंतर्गत कलवारी गांव निवासी अरविंद गोस्वामी लंबे समय से बीमारी से परेशान थे और आर्थिक स्थिति भी बेहद खराब थी। इन हालातों से तंग आकर उन्होंने अपने बेटे नवनीत गोस्वामी के साथ पसका स्थित त्रिमुहानी घाट पर जाकर नदी में छलांग लगा दी। नदी में छलांग लगाते ही वहां मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए अरविंद को बाहर निकाल लिया और तत्काल परसपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। लेकिन जब तक नवनीत को निकाला जाता, तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। चौकी प्रभारी पसका सावन सिंह ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा सूचना मिलने पर पिता पुत्र दोनों लोगों को नदी से बाहर निकाला गया, जिनमें से नवनीत की मौत हो गई। वहीं पिता को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती की मौत

बाराबंकी, अमृत विचार : बुधवार की सुबह संदिग्ध हालात में एक युवती एक पेड़ के पास बैठी हुई मृत अवस्था में मिली। प्रेम प्रसंग को लेकर चल रहे विवाद की चर्चाएं तेज हैं। इस बीच भाई ने गांव के ही एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। ग्राम तालपाल पुरवा मजरे धौखरिया निवासिनी नीरजा (30) पुत्री चेतराम रावत मंगलवार की दोपहर गांव स्थित दूसरे घर गयी थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। बुधवार की सुबह शोभाराम वर्मा की बाग में लगे नीम के पेड़ के पास युवती का शव बैठी हुई अवस्था में मिला।

बाराबंकी: घर में लगे तार में उतरा करंट मां-बेटी की मौत

संवाददाता, बनीकोडर, बाराबंकी

अमृत विचार : बुधवार सुबह बूंदाबांदी के बीच लोहे के तार पर कपड़े फैलाने गई मां-बेटी की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लोहे के तार में करंट कैसे उतरा, इसकी जांच की जा रही है।

घटना असंद्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम असंद्रा में हुई। यहां के रहने वाले अली हैदर की पत्नी कनीज फातिमा बुधवार को पुत्री चमन जहरा के साथ घर में कपड़े धो रही थीं। कपड़े धोने के बाद चमन गीले कपड़े लेकर लोहे के तार पर फैलाने चली गई। कपड़े डालते ही चमन तार में अचानक उतरे करंट की चपेट में आकर तड़पने लगी। पुत्री को तड़पता देख उसे बचाने आई मां कनीज भी करंट की चपेट में आ गई। जब तक परिजन कुछ कर पाते, मां-बेटी दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। इस हादसे को लेकर गांव भर में चर्चा का माहौल रहा।

रचिता के अधिवक्ता को अंतिम मौका, 27 को करनी होगी जिरह

कुशाग्र हत्याकांड

कानपुर, अमृत विचार। शहर के चर्चित कुशाग्र हत्याकांड में मां सोनिया कनोडिया से जिरह करने का आरोपी ट्यूशन टीचर के अधिवक्ता को अंतिम मौका दिया गया है। 27 जून को मां से जिरह करने का अंतिम मौका है। इससे पहले प्रभात व शिवा के अधिवक्ता ने बुधवार को जिरह पूरी की। रचिता के अधिवक्ता ने निजी कारणों का हवाला देकर जिरह करने में असमर्थता जताकर अगले हफ्ते की तारीख देने की अर्जी दी थी।

कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया के बेटे कुशाग्र की 30 अक्तूबर 2023 को बेरहमी से अपहरण करके हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, प्रभात शुक्ला और शिवा गुप्ता को दोषी मानकर उनको जेल भेजा था। मंगलवार को तीनों आरोपियों को जेल से लाया गया। सबसे पहले प्रभात के अधिवक्ता ओम नरायण और फिर शिवा के अधिवक्ता मनीष शर्मा ने मां सोनिया कनोडिया से जिरह पूरी की। रचिता वत्स के अधिवक्ता श्रीकांत दीक्षित ने स्थगन प्रार्थना पत्र देते हुए जिरह करने में असमर्थता जताई। निजी कारणों से जिरह के लिए अगले हफ्ते का समय मांगा। जिस पर अभियोजन की ओर से कड़ी आपत्ति दर्ज की गई। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने कहा कि गवाह सूरत से गवाही देने के लिए आता है। हाईकोर्ट ने छह महीने में मामले को निर्णीत करने का निर्देश दिया है। अभियुक्ता विचारण में सहयोग नहीं कर रही है। जिरह का अवसर समाप्त किया जाए। कोर्ट ने अभियुक्त को अंतिम अवसर देते हुए 27 जून की तिथि नियत की है।

वाहन की टक्कर से दो फैक्ट्री कर्मियों की मौत

रनियां, कानपुर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के एक वनस्पति तेल बनाने वाली कंपनी के सामने मंगलवार की देर रात हाईवे पार करते समय तेज रफ्तार वाहन ने दो फैक्ट्री कर्मियों को टक्कर मार दी। अकबरपुर मेडिकल कालेज में दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। रनियां थाने की पुलिस के अनुसार सीतापुर जनपद के तालगांव थाना क्षेत्र के मोहम्मदीपुर निवासी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह (50) और मध्य प्रदेश के सागर जिले के गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के बिछिया निवासी राकेश कुर्मी (33) रनियां की वनस्पति तेज बनाने वाली फैक्ट्री में काम करते थे। मंगलवार की देर रात दोनों साथ खाना खाने के लिए फैक्ट्री के बाहर निकले थे और नेशनल हाईवे पार कर रहे थे। इसी दौरान कानपुर की ओर से आए तेज रफ्तार वाहन ने दोनों को टक्कर मार दी।

बहराइच : जरवल चेयरमैन पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जरवल (बहराइच), अमृत विचार। नगर पंचायत के मोहल्ला अहमदशाह नगर निवासी आयशा पुत्री वारिस अली ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय पर वाद दायर कहा था था कि नगर पंचायत कार्यालय के कर-मुहर्रिर बृजेश यादव, चैयरमैन तस्लीम बानो, चैयरमैन पति इन्तिजार अहमद उर्फ मिथुन ने कस्बा स्थित सरकारी जलमग्न भूमि को आबादी की जमीन बताकर उसको बेंच दिया। उसने मकान खरीदते समय ज्यादा छानबीन नहीं की। कुछ दिन बाद तहसीलदार कैसरगंज ने मकान गिराने का नोटिस चस्पा कर दिया और घर को बुलडोजर लगाकर धराशायी कर दिया। महिला ने उससे जालसाजी करने की शिकायत की तो वह उत्तेजित हो गये और भला बुरा कहने लगे। रौब दिखाया कि वह इस कस्बे के चेयरमैन है। सारी सम्पत्ति हमारी है, हम चाहे बैनामा करें या किसी का पट्टा बनावे। धमकी दी कि तुम्हारे व तुम्हारे परिवार के ऊपर इतने मुकदमे लदवा देंगे कि पूरी जिन्दगी बर्बाद हो जायेगी। कोर्ट के आदेश पर जरवल चैयरमैन तस्लीम बानो, उनके पति इन्तिजार अहमद उर्फ मिथुन और कर मुहर्रिर बृजेश यादव के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली।

इंतिजार अहमद उर्फ़ मिथुन।

इस पर जरवल नगर पंचायत अध्यक्ष तस्लीम बानो और उनके पति इन्तिजार अहमद ने सत्र न्यायालय में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की। न्यायाधीश सत्येंद्र कुमार ने साक्ष्य अवलोकन और शासकीय अधिवक्ता को सुनने के बाद प्रकरण को गंभीर मानते हुए अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज कर दी थी। अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद से जरवल चेयरमैन और उनके पति पर गिरफ्तारी की तलवार लटकने लगी थी। जरवल चौकी इंचार्ज देवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि आयशा खातून के धोखाधड़ी मामले इन्तिज़ार अहमद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

श्रद्धांजलि सभा — कैप्टन मनोज पांडेय की जयंती पर गूंजा भारत माता की जय, रूढ़ा गांव में आयोजित समारोह में उमड़े लोग

रूढ़ा से खालूबार तक आज भी गूंजता है कैप्टन मनोज का नाम

संवाददाता, कमलापुर, सीतापुर

अमृत विचार : कारगिल युद्ध के अमर शहीद कैप्टन मनोज पांडेय की 50वीं जयंती पर बुधवार को रूढ़ा गांव में 22 बटालियन एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में भव्य श्रद्धांजलि सभा हुई आयोजित। सुबह से ही ग्रामीणों सहित जिलेभर से लोग शालिम होकर श्रद्धा-सुमन अर्पित की। एनसीसी कैडेट्स और गोरखा रेजिमेंट के जवानों ने कैप्टन को सलामी दी।

रूढ़ा गांव में स्थित शहीद स्थल।

जयंती पर मौजूद सैन्य अधिकारी और इलाका वासी। अमृत विचार

25 जून 1975 को सिधौली तहसील के कसमंडा विकास खंड क्षेत्र के रूढ़ा गांव में जन्मे कैप्टन मनोज पांडेय की जयंती पर बुधवार को जिलेभर में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। कैप्टन के पैतृक गांव रूदा स्थित प्रतिमा स्थल पर सुबह से ही लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। गोरखा रेजिमेंट लखनऊ से आए अधिकारियों के साथ जिले के प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। कैप्टन मनोज पांडेय ने कारगिल युद्ध के दौरान दुश्मन के कब्जे से खालूबार चोटी को मुक्त कराते हुए 3 जुलाई 1999 को वीरगति प्राप्त की थी। उन्होंने तीन दुर्गों को फतह किया और अंतिम बंकर तक लड़ते हुए प्राणों की आहुति दी। उनके अद्वितीय पराक्रम के लिए उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। जयंती कार्यक्रम में मौजूद वक्ताओं ने कहा कि मनोज पांडेय न केवल जिले बल्कि पूरे देश की शान हैं। उनके शौर्य को नमन करते हुए पीएम मोदी ने अंडमान निकोबार के एक द्वीप का नाम उनके नाम पर रखा है, जो हर भारतवासी के लिए गर्व की बात है। श्रद्धांजलि सभा के अंत में दो मिनट का मौन रखा गया और भारत माता की जय के नारों के बीच ग्रामीणों और अधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। शाम को कैंडल मार्च निकाला गया जिसमें स्कूली बच्चों, एनसीसी कैडेट्स और पूर्व सैनिकों ने हिस्सा लिया। रूदा गांव के युवाओं ने कहा कि कैप्टन मनोज पांडेय की वीरगाथा उन्हें सेना में जाने के लिए प्रेरित करती है।

बचाव पक्ष के गवाह से जिरह का मौका खत्म

कानपुर देहात, अमृत विचार। बहुचर्चित बिकरू कांड के मुख्य मामले की सुनवाई एंटी डकैती कोर्ट में चल रही है। बुधवार को इस मामले में अभियोजन गवाह से जिरह के लिए बचाव पक्ष के अदालत में उपस्थित न होने से जिरह का अवसर समाप्त कर दिया गया है। अब अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए 2 जुलाई की तिथि नियत की है। कानपुर नगर के चौबेपुर थाना क्षेत्र के बिकरू गांव में 2 जुलाई 2020 को दबिश देने गई पुलिस की टीम पर कुख्यात विकास दुबे गैंग ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी। इस फायरिंग में तत्कालीन बिल्हौर सीओ समेत आठ पुलिस कर्मियों की मौत हो गई थी, जबकि कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

सार-संक्षेप

हत्या के दोषी को आजीवन कारावास

बाराबंकी, अमृत विचार : सफदरगंज थाना क्षेत्र में चार साल पहले हुई हत्या के एक मामले में न्यायालय ने दोषी को आजीवन कारावास व 25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी कोर्ट ने हत्या के प्रकरण में दोषसिद्ध शुभम तिवारी दोषी मानते हुए कठोर सजा सुनाई। हालांकि, दोषी को एससी/एसटी एक्ट के अंतर्गत दोषमुक्त कर दिया गया। 27 जुलाई 2021 को जयकिशन ने थाने में तहरीर दी थी कि उसके पुत्र की गला दबाकर हत्या कर दी गई है। इस पर थाना सफदरगंज में विभिन्न धाराओं के तहत शुभम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना तत्कालीन क्षेत्राधिकारी रामस्वरूप सोनकर द्वारा की गई। उन्होंने वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य संकलन करते हुए अभियुक्त के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया।

कारागार में निरुद्ध बंदी की मौत

बाराबंकी, अमृत विचार : जिला कारागार में निरुद्ध एक बंदी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। कारागार प्रशासन की ओर से मंगलवार रात बंदी को जिला अस्पताल पहुंचाया गया था। प्रशासन के अनुसार बंदी कमजोर व एचआईवी पाजिटव था। वहीं परिजनों का कहना है कि गिरफ्तारी के बाद मेडिकल में वह स्वस्थ था। इलाज में लापरवाही बरती गई है। जैदपुर के ब्रह्मनान के रहने वाले मुन्ना मिश्रा का पुत्र आकाश उर्फ बाबा (33) 2012 में हत्या के प्रयास में वांछित था। उसे सतरिख पुलिस ने लखनऊ में सुरेन्द्रनगर से गिरफ्तार कर 22 जून को जेल भेजा था। कारागार प्रशासन के अनुसार मंगलवार की रात बंदी आकाश की तबीयत खराब हुई तो उसे जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है।

दो अपराधियों की 71 लाख की सम्पत्ति होगी कुर्क

बाराबंकी, अमृत विचार : गैंगस्टर एक्ट के तहत पुलिस दो कुख्यात अपराधियों की कुल 71 लाख की अचल सम्पत्ति कुर्क करने की कार्रवाई करेगी। यह दोनों लूट, नकबजनी व मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त रहे हैं। संगठित अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के क्रम में गैंगस्टर एक्ट के तहत दो सक्रिय अपराधियों सत्यदेव उर्फ ननकऊ और ओमप्रकाश वर्मा उर्फ ओंकार वर्मा की 71 लाख की अचल सम्पत्तियों को कुर्क किया जाएगा। सत्यदेव उर्फ ननकऊ गत 14 वर्षों से चोरी, लूट, नकबजनी जैसे अपराधों में सक्रिय है। दूसरा गिरोह सरगना ओमप्रकाश वर्मा उर्फ ओंकार वर्मा है। जो विगत 5 वर्षों से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त है। वर्ष 2024 में इसे 188 किलोग्राम पोस्ता छिलका व 2.1 किलोग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

6 साल की बच्ची से वृद्ध ने की गलत हरकत, गिरफ्तार

हरदोई, अमृत विचार। 6 साल की बच्ची घर के बाहर खेल रही थी, उसी बीच वहीं पड़ोस में रहने वाला 60 साल का बुजुर्ग उसे बहाने से खेत पर ले गया, जहां उसने बच्ची के साथ गंदी हरकत की, शोर होने पर वह भाग गया। उसके अगले दिन पुलिस ने केस दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। 20 जून की दोपहर साण्डी थाने के एक गांव में 6 साल की बच्ची घर के बाहर खेल रही थी, उसकी मां सरकारी दुकान से राशन उठाने गई हुई थी। उसी बीच गांव निवासी 60 साल का बुजुर्ग जगदीश बच्ची को बहाने से खेत पर लेकर चला गया और वहां उसके साथ गंदी हरकत करते लगा। उसकी हैवानियत से डरी-सहमी बच्ची के शोर करने पर आरोपी वहां से भाग गया। किसी तरह बच्ची अपने घर पहुंची और मां को सारी बात बताई। मां ने पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने आरोपी जगदीश के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

भू माफिया की बस्ती जेल में बिगड़ी तबीयत, मौत

गोंडा, अमृत विचार : तत्कालीन डीआईजी उपेंद्र अग्रवाल के समय भू माफिया घोषित किए गए बृजेश अवस्थी की बस्ती जेल हिरासत में मौत हो गई। इसके पहले भी भूमि की हेराफेरी में जेल में बंद दो लोगों की संदिग्ध मौत हो चुकी है। लगातार तीन मौतों से जेल प्रशासन व जिम्मेदारों पर अंगुलियां उठने लगी है। भू माफिया बृजेश अवस्थी की बस्ती के जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जाता है कि बुधवार सुबह बस्ती जिला कारागार में बन्द बृजेश के सीने में दर्द उठा। जिला प्रशासन ने तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। नगर कोतवाली क्षेत्र के रहने वाले बृजेश अवस्थी को जिला प्रशासन ने भू माफिया की सूची में रखा था। वह काफी समय से स्थानीय जिला कारागार में बंद थे। दिसंबर 24 को उनको जिला कारागार बस्ती में स्थानांतरित किया गया था। बृजेश अवस्थी के खिलाफ फर्जी अभिलेखों के सहारे जमीन बैनामा कराने, 419, 20 के लगभग 40 से अधिक मुकदमे दर्ज थे।

फर्जी अधिकारी बनकर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

आजमगढ़, अमृत विचार। साइबर थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। साइबर थाना की पुलिस ने सीबीआई और एंटी करप्शन अधिकारी बनकर रिटायर्ड पुलिस निरीक्षक से 35 लाख रुपये की ठगी करने वाले दो शातिर साइबर अपराधियों को गुजरात के भावनगर से गिरफ्तार किया है। पुलिस लाइन सभागार में मामले का खुलासा करते हुए एएसपी (ग्रामीण) चिराग जैन ने बताया कि 23 फरवरी 2025 को एक रिटायर्ड पुलिस निरीक्षक ने साइबर थाने में तहरीर दी थी कि अज्ञात व्यक्ति ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर उन्हें डरा-धमकाकर डिजिटल अरेस्ट कर लिया और कई बार में कुल 35 लाख रुपये उनके खाते से ट्रांसफर करवा लिए। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। एसएसपी हेमराज मीन के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक विभा पांडेय के नेतृत्व में उपनिरीक्षक योगेन्द्र प्रसाद यादव की अगुवाई में एक टीम गठित कर गुजरात भेजा गया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपियों को भावनगर, गुजरात से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में सरवैया कौशिक, निवासी मफतनगर, भावनगर, गुजरात शामिल हैं।

एक नजर

बरेली डिपो की बस में पकड़े सात बिना टिकट यात्री

बरेली : बरेली डिपो की देहरादून से वापस बरेली आ रही बस में रोडवेज के चेकिंग दल ने सात यात्री बिना टिकट पाए। यात्रियों ने बताया कि उन्होंने टिकट के पैसे दिए थे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया। जिसके बाद बस के परिचालक शिवम कुमार से जानकारी की तो वह टीम को धमकाकर बोला कि वह बरेली आरएम का भतीजा है। चेकिंग दल ने अपनी रिपोर्ट अधिकारियों को भेज दी। बरेली डिपो के एआरएम संजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आउटसोर्स के परिचालक को रूट से हटा दिया गया है। आगे की रिपोर्ट मिलने के बाद संविदा परिचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी की जमानत अर्जी नामंजूर

बरेली : पांच साल की बच्ची को जेली दिलाने के बहाने घर में ले जाकर दुष्कर्म करने के आरोपी थाना बिथरी चैनपुर क्षेत्र निवासी बड़े उर्फ जमील की जमानत अर्जी स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट कोर्ट रामानंद ने खारिज कर दी। सरकारी वकील सरनाम सिंह ने बताया कि पीड़िता की मां ने थाना बिथरी चैनपुर में तहरीर देकर बताया कि 22 जनवरी को 1 बजे बेटी खेल रही थी। बड़े पुत्री को अपने साथ कमरे में ले गया और गेट बंद कर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने अपने बयान में दुष्कर्म होने की बात कबूली थी।

मक्का भेजने के नाम पर युवक से एक लाख ठगे

बरेली : ठग ने नौकरी के लिए मक्का-मदीना भेजने का झांसा देकर बारादरी थाना क्षेत्र के एजाजनगर गौटिया निवासी शहनवाज से एक लाख रुपये ठग लिए। रुपये वापस मांगने पर दिल्ली के आजाद नगर ग्रीन पार्क निवासी आरोपी नदीम अहमद ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पीतल कारोबार की चमक भारत ही नहीं पूरे विश्व में : ओम बिरला

नए इनोवेशन व रिसर्च में युवाओं की सामने आई है बड़ी भूमिका

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि मुरादाबाद के हस्तशिल्प व पीतल कारोबार की चमक भारत ही नहीं पूरे विश्व में है। आज मेक इन इंडिया में नई तकनीक के साथ यहां के शिल्पकारों व निर्यातकों ने इस इंडस्ट्री को काफी ख्याति दी है। मुरादाबाद डिजाइन का बड़ा हब बनकर विश्व में अपनी भूमिका निभाए इसके लिए वह भी सरकार से पूरा प्रयास करेंगे। आने वाला समय भारत का है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बुधवार को मुरादाबाद के लाकड़ी फाजलपुर स्थित डिजाइनको प्राइवेट लिमिटेड निर्यात फर्म में एक्सपोर्टर्स मीट 2025 में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि विश्व के प्रमुख देशों में मुरादाबाद के उत्पाद की साख है। आज नई तकनीक के प्रयोग से बदलते परिप्रेक्ष्य के अनुसार दुनिया की जरूरत के अनुसार उत्पादों को रखें। युवाओं की तकनीकी जानकारी देश की ताकत बनती जा रही है। आज युवा नए इनोवेशन, रिसर्च में बड़ी भूमिका बनकर सामने आए हैं। हमारे यहां दक्ष मानव संसाधन का विशाल भंडार है। आने वाले समय में भारत दुनिया में सबसे बड़ा मैन्यूफैक्चरिंग हब बनेगा। सस्ती दवाइयां बन रही हैं। हस्तशिल्प के क्षेत्र में हम और सशक्त बनकर विश्व में अपनी धमक बढ़ाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि मुरादाबाद में स्किल्ड का बड़ा सेंटर बनाने के लिए काम होना चाहिए जिससे आत्मनिर्भर भारत मेक इन इंडिया को हम पूरे विश्व में स्थापित करने के लिए काम कर सकें। यहां कौशल और कुशलता का बड़ा हब बनाने में जुटें। मुरादाबाद के निर्यातक इसे सरकार के साथ मिलकर कर दिखाएंगे।

निर्यातको को संबोधित करते लोकसभा स्पीकर ओम बिरला। अमृत विचार

लक्ष्य के साथ शिखर पर पहुंचें : केंद्रीय वाणिज्य राज्यमंत्री

केंद्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य व उद्योग जितिन प्रसाद ने कहा कि भारत की व्यापारिक परिस्थितियां पूरी तरह परिवर्तित हो चुकी हैं। केंद्र सरकार आर्थिक सामाजिक विकास के नीतियां बनाकर तेजी से उस पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा आज का दौर आगे बढ़ने का है। अपने लक्ष्य के साथ शिखर पर पहुंचें।

मुरादाबाद के विकास में निर्यातकों की बड़ी भूमिका

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि मुरादाबाद के विकास में निर्यातकों की बड़ी भूमिका है। इसमें लोहिया परिवार ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निर्यातकों की समस्याओं का सरकार प्राथमिकता पर समाधान करेगी ऐसा संकल्प भी है।

ईपीसीएच के चेयरमैन ने रखीं अपेक्षाएं व समस्याएं

ईपीसीएच के चेयरमैन व मुरादाबाद के प्रमुख निर्यातक नीरज विनोद खन्ना ने निर्यातकों की अपेक्षाएं और समस्याएं सामने रखीं। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद से लगभग 15 हजार करोड़ रुपये का कारोबार है। पांच से 6 लाख आर्टिजन इससे जुड़े हैं। मुरादाबाद को वैश्विक अर्थव्यवस्था में विश्व ख्याति के लिए सरकार नामांकित करे, क्योंकि मेटल के उच्च कोटि के यहां के उत्पाद विश्व के सभी प्रमुख देशों को निर्यात किया जाता है।

आज भी अपने अस्तित्व को तलाश रही गोमती की धारा

श्रीकांत सिंह, पसगवां (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार : देश में नदियों को बचाने, उनकी अविरलता को कायम रखने के लिए समय-समय पर तमाम अभियान चलाए जाते रहे हैं, लेकिन इन सबके बीच आदि गंगा के नाम से प्रसिद्ध पौराणिक नदी गोमती लखीमपुर में आज भी अपने अस्तित्व को तलाश रही है। गोमती की अविरल जलधारा के लिए भी लोग आगे आए, अभियान चले, लेकिन इस नदी का कायाकल्प नहीं हो सका।

जिले में बरवर (मोहम्मदी क्षेत्र) से गुजरती नदी में घटता जलस्तर, व्याप्त गंदगी, जनता, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अनदेखी भारी पड़ रही है। गोमती अपने गरिमामयी इतिहास पर आंसू बहा रही है। राज्य चिह्न में सुशोभित मछली भी गोमती नदी का स्वरूप है। पीलीभीत के माधोटांडा से उद्गमित गोमती का लगभग 40 किमी सफर लखीमपुर जिले में है। मोहम्मदी से थोड़ा पहले शुरू होकर बरवर, जहानीखेड़ा, रहजनियां होते हुए मैगलगंज से छह किमी दूर प्रसिद्ध मढ़िया घाट से एक किमी सीतापुर जिले में प्रवेश करती है। अत्यधिक जलदोहन, अतिक्रमण व खनन से सिकुड़ रहा भौगोलिक क्षेत्र गोमती के अस्तित्व व जलस्रोत के लिए संकट बन गया है। बरवर, अमरी घाट, सेमरा, जतनगंज और रहजनियां में इसमें बहुत गंदगी है, जिसके कारण इसकी धारा अवरुद्ध हो जाती है।

नदी क्षेत्र में अजबापुर चीनी मिल है। इस नदी में दो प्रमुख नाले आकर मिलते हैं, जिनमें एक छोहा है और दूसरा अंधरा छोहा है। छोहा अजबापुर चीनी मिल के किनारे से आकर सोहौना गांव होते हुए गोमती नदी में मिलता है। अंधरा छोहा मोहम्मदी के पास से निकलकर मकसूदपुर और बरवर के बीच निकलकर गोमती में मिलता है।

मोहम्मदी क्षेत्र में इस तरह नजर आती है गोमती नदी।

प्रयास हुए पर अपेक्षित परिणाम नहीं

सुशील सीतापुरी मैं तुम्हारी गोमती हूं अभियान चला रहे हैं। वॉटर वुमन शिप्रा पाठक गोमती के किनारे यात्रा करते हुए नागरिकों से रूबरू हुईं। अंतर्राष्ट्रीय वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर सतपाल सिंह ने मोहम्मदी में गोमती सेवा समाज की स्थापना की। पैदल यात्राएं कीं और अभी हाल ही में उन्होंने गोमती उद्गम से गोमती के गंगा में मिलने तक एक यात्रा की। गोमती मित्र और पर्यावरण प्रेमी हरेंद्र वर्मा ने भी गोमती यात्राएं कीं। ये दोनों गोमती के किनारे जैव विविधता का भी अध्ययन करते हैं और अनवरत प्रयास करते हैं, लेकिन प्रशासनिक और जन सहयोग न मिलने से तमाम प्रयासों का परिणाम अपेक्षित नहीं मिला। वर्ष 2018 में आए बालीवुड अभिनेता राजपाल यादव ने गोमती के उद्धार के लिए बड़ी-बड़ी घोषणाएं की थीं, लेकिन लौटकर नहीं आए।

विधायक ने उठाया था गोमती बचाओ का मुद्दा

मोहम्मदी से भाजपा विधायक और पंचायती राज विभाग के सभापति लोकेन्द्र प्रताप सिंह ने गोमती नदी के अस्तित्व को बचाने के लिए मई 2022 में विधानसभा सत्र में अपना पक्ष रखा था। उन्होंने कहा था कि गोमती उद्गम स्थल और शारदा नदी में बहुत लंबी दूरी नहीं है। ऐसी स्थिति में शारदा का अतिरिक्त पानी गोमती में छोड़े जाने पर गोमती को जीवनदान मिल जाएगा। नहर निर्माण से शारदा को बाढ़ से राहत, गोमती को निर्मलता और अविरलता के साथ ही मनरेगा मजदूरों को रोजगार भी मिलेगा।

फ्लाइओवर से गिरी कर्मचारियों से भरी बस, 20 घायल

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद/अगवानपुर

▸▸ मंगलवार की देर रात अगवानपुर फ्लाइओवर पर हुआ हादसा

अमृत विचार : कर्मचारियों को फर्म से उनके घर छोड़ने जा रही बस ओवरटेक करते हुए अगवानपुर फ्लाइओवर पर मंगलवार की देर रात पलट गई। बस में सवार रामपुर रोड प्रभात मार्केट निवासी 20 कर्मचारी घायल हो गए। जानकारी पर पुलिस और फर्म स्वामी पहुंच गए। कुछ को जिला अस्पताल तो सात घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सभी की हालत खतरे से बाहर है।

थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के गांव लदावली में स्थित एक फर्म में पीतल व एल्युमिनियम के बर्तन बनाने के साथ-विदेश भेजने के लिए भी अन्य आइटम तैयार किए जाते हैं। फर्म में प्रभात मार्केट व अन्य मोहल्लों के लगभग 30 लोग काम करते हैं। यह सभी मंगलवार की देर रात काम कर फर्म से बस द्वारा घर आ रहे थे। बस जैसे ही अगवानपुर फ्लाईओवर के ऊपर पहुंची तो अनियंत्रित होकर चालक की साइड की तरफ पलट गई। हादसे में लगभग 20 लोग घायल हो गए। पुलिस ने 13 घायलों को जिला अस्पताल तो सात घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सीओ कुलदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि सभी की हालत खतरे से बाहर है। घायलों का उपचार चल रहा है। शिकायती पत्र मिलता है तो कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल में नवजात बच्चा बदलने का आरोप, हंगामा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : प्रेमनगर स्थित एक नर्सिंग एंड मेटरनिटी होम में नवजात बच्चे की अदला-बदली का परिजनों ने आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत किया।

प्रेमनगर स्थित नर्सिंग होम में सुभाषनगर निवासी आकाश बाबू रत्नाकर की पत्नी काजल को प्रसव पीड़ा होने पर भर्ती कराया गया था। बुधवार सुबह करीब 9 बजे काजल का प्रसव हुआ। स्टाफ ने परिजनों को बेटे का जन्म होने की बात कही, लेकिन चंद घंटों बाद ही एक अन्य स्टाफ ने बेटी होने की बात कही तो परिजन आग बबूला हो उठे और अस्पताल प्रबंधन पर बच्चा बदलने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि बेटे के जन्म की सूचना मिलने के बावजूद उन्हें बच्चा दिखाया नहीं गया। अस्पताल में नवजात बदलने की साजिश की गई है और उनके बेटे को किसी और को दे दिया गया है। परिजनों ने पुलिस में तहरीर देकर कार्रवाई की बात कही है। इस मामले में अस्पताल के डॉक्टर को फोन पर उनका पक्ष जानने के लिए कॉल की गई तो उन्होंने कॉल रिसीव की लेकिन मामले से जुड़ी जानकारी की बात सुनते ही कॉल कट कर दी।

> अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी गई तो पता चला कि अस्पताल में सिर्फ एक ही प्रसव हुआ है। जबकि परिजन बच्चे का डीएनए टेस्ट कराने की बात कह रहे हैं। डीएनए रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।
> –आशुतोष रघुवंशी, थाना प्रभारी प्रेमनगर

एजुकेटर पदों की भर्ती पर उठे सवाल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

▸▸ अभ्यर्थियों का आरोप, अधिक अंक वाले बैठे रह गए और कम वालों का चयन कर दिया गया

अमृत विचार : आंगनबाड़ी भर्ती के बाद अब बेसिक शिक्षा विभाग की बाल वाटिकाओं में ईसीसीई (अर्ली चाइल्डहुड केयर एजुकेशन) एजुकेटर भर्ती प्रक्रिया पर अभ्यर्थियों ने सवाल उठाए हैं। अभ्यर्थियों का आरोप है कि भर्ती प्रक्रिया की मेरिट लिस्ट जारी नहीं की गई लेकिन नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं। इस मामले में बुधवार को कलेक्ट्रेट और बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अभ्यर्थियों ने ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच की मांग की।

जिले में 190 एजुकेटर पद के लिए सेवायोजन पोर्टल पर 570 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया, जिसमें से 231 की काउंसलिंग हुई थी, लेकिन मेरिट लिस्ट कंपनी की ओर से सार्वजनिक नहीं की गई। अभ्यर्थियों का आरोप है कि मंगलवार को बीएसए कार्यालय में एक अधिकारी गोपनीय तरीके से कुछ लोगों को नियुक्ति पत्र वितरण कर रहे थे, जबकि उस समय तक कार्यालय पर कोई कट ऑफ सूची चस्पा नहीं हुई।

अभ्यर्थियों का दावा है कि कम अंक वालों का गलत तरीके से चयन किया गया है, जबकि अधिक अंक वाले नियुक्ति से वंचित हैं। इस चयन प्रक्रिया के लिए जिला स्तरीय समिति भी नामित थी, जिसमें डीआईओएस, जीआईसी के प्रधानाचार्य, बीएसए, सीडीओ और डीएम के प्रतिनिधि शामिल थे। अभ्यर्थियों का कहना है कि इस संबंध में कई बार शिकायतें बीएसए और सीडीओ कार्यालय में देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

प्रमाण पत्र मिलने वालों को आ रही समस्या

बुधवार को कुछ अभ्यर्थी प्राप्त प्रमाण पत्र लेकर डीसी ट्रेनिंग के पास इसमें त्रुटि की शिकायत लेकर पहुंचे। उनका कहना है कि जिस ब्लॉक या गांव का स्कूल भरा गया था, उसमें रिक्ति होने के बावजूद दूर का स्कूल दिया गया। इस समस्या को दूर करने के लिए लखनऊ जाकर बात करने को कहा जा रहा है। वहीं कुछ ही लोगों को नियुक्ति पत्र बीएसए कार्यालय से प्राप्त हुए हैं, जिनके नियुक्ति पत्र कार्यालय से नहीं मिल रहे हैं, उन्हें लखनऊ जाकर नियुक्ति पत्र लेने के लिए किया जा रहा है।

काउंसिलिंग के लिए भी सभी को नहीं आया कॉल

वहीं एक अभ्यर्थी का आरोप है कि उसे काउंसलिंग वाले दिन कॉल ही नहीं किया गया, जबकि उसके सभी कागज पूरे थे। सिर्फ चुनिंदा लोगों को ही कॉल की गयी, जिससे काउंसिलिंग में 570 में से बेहद कम ही लोग पहुंचे।

खेलते समय साड़ी का फंदा लगने से बच्चे की मौत

चन्दौसी : बुधवार को घर की दूसरी मंजिल पर लटकी साड़ी पर झूला झूल रहे बच्चे (10) की फंदा लगने से मौत हो गई। थाना बनियाठेर क्षेत्र के गांव सराय सिकंदर निवासी सीताराम पत्नी माया देवी व बड़े पुत्र अमित के साथ दोपहर में खेत पर काम करने गया था। उसके घर पर बेटा अनमोल (10) व दो छोटी पुत्रियां पल्लवी व फलिया थे। खेल-खेल में अनमोल घर की दूसरी मंजिल पर गया। वहां टिनशेड में साड़ी लटकी थी। वह साड़ी से झूला झूलने लगा। झूला झूलते समय साड़ी का फंदा उसके गले में फंस गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अनमोल को साड़ी के फंदे पर लटका देख पुत्री फलिया चीखने लगी और पड़ोसियों को बताया। सीताराम पत्नी के साथ जब घर पहुंचा तब उसे घटना की जानकारी हुई।

हल्द्वानी में नहर में गिरी कार नवजात समेत 4 की मौत

संवाददाता, हल्द्वानी

▸▸ किच्छा निवासी परिवार के साथ भारी बारिश में हादसा तीन घायल

अमृत विचार : हल्द्वानी में बुधवार सुबह भारी बारिश के दौरान कार नहर में जा गिरी। इस हादसे में नवजात समेत परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, गांव बरा, किच्छा ऊधमसिंह नगर निवासी राकेश की पत्नी रामा ने सोमवार बेटे को जन्म दिया था। बुधवार को राकेश व उसका परिवार रामा को सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल से डिस्चार्ज कराकर घर ले जा रहे थे। सुबह करीब सात बजे परिवार कार से किच्छा के लिए निकला। तेज बारिश के दौरान करीब 500 मीटर आगे फायर स्टेशन के सामने मोड़ के पास कार बेकाबू होकर उफान पर आई नहर में जा गिरी। सूचना पर पास ही फायर स्टेशन से जवान मौके पर पहुंचे और नहर में कूद गए। हादसे में रामा के पति राकेश (32), मां कमला (51), जेठानी नीतू (34) और नवजात की मौत हो गई। दमकलकर्मियों ने रामा के जेठ रमेश (42) और कार चालक श्यामलाल (40) को बचा लिया। बचाव के दौरान एक दमकलकर्मी भी बहते-बहते बचा। श्यामलाल की हालत नाजुक बताई गई, वह आईसीयू में भर्ती है। प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण कार की तेज गति बताया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य की कामना की है।

अनोखी ममता.. पिल्ले को पाल रहा बंदर

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

▸▸ गांव पैजनिया में पिल्ले को अपना दूध पिलाती है मादा बंदर

अमृत विचार : थाना हल्दौर क्षेत्र के गांव पैजनिया में इन दिनों दिल को छू लेने वाला नज़ारा देखने को मिल रहा है। यहां एक बंदर एक पिल्ले की देखभाल कर रहा है बल्कि हमेशा उसे गोद में उठाकर घूमता है। पिल्ले को खुद से दूर नहीं होने देता।

गांव के मोहित, लक्ष्मी, राजन, सौरभ और महेंद्र सहित कई लोगों ने बताया कि बंदर बीते कई दिनों से पिल्ले को गोद में लेकर घूम रहा है। घरों की छतों पर तो कभी गलियों में पिल्ले को लिए नजर आता है। बंदर घरों से रोटी या अन्य खाने की चीजें उठा लाता है और पिल्ले को खिलाता है। बंदर के साथ एक मादा बंदर भी है, जो इस पिल्ले को दूध पिलाती है।

ग्रामीणों का कहना है कि पिल्ला पूरी तरह बंदरों के साथ घुल मिल गया है। वह भी बंदर की गोद से उतरने की कोशिश नहीं करता। बंदर उसकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखता है। इस अनोखे रिश्ते को देखने के लिए आसपास के गांवों से भी लोग पैजनिया पहुंच रहे हैं।

पिल्ले को गोदी में लेकर छत पर बैठा बंदर।

बारिश के दौरान दीवार गिरने से बच्ची की मौत

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : खेतलसंडा मुस्ताजर में बारिश के दौरान दीवार गिरने से बच्ची (10) की दबकर मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

बुधवार सुबह से हो रही बारिश के दौरान खेतलसंडा मुस्ताजर निवासी नारायण सिंह मजदूरी में घर के पास ही धान की रोपाई कर रहा था। खेत में उसका 14 साल का बेटा भी धान की रोपाई करने में मदद कर रहा था। वहीं उसकी 10 साल की बेटी शिवांगिनी भी उनके साथ खेत में आ गई थी। इसी दौरान लगातार हो रही तेज बारिश की वजह से खेत के बराबर में बनी ईट की दीवार ढह गई और शिवांगिनी दीवार के नीचे दब गई। दीवार गिरते ही वहां अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने दीवार हटाकर बच्ची को बाहर निकाला जो अचेत हो चुकी थी। आनन-फानन में ताऊ चरण सिंह और पूर्व प्रधान वीरेंद्र राज उसे लेकर नागरिक अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

वर्ग पहेली-13

बाएं से दाएं

3.1. पानी गिरने की ध्वनि 2. ज़ोर से उछाला हुआ पानी का छींटा 3. धारा के किसी वस्तु से टकराने के बाद उत्पन्न होने वाला शब्द, छपाछप।

4.1. चुभना, पीड़ा देना, गड़ना 2. किसी दुखद घटना का बार-बार स्मरण होना 3. टीस उठना 4. किसी की याद में तड़पना।

5.1. कंघा, कंघी 2. कंधा, भुजबल।

6.1. ऐसे वर्ण या अक्षर जिनके उच्चारण में मुंह के अतिरिक्त नाक से अनुस्वरात्मक ध्वनि निकलती है 2. नाक के योग से बोलने या गाने वाला।

8.1. पत्रभाग 2. स्तंभ 3. पंक्ति 4. हाशिया।

ऊपर से नीचे

1.1. भोग करने वाला, भोगी 2. खाने वाला, भक्षक 3. भोजन पर आमंत्रित अतिथि।

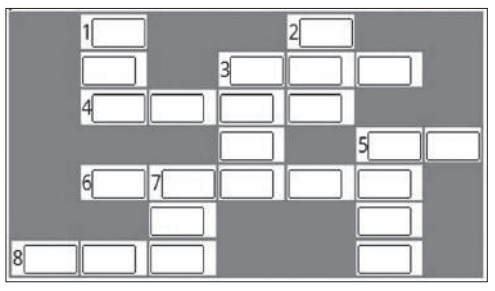

2.1. किसी को दबाना 2. रस्सी या सूत के दो टुकड़ों को बटकर जोड़ना।

3.1. किसी भार या धक्के से वस्तु का वेग से दूर जाना 2. दूर या अलग रहना 3. बंधन से निकल जाना 4. कूदना, उछलना 5. किसी व्यक्ति या जंतु का अपने नमिता

5.1. साग-सब्ज़ी 2. हरी पत्तियों वाली छोटी वनस्पति से बनी सब्ज़ी 3. तरकारी।

7. ज्योतिष, तारे, सितारे।

वर्ग पहेली-12 का हल

1 पा	शी	■	2 आ	■	■	3 फ़े
■	■	4 म	न	ब	सि	या
5 ए	■	■	न	■	■	ज़ी
6 की	श	■	फा	■	7 फ	■
क	■	8 अ	न	भ	ला	■
9 र	ह	मा	न	■	दे	■
ण	■	न	■	10 सं	श	य

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 26 जून, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आषाढ़, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा-13 .24 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

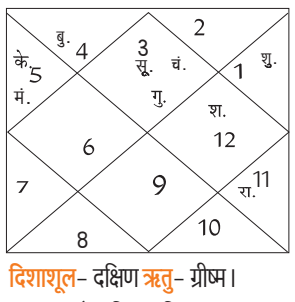

दिशाशूल- दक्षिण **ऋतु**- ग्रीष्म।

चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-आर्द्रा 08 .46 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष
आज का दिन अत्यंत शुभ रहने वाला है। विशेष विषयों के अध्ययन में रुचि लेंगे। प्रेमी जन के साथ रोमान्टिक डेट पर जाने का विचार बना सकते हैं। कारोबारी यात्रा के योग बन रहे हैं। बेरोजगार लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकते हैं।

वृष
आज लोग आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। इसके कारण कुछ मित्रों से संबंध भी प्रभावित हो सकते हैं। जीवनसाथी से सलाह लेना उत्तम रहेगा। फाइनेन्स संबंधी कार्यों में सफलता मिलेगी।

मिथुन
आज नया व्यापार शुरू करना चाह रहे हैं तो उसके लिए मैनेजमेन्ट सुनिश्चित कर लें। रुके हुए कार्यों में तीव्रता आयेगी। शोध कार्यों में अपेक्षित सफलता मिलने से मन प्रफुल्लित रहेगा। आपका व्यवहार लोगों के लिए प्रेरणादायक रहेगा। गले में दर्द की शिकायत हो सकती है।

कर्क
आज आपके ऊपर बेवजह के आरोप लग सकते हैं। नशे और व्यभिचार से दूरी बनाकर रखें। अनेक बाधाओं के साथ आपके काम आगे बढ़ेंगे। किसी मित्र को धन उधार देना पड़ सकता है। सहयोगी आपसे ईर्ष्या रख सकते हैं।

सिंह
आज समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। किसी वैवाहिक समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं। मित्रों के सहयोग से रुका हुआ काम गतिशील हो जायेगा। इंटरनेट के माध्यम से कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकती हैं। भाई-बहनों के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

कन्या
आज सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। शरीर में थोड़ी थकावट हो सकती है, इसीलिए आराम पर्याप्त मात्रा में अवश्य लें। जल्दबाजी में काम पूरा करने से गलतियां हो सकती हैं। करियर को लेकर चिंता हो सकती है। धन-संपति के मामलों में सफलता मिलेगी।

तुला
आज कार्यक्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभायेंगे। छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। पारिवारिक मामलों को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं। प्रेम संबंधों का तनाव दूर होगा। जीवनसाथी आपका काफी ध्यान रखेगा।

वृश्चिक
आज किसी सहकर्मी के साथ आपको विवाद का सामना करना पड़ेगा। अपने खर्चों को नियन्त्रित रखने का प्रयास करें। जीवनसाथी के साथ किसी कारणवश झगड़ा हो सकता है। इसके कारण आपका मन भी अशान्त हो सकता है। बहसबाजी के बजाय आज शांत होकर रहें।

धनु
आज जीवनसाथी आपसे पुरानी दबी हुई इच्छा को प्रकट कर सकता है। सरकारी कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है। व्यवसाय को लेकर नए विकल्प आज आपको मिलेंगे। भोगवादी वस्तुओं पर धन खर्च करेंगे। व्यवसाय में टैक्स आदि को लेकर परेशानियां दूर होंगी।

मकर
आज कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अतिरिक्त श्रम करना पड़ेगा। गूढ़ विषयों के अध्ययन में आपकी रुचि जागृत होगी। मौसम में आ रहे बदलावों के कारण तेज बुखार और सिरदर्द की समस्या होने की आशंका है। सरकार की अच्छी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं।

कुंभ
आज प्रेमी जन के साथ विवाह को लेकर चर्चा कर सकते हैं। बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। छात्रों को करियर को लेकर थोड़ी कन्फ्यूजन हो सकती है। नकारात्मक प्रवृति के लोगों से संपर्क कम करना हितकर होगा। घर के खर्चे बढ़ने के कारण आपके ऊपर दबाव रहेगा।

मीन
आज वैवाहिक जीवन को आप पर्याप्त समय नहीं दे पायेंगे। जिसके कारण मन कुछ असन्तुष्ट रहेगा। नए बिजनेस रिलेशन को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं। जोड़ों में दर्द और अकड़न जैसी समस्या हो सकती है। कानूनी मामलों में नुकसान हो सकता है।

सुडोकू-20

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	9			3			4	
2	8				5		6	7
		6	4			1		
	6	9	2		3		5	8
8		5			6	4		
	3		5				1	
6					2	9		1
9		3	7				8	
	5			6	9			4

सुडोकू - 19 का हल

6	7	1	2	8	9	4	3	5
3	9	2	5	7	4	6	1	8
4	5	8	1	3	6	9	7	2
2	4	9	8	1	3	5	6	7
7	1	6	4	2	5	3	8	9
5	8	3	6	9	7	2	4	1
8	3	7	9	6	2	1	5	4
9	6	5	7	4	1	8	2	3
1	2	4	3	5	8	7	9	6

युद्धविराम के बाद बाजार में आया उछाल

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से सेंसेक्स 700 तो निफ्टी ने 200 अंक की दर्ज की बढ़त

- एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज में लिवाली से भी निवेशक धारणा को मिला समर्थन

मुंबई, एजेंसी

ईरान और इजराइल के बीच युद्धविराम के बाद पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बीच बुधवार को स्थानीय शेयर बाजार में तेजी दर्ज की गई और सेंसेक्स 700 अंक चढ़ गया। निफ्टी भी 200 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ।

विश्लेषकों ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट टलने की उम्मीद में कच्चे तेल के कीमतों में नरमी देखी गई। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज में लिवाली से भी निवेशक धारणा को समर्थन मिला। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 700.40 अंक चढ़कर 82,755.51 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 760.8 अंक चढ़कर 82,815.91 अंक पर पहुंच गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 200.40 अंक चढ़कर 25,244.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारती एयरटेल के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी तरफ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में गिरावट का रुख देखने को मिला।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से भारतीय शेयर बाजारों में मजबूती आई। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार से पूंजी निकासी जारी रखी है लेकिन सकारात्मक वैश्विक संकेतों से घरेलू बाजार की गति को बनाए रखने में मदद मिल रही है। घरेलू स्तर पर मानसूनी बारिश अनुकूल रहने के पूर्वानुमान और खुदरा मुद्रास्फीति में नरमी से भी आशावाद को बल मिल रहा है।

स्मालकैप-मिडकैप ने भी बढ़ोत्तरी

व्यापक बाजार में बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक ने 1.59 प्रतिशत की छलांग लगाई, जबकि मिडकैप में 0.63 प्रतिशत की तेजी रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में प्रौद्योगिकी खंड ने 1.69 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की जबकि आईटी खंड में 1.68 प्रतिशत और दूरसंचार खंड में 1.42 प्रतिशत की तेजी रही। बजाज ब्रोकिंग ने शेयर बाजार पर जारी एक टिप्पणी में कहा कि मानक सूचकांक ने लगातार दूसरे दिन अपनी तेजी बरकरार रखी। ईरान-इजराइल संघर्ष खत्म होने से भू-राजनीतिक तनाव कम होने की उम्मीदें जगी हैं और निवेशक धारणा को बल मिला है।

सूचीबद्ध 2821 कंपनियों के शेयरों में रही तेजी

बीएसई पर सूचीबद्ध 2,821 कंपनियों के शेयरों में तेजी रही जबकि 1,207 शेयर गिरकर बंद हुए और 134 अन्य अपरिवर्तित रहे। वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.21 प्रतिशत बढ़कर 67.95 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार दोपहर के सत्र में मिले-जुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को अमेरिकी बाजारों में खासी तेजी देखी गई थी। शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 5,266.01 करोड़ के शेयरों की बिकवाली की। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,209.60 करोड़ के शेयर खरीदे।

भारत में आर्थिक गतिविधियां मजबूत

मुंबई, एजेंसी

आरबीआई बुलेटिन में किया गया खुलासा

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अर्थव्यवस्था से जुड़े विभिन्न आंकड़े भारत में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधियों की ओर इशारा करते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बुलेटिन में बुधवार को यह बात कही गई।

आरबीआई के जून बुलेटिन में प्रकाशित 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' शीर्षक वाले लेख में कहा गया कि व्यापार नीति अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि के दोहरे झटके के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था उथल-पुथल की स्थिति में है। इसमें कहा गया, बढ़ी हुई वैश्विक अनिश्चितता की इस स्थिति में मई, 2025 के लिए विभिन्न उच्च आवृत्ति संकेतक भारत में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधियों की ओर इशारा करते हैं। लेख में कहा गया कि 2024-25 के दौरान कृषि में अधिकतर प्रमुख फसलों के उत्पादन में व्यापक वृद्धि देखी गई है। साथ ही, घरेलू मूल्य स्थिति भी अनुकूल बनी हुई है। मई में लगातार चौथे महीने कुल मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे रही।

'कुल मुद्रास्फीति' में ऊर्जा और खाद्य वस्तुओं का मूल्य प्रभाव शामिल होता है। इसमें कहा गया कि वित्तीय परिस्थितियां भी ब्याज दरों में कटौती का लाभ ऋण बाजार तक प्रभावी तरीके से पहुंचाने के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट रूप से कहा है कि बुलेटिन में प्रकाशित लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

कॉल मनी के लिए बाजार समय 1 जुलाई से दो घंटे बढ़ा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि तात्कालिक वित्तीय जरूरतों के लिए इस्तेमाल होने वाले कर्ज यानी 'कॉल मनी' का बाजार समय 1 जुलाई से दो घंटे बढ़ाकर शाम 7 बजे तक कर दिया जाएगा। जब कोई बैंक अचानक नकदी की जरूरत आने पर किसी दूसरे बैंक से बहुत कम समय (अमूमन एक दिन) के लिए उधार लेता है तो उसे 'कॉल मनी' कहते हैं। आरबीआई ने यह फैसला राधा श्याम राठो की अध्यक्षता में गठित कार्यसमूह की सिफारिशों के आधार पर किया है। यह समूह विनियमित वित्तीय बाजारों के व्यापार एवं निपटान के समय की व्यापक समीक्षा करने के लिए बनाया गया था। केंद्रीय बैंक ने कहा, अब कॉल मनी का संशोधित बाजार समय सुबह नौ बजे से शाम सात बजे तक होगा। साथ ही मार्केट रेपो और त्रिपक्षीय रेपो (टीआरईपी) के कारोबारी घंटे भी एक अगस्त, 2025 से शाम चार बजे तक बढ़ा दिए जाएंगे। संशोधित कारोबारी घंटे सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक होंगे।

आगरा में बनेगा 111.5 करोड़ से अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्र सरकार ने दक्षिण एशिया क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र की स्थापना के प्रस्ताव को दी मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आगरा में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र की स्थापना के प्रस्ताव को बुधवार को मंजूरी दे दी। इसके लिए 111.5 करोड़ का वित्तीय समर्थन दिया जाएगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस निवेश का मुख्य उद्देश्य आलू तथा शकरकंद की उत्पादकता, कटाई के बाद प्रबंधन एवं मूल्य संवर्धन में सुधार करके खाद्य तथा पोषण सुरक्षा, किसानों की आय और रोजगार सृजन को बढ़ाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि उनकी सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस फैसले से आलू उत्पादकों को लाभ होगा।

गौतमबुद्ध नगर में 417 करोड़ में स्थापित होगा इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर

लखनऊ, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर में केन्द्र सरकार ने 417 करोड़ रूपये की लागत से इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी 2.0) की स्थापना को स्वीकृति दे दी है। इसका उद्देश्य स्थानीय विनिर्माण और नवाचार को बढ़ावा देना है। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बुधवार को इस परियोजना की समीक्षा की। परियोजना के क्रियान्वयन में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को परियोजना के तेजी से क्रियान्वयन के लिए राज्य के साथ मिलकर काम करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वीकृत ईएमसी 2.0 परियोजना को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (वाईईआईडीए) द्वारा विकसित किया जाएगा। यह क्लस्टर 200 एकड़ में फैला होगा और इसमें 2,500 करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है और 15,000 रोजगार के अवसर तैयार होंगे।

वित्तीय प्रौद्योगिकी में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता देशों में भारत शामिल

नई दिल्ली। विश्व आर्थिक मंच (डबल्यूईएफ) के अध्ययन में वित्तीय प्रौद्योगिकी के लिहाज से शीर्ष प्रदर्शन करने वाले देशों की सूची में अमेरिका और ब्रिटेन के साथ भारत को भी शामिल किया गया हे। चीन के तियानजिन में आयोजित न्यू चैंपियंस की वार्षिक बैठक में जारी विश्व आर्थिक मंच के अध्ययन में कहा गया कि लाभप्रदता और समावेशन में मजबूती के बीच वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की वृद्धि स्थिर हो रही है। इनमें ब्रिटेन, भारत, अमेरिका, सिंगापुर, ब्राजील और इंडोनेशिया हैं।

देश जल्द बनेगा 5000 अबर डॉलर की अर्थव्यवस्था

कोलकाता, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद मजबूती से आगे बढ़ रहा देश

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद भारत 2027 तक पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है और यह सब सामूहिक राष्ट्रीय प्रयास एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व के कारण संभव हो पाया है।

'मर्चेंट्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' (एमसीसीआई) द्वारा आयोजित ऑनलाइन सत्र में गोयल ने सरकार के दशक भर के आर्थिक सुधारों को वृद्धिशील के बजाय परिवर्तनकारी करार दिया। गोयल ने मंगलवार को कहा कि हम अगले तीन वर्ष में पांच हजार अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह 2047 तक 'विकसित भारत' बनने के सफर में हमारी पहली उपलब्धि होगा। वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और भू-राजनीतिक चुनौतियों पर मंत्री ने कहा कि भारत को एकता और दृढ़ संकल्प के साथ अशांत माहौल में आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बड़ी अर्थव्यवस्थाएं शांत स्थिति मे नहीं बनती। यह भारत का समय है। हमें इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए और दुनिया के अग्रणी देशों के बीच अपना उचित स्थान पाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। गोयल ने सरकार के वृद्धि मॉडल को समावेशी, टिकाऊ और ईमानदार विकास पर केंद्रित बताया जिसमें सेवा, सुशासन और नवाचार पर जोर दिया गया है। उन्होंने नागरिक कल्याण के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। साथ ही ईरान तथा यूक्रेन जैसे वैश्विक संघर्ष क्षेत्रों में सरकार के निकासी प्रयासों का भी उल्लेख किया।

राष्ट्रीय

एक नजर

बम की धमकी पर पालघर का स्कूल कराया खाली

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले के निजी स्कूल को बुधवार सुबह ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिसके बाद छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को स्कूल परिसर से बाहर निकाला गया। मीरा-भायंदर वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस के अधिकारी ने बताया कि बम की धमकी अफवाह निकली क्योंकि नालासोपारा स्थित स्कूल के परिसर में जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

अमरनाथ यात्रा के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

श्रीनगर। कश्मीर पुलिस प्रमुख वीके बिरदी ने बुधवार को कहा कि अमरनाथ यात्रा सुरक्षित और निर्बाध रूप से संपन्न हो, इसके लिए बहुस्तरीय और गहन सुरक्षा व्यवस्था की गई है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) ने अनंतनाग में बताया, अगले सप्ताह से श्री अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है। जम्मू कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों ने यात्रा के लिए सभी सुरक्षा प्रबंध कर लिए हैं।

7 करोड़ की धोखाधड़ी का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में 7.14 करोड़ निवेश के धोखाधड़ी के मुख्य आरोपी को तीन साल बाद उत्तराखंड से गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को पुलिस उपायुक्त (आर्थिक अपराध शाखा) पराग मनेरे ने बताया कि आरोपी अजय उसारे (38) ने अपने साथियों के साथ मिलकर ठाणे के वागले एस्टेट इलाके में विदेशी मुद्रा कारोबार कंपनी खोली और भोले-भाले निवेशकों को चपत लगाई। मनेरे के अनुसार, उसारे को गिरफ्तार किए जाने के साथ अब तक इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

आपातकाल की यादें जीवित रखनी होंगी : शाह

आपातकाल की 50वीं बरसी पर हुए 'संविधान हत्या दिवस' कार्यक्रम को केंद्रीय गृहमंत्री ने किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में 'संविधान हत्या दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गजेंद्र सिंह शेखावत, अश्विनी वैष्णव, उपराज्यपाल वीके सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि आपातकाल की यादों को जीवित रखा जाना चाहिए ताकि देश पर तानाशाही विचार न थोप सके। शाह ने आपातकाल की 50वीं बरसी पर हुए कार्यक्रम में कहा कि जब बात सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन की होती है, तो ऐसे घटनाक्रमों को याद रखा जाना चाहिए, ताकि युवा अन्याय के खिलाफ जागरूक और तैयार रह सकें।

शाह ने कहा कि देश 50 साल पहले आज के दिन घोषित आपातकाल के दौरान कांग्रेस द्वारा किए अन्याय और अत्याचारों को कभी नहीं भूलेगा और इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने इस दिन को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का सही निर्णय लिया है। इंदिरा गांधी सरकार ने 25 जून 1975 को आपातकाल लगाया था। शाह ने एक पुस्तक 'द इमरजेंसी डायरीजः इयर्स दैट फोर्ज्ड ए लीडर' का विमोचन किया, जो आपातकाल के दौरान युवा नरेन्द्र मोदी के साथ काम कर चुके सहयोगियों के व्यक्तिगत अनुभवों और अन्य संग्रहित दस्तावेजों पर आधारित है। कार्यक्रम को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अश्विनी वैष्णव, दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा,

निरंकुश शासक ने परिवारवादी शासन को बनाए रखने के लिए आपातकाल लगाया

अमित शाह ने कहा कि 50 साल पहले एक निरंकुश शासक द्वारा लगाया गया आपातकाल जिसका उद्देश्य अपने परिवारवादी शासन को बनाए रखना था, इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक था। शाह ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का परोक्ष उल्लेख करते हुए कहा कि आपातकाल कोई राष्ट्रीय आवश्यकता नहीं था, बल्कि यह कांग्रेस और केवल एक व्यक्ति की अलोकतांत्रिक मानसिकता का प्रतिबिंब था। गृह मंत्री ने एक्स पर कहा, यह दिवस बताता है कि जब सत्ता तानाशाही बन जाती है तो जनता उसे उखाड़ फेंकने की ताकत रखती है। आपातकाल कोई राष्ट्रीय आवश्यकता नहीं, बल्कि कांग्रेस और एक व्यक्ति की लोकतंत्र विरोधी मानसिकता का परिचायक था। प्रेस की स्वतंत्रता कुचली गई, न्यायपालिका के हाथ बांधे गए और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल में डाला गया। शाह ने कहा, देशवासियों ने सिंहासन खाली करो का शंखनाद किया और तानाशाह कांग्रेस को उखाड़ फेंका। इस संघर्ष में बलिदान देने वाले सभी वीरों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

पिछले 11 साल से देश में लगा है अघोषित आपातकालः खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी

- कांग्रेस अध्यक्ष बोले- विफलता छिपाने को संविधान हत्या दिवस मनाने का नाटक

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हमले को लेकर उन पर पलटवार किया और आरोप लगाया कि पिछले 11 साल से देश में अघोषित आपातकाल है तथा भाजपा मोदी सरकार की विफलताओं को छिपाने के लिए 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का नाटक कर रही है।

उन्होंने महाराष्ट्र विस चुनाव का हवाला देते हुए दावा किया कि निर्वाचन आयोग मोदी सरकार की कठपुतली बन गया है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कारण ही आज संविधान संकट में है। खरगे ने कहा, जिनका देश की आजादी के आंदोलन और संविधान निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा। जो संविधान के खिलाफ बात करते रहे, वे आज तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, जिस संविधान को बाबा साहेब आंबेडकर, जवाहर लाल नेहरू, महात्मा गांधी और संविधान सभा ने तैयार किया था, उसे भी आरएसएस ने रामलीला मैदान में जलाया था। यही नहीं, आरएसएस ने बाबा साहेब आंबेडकर, नेहरू और गांधी का पुतला भी जलाया था।

सोनम के गायब हुए सामान से मेघालय पुलिस को मिला तमंचा

शिलांग, एजेंसी

राजा रघुवंशी हत्याकांड

- मेघालय पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर इंदौर में नाले से की बरामदगी

व्यापारी राजा रघुवंशी की हत्या की जांच कर रही मेघालय पुलिस की विशेष जांच टीम ने बुधवार को इंदौर के पलासिया इलाके में एक नाले से एक देसी तमंचा बरामद किया। पूर्वी खासी पर्वतीय जिले के पुलिस अधीक्षक विवेक सिम ने बताया, हमने इंदौर में एक नदी से एक देशी तमंचा और दो मैगजीन बरामद की हैं। इससे पहले इंदौर में एक कार में रखे बक्से से 50,000 नकद बरामद हुए थे।

इंदौर में पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस हथियार को अन्य सामान के साथ इंदौर के उस फ्लैट से गायब किए जाने का संदेह है, जिसमें राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम वारदात को अंजाम देने के बाद कई दिन तक रुकी थी। सोनम, उसके कथित प्रेमी राज कुशवाह और उसके दोस्तों विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी को व्यापारी की हत्या की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

आपदा प्रबंधन

एसडीआरएफ की टीम ने बहादुरी दिखाते हुए बुधवार को तवी नदी में अचानक आई बाढ़ के बीच फंसे व्यक्ति को सुरक्षित निकाला। भारी बारिश के चलते नदी का जलस्तर तेज़ी से बढ़ गया था। एजेंसी

दिल्ली की रसायन फैक्टरी में आग लगने से चार की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में रोहिणी के रिठाला इलाके में रसायन फैक्टरी में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। दमकल विभाग ने बुधवार को बताया कि आग मंगलवार को रोहिणी सेक्टर-5 में पांच मंजिला इमारत में लगी, जिसे बुझाने के लिए दमकल की 16 गाड़ियों को भेजा गया।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा कि घटना रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास परिसर में होने की सूचना मिली थी। आग लगने का कारण अभी ज्ञात नहीं है और जांच जारी है। मलबे में दबे लोगों का पता लगाने के लिए अभियान जारी है। पुलिस ने अब तक आग में झुलसे चार लोगों के शव बरामद किए हैं। तीन घायल लोगों को बाबा साहब अम्बेडकर (बीएसए) अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रिहाई में देरी पर जेल अफसरों को सुप्रीम फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- राज्य सरकार को निर्देश, पीड़ित को दें पांच लाख रुपये मुआवजा

सुप्रीम कोर्ट ने धर्मांतरण रोधी कानून के तहत दर्ज मामले में 29 अप्रैल को जमानत पाने वाले आरोपी को रिहा करने में देरी के लिए बुधवार को उत्तर प्रदेश के जेल अधिकारियों को फटकार लगाई और सरकार को उसे पांच लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन व एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि स्वतंत्रता संविधान के तहत प्रदत्त बहुत मूल्यवान अधिकार है और व्यक्ति ने अकारण 28 दिनों के लिए अपनी स्वतंत्रता खो दी। आरोपी को 29 अप्रैल को जमानत मिली थी और 27 मई को गाजियाबाद की निचली अदालत ने रिहाई दी थी। बुधवार को शीर्ष अदालत को बताया गया कि व्यक्ति को 24 जून को जिला जेल से रिहा किया गया। पीठ ने इस आधार पर रिहाई में देरी पर आपत्ति जताई कि आदेश में अधिनियम के एक प्रावधान की उपधारा का उल्लेख नहीं किया गया था।

नीतीश कटारा हत्याकांड में सुखदेव को 3 माह का फरलो

सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड में सुखदेव यादव को बुधवार को तीन महीने का फरलो दिया। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और के विनोद चंद्रन ने कहा कि यादव ने बिना किसी छूट के 20 साल जेल की सजा काटी है। शीर्ष न्यायालय ने निर्देश दिया कि यादव को सात दिन में निचली अदालत में पेश किया जाए और उसे फरलो दिए जाने से पहले निचली अदालत उस पर उचित शर्तें लगाए। फरलो का मतलब जेल से अस्थायी रिहाई है, न कि सजा का निलंबन या छूट।

वकीलों को तलब करने की अनुमति न्याय के लिए खतरा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुवक्किलों को सलाह देने के लिए वकीलों को पुलिस या जांच एजेंसियों द्वारा तलब करने की अनुमति देना न्याय की स्वतंत्रता के लिए प्रत्यक्ष खतरा है। न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि कानूनी पेशा न्याय प्रशासन की प्रक्रिया का अभिन्न अंग है। जांच एजेंसियों/पुलिस को पक्षकारों को सलाह देने वाले बचाव पक्ष के वकील या अधिवक्ताओं को तलब करने की अनुमति देना कानूनी पेशे की स्वायत्तता को गंभीर रूप से कमजोर करेगा और न्याय प्रशासन की स्वतंत्रता के लिए भी प्रत्यक्ष खतरा पैदा करेगा। पीठ ने मामले में कुछ प्रश्न भी खड़े किये।

रथ यात्रा : पुरी की निगरानी करेंगे एआई कैमरे और एनएसजी

पुरी। समुद्र तटीय तीर्थ नगरी पुरी में 27 जून को भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करते हुए 10 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। बुधवार को पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा, निगरानी के लिए विभिन्न स्थानों पर 250 से अधिक एआई युक्त कैमरे लगाए गए हैं और आसपास के मकानों की छत पर एनएसजी के निशानेबाजों की तैनाती भी की गई है। श्रद्धालुओं को संभालने तथा खुद को तैयार करने के लिए केंद्रीय सशस्त्र बलों ने रिहर्सल में भाग लिया।

उपचुनावों के इंडेक्स कार्ड 72 घंटे में जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बुधवार को बताया कि उसने हाल में हुए विस उपचुनाव के लिए इंडेक्स कार्ड अपने नए डिजिटल मंच की मदद से 72 घंटे में जारी कर दिए। इंडेक्स कार्ड गैर-वैधानिक, चुनाव-पश्चात सांख्यिकीय रिपोर्टिंग होती है जो विभिन्न हितधारकों को मतदान संबंधी रुझान समझने में मदद करती है।

ईसी ने कहा कि उसने केरल, गुजरात, पंजाब और प. बंगाल में पांच विस क्षेत्रों के लिए 19 जून को हुए उपचुनाव के दौरान नए डिजिटल मंच ईसीआईएनईटी का संचालन शुरू किया। नतीजे 23 जून को घोषित हुए। सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-संचालित प्रणाली उपचुनाव के दौरान अनुमानित मतदान प्रतिशत के रुझान पर समय पर अद्यतन जानकारी देने में सक्षम थी। नयी प्रणाली के तहत, इंडेक्स कार्ड में अधिकांश डेटा ईसीआईएनईटी इनपुट का उपयोग करके स्वतः भरे जाते हैं।

ईसी पांच और राज्यों में मतदाता सूची की करेगा समीक्षा

नई दिल्ली। बिहार के बाद, निर्वाचन आयोग इस वर्ष के अंत तक उन पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की गहन समीक्षा करेगा जहां 2026 में चुनाव होने हैं। अंतत:, निर्वाचन आयोग देशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू करेगा, ताकि मतदाता सूचियों की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन किया जा सके। गहन समीक्षा के तहत, चुनाव अधिकारी त्रुटिरहित मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विस का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है और इन राज्यों में मतदाता सूचियों की गहन समीक्षा वर्ष के अंत तक शुरू हो जाएगी। हालांकि, चूंकि बिहार में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए निर्वाचन आयोग ने वहां तत्काल विशेष गहन पुनरीक्षण करने का निर्णय लिया है।

शार्दुल के स्थान पर कुलदीप को मिल सकती है जगह

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले मैच में शार्दुल ठाकुर से कम गेंदबाजी कराने के कप्तान शुभमन गिल के फैसले का बचाव किया है, लेकिन दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में उनके चयन को सही ठहराना मुश्किल होगा। दिसंबर 2023 के बाद से अपना पहला टेस्ट खेल रहे शार्दुल का तेज गेंदबाजी में अच्छा उपयोग नहीं हुआ और उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भी टीम को निराश किया। उन्होंने दो पारियों में 20 गेंदों पर कुल पांच रन बनाए। शार्दुल ने मैच की पहली पारी में सिर्फ छह ओवर और दूसरी पारी में 10 ओवर गेंदबाजी की। ऐसे में विशेषज्ञ गेंदबाज की जगह उन्हें तरजीह देने पर सवाल उठ रहे हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी

शार्दुल ने मैच के पांचवें दिन हालांकि लगातार दो विकेट लेकर भारत की जीत की उम्मीदें जगा दी थी, लेकिन उनकी गेंदबाजी में धार और पैनापन नहीं था। उन्होंने और प्रसिद्ध कृष्णा ने बहुत सारी कमजोर गेंदें फेंकी, जिससे इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना। भारत को इस पांच दिवसीय मैच में ज्यादातर समय तक दबदबा बनाये रखने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बावजूद टीम को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। एजबेस्टन टेस्ट के लिए हालांकि अंतिम एकादश में कुछ बदलाव तय हैं। विशेषज्ञों ने श्रृंखला के पहले मैच में कुलदीप यादव को शामिल करने की मांग की थी और अब बर्मिंघम में स्पिनरों की मदद करने वाली पिच पर शार्दुल की जगह उन्हें शामिल किए जाने की संभावना है।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने 'जियोस्टार' से कहा, कुलदीप यादव को वापस आना होगा। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है, लेकिन शार्दुल ठाकुर को बाहर जाना होगा। उन्होंने कहा यह एक बदलाव है जो भारत को करना होगा। जहां तक नीतीश कुमार रेड्डी का सवाल है तो मैंने पहले टेस्ट के लिए उनका समर्थन इस आधार पर किया था कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन किया था। मांजरेकर ने कहा लेकिन वह पर्याप्त विकल्प प्रदान नहीं करता है। वह टीम में चौथे तेज गेंदबाज की भूमिका में पूरी तरह से खरा नहीं उतर पाएगा इसलिए भारतीय टीम प्रबंधन को कड़ा फैसला लेना होगा। हमें यहां की परिस्थितियों में अपने सर्वश्रेष्ठ आक्रमण के साथ करना होगा और इसके लिए मैं एक तेज गेंदबाज कम रखूंगा और कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल करूंगा। उसे खेलना ही होगा। हेडिंग्ले में इंग्लैंड के 371 रन के रिकार्ड लक्ष्य का पीछा करने के बाद गंभीर से शार्दुल के कम उपयोग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इस मामले में कप्तान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कप्तान कभी-कभी अपनी अंतरात्मा की सोच के अनुसार काम करता है और जडेजा ने पहली पारी में हमें नियंत्रण (रन गति को कम कर) दिया था। इससे हम दूसरे छोर पर अपने तीन तेज गेंदबाजों से गेंदबाजी करा सकते थे। उन्होंने कहा हम जानते हैं कि शार्दुल का कौशल क्या है और इसलिए वह भारत के लिए खेल रहे हैं। वह चौथे तेज गेंदबाज हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें स्पिनर से पहले गेंदबाजी का मौका दिया जाना चाहिए। एक कप्तान अपनी सोच के अनुसार फैसले लेता है और यह फैसला काफी हद तक पिच की स्थिति पर आधारित होता है। गेंदबाजी विभाग में किसी और बदलाव की संभावना कम है क्योंकि पहले और दूसरे टेस्ट मैच के बीच एक सप्ताह का अंतराल है और ऐसे में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अंतिम एकादश में बने रहने की उम्मीद है। अर्शदीप सिंह के फिर से बाहर बैठने की संभावना है क्योंकि टीम प्रबंधन प्रसिद्ध को और मौका देना चाहेगा।

चार तेज गेंदबाजों के साथ खेलने का कोई मतलब नहीं

पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने 'पीटीआई' से कहा कुलदीप को टीम में होना चाहिए। चार तेज गेंदबाजों के साथ खेलने का कोई मतलब नहीं है। शार्दुल या प्रसिद्ध में से कोई भी उनके लिए जगह बना सकता है। इंग्लैंड में टीमें अकसर चार तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरते रहीं हैं लेकिन मौजूदा समय में शुष्क मौसम को देखते हुए कुलदीप और रविंद्र जडेजा दोनों अंतिम एकादश में जगह बना सकते हैं। जडेजा की गेंदबाजी पर भी सवाल उठ रहे हैं क्योंकि वह स्पिनरों की मददगार पांचवें दिन की पिच पर ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

शार्दुल ठाकुर। ● एजेंसी

कुलदीप यादव।

हमें कैच छोड़ना महंगा पड़ा : शुभमन गिल

लीड्स, एजेंसी

भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि हमारे पास टेस्ट जीतने का मौका था, लेकिन कैच छोड़ना हमें महंगा पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट से मिली हार के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि टेस्ट मैच शानदार रहा। हम इंग्लैंड की टीम को 430 रनों का लक्ष्य देने के बारे में सोच रहे थे, लेकिन हमने 31 रन जोड़कर अपने आखिरी पांच विकेट गवां दिये। उन्होंने कहा कि आज भी, मुझे लगा कि पहले विकेट के बाद हमारे पास मौके थे। हमने पहली पारी में खराब प्रदर्शन के बारे में बात की, हमें आगे बढ़ते हुए इसमें सुधार करना होगा। इस तरह के विकेट पर मौके आसानी से नहीं मिलते, लेकिन हमारी टीम युवा है, टीम में सीखने का जज्बा है। उम्मीद है कि इसमें सुधार होगा।

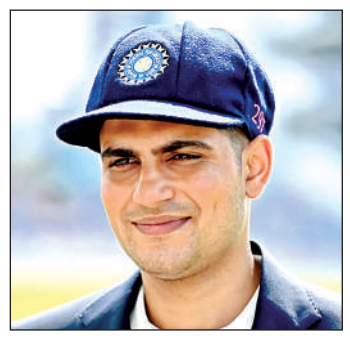

शुभमन गिल।

गिल की मैदान पर आभा प्रभावशाली नहीं : हुसैन

लीड्स, एजेंसी : इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट में पांच विकेट से शिकस्त मिलने के बाद भारत के नये कप्तान शुभमन गिल की रणनीति की आलोचना के बीच पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि 'मैदान पर उनमें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसा आभा नहीं दिखी'। रोहित शर्मा के बाद कप्तान के रूप में अपने पहले टेस्ट में गिल को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा और हुसैन ने कहा कि यह युवा खिलाड़ी कप्तान के तौर पर 'सक्रिय होने के बजाय प्रतिक्रिया दे रहा' था। हुसैन ने 'स्काई स्पोर्ट्स' से कहा मैंने देखा कि कोई तरीका ढूंढने की कोशिश कर रहा था। उसके (गिल) पास मैदान पर रोहित और (विराट कोहली) जैसी आभा नहीं दिखी। मुझे लगा कि वह सक्रिय होने के बजाय प्रतिक्रिया दे रहा था।

यशस्वी जायसवाल से मैच के दौरान बेन डकेट का महत्वपूर्ण कैच छूट गया। इसके साथ ही मैच जीतने का सुनहरा अवसर भी छूट गया। ● एजेंसी

हर्षित राणा को भारतीय टीम से रिलीज किया गया

बर्मिंघम, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में खेले गये पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम में कवर के तौर पर शामिल किए गए युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को टीम प्रबंधन ने बुधवार को रिलीज (टीम से अलग करना) कर दिया। राणा ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर दो टेस्ट मैच खेले थे।

वह इंग्लैंड दौरे पर भारत ए टीम का हिस्सा थे लेकिन कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट में ज्यादा प्रभाव नहीं डाल पाए। उन्होंने 27 ओवर में 99 रन देकर सिर्फ एक विकेट लिया। बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर 'पीटीआई' को बताया, हर्षित राणा को टीम से रिलीज कर दिया गया है। वह दो जुलाई से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम के साथ बर्मिंघम नहीं आये हैं। दिल्ली के 23 साल के हर्षित को मुख्य कोच गौतम गंभीर का शिष्य माना जाता है। वह गेंद को पिच पर पूरी ताकत के साथ टप्पा खिलाने के लिए जाने जाते है।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में पर्थ के मैदान पर अपनी ऑफ कटर गेंद से ट्रेविस हेड को चकमा देकर सुर्खियां बटोरी थी। समय के साथ हालांकि यह स्पष्ट हो गया है कि शीर्ष स्तर पर लाल गेंद के मैचों को खेलने के लिए उन्हें अपनी गेंदबाजी में और सुधार करना होगा। इंग्लैंड की परिस्थितियों में मुकेश कुमार और अंशुल कंबोज को हर्षित से बेहतर गेंदबाज माना जा रहा है लेकिन इन दोनों की जगह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के इस गेंदबाज को तरजीह मिलने पर सवाल भी उठे थे। गंभीर ने मंगलवार को पहले टेस्ट मैच में भारत की हार के बाद कहा था हर्षित राणा को लेकर मैं चयन समिति के अध्यक्ष से चर्चा करूंगा। कुछ छोटी-मोटी परेशानियों के कारण उन्हें रोका गया था। अब सब कुछ ठीक है। मैं चर्चा करूंगा और फिर हम उस पर निर्णय लेंगे।

एक नजर

भारत के नौ वर्षीय खिलाड़ी ने कार्लसन को ड्रॉ पर रोका

नई दिल्ली : दिल्ली के नौ वर्षीय आरित कपिल एक प्रमुख ऑनलाइन मंच पर आयोजित 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूजडे' शतरंज टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ पर संतोष करना पड़ा। हाल ही में अंडर-नौ राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में उपविजेता रहे आरित ने पांच बार के विश्व चैम्पियन कार्लसन को हार के कगार पर पहुंचा दिया था, लेकिन समय समाप्त होने और घड़ी में केवल कुछ सेकंड बचे होने के कारण यह युवा भारतीय खिलाड़ी अपनी बढ़त को भुनाने में असमर्थ रहा और उसे ड्रॉ पर मजबूर होना पड़ा। आरित ने जॉर्जिया के अपने होटल से इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जहां वह वर्तमान में अंडर-10 विश्व चैंपियनशिप में खेल रहे हैं। इस बीच भारत के वी प्रणव ने 11 में से 10 अंक लेकर 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूजडे' का खिताब जीत लिया। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हैंस मोके नीमन और कार्लसन दोनों ने 9.5 अंक हासिल किए, लेकिन नीमन ने टाईब्रेक में दूसरा स्थान हासिल किया।

भारतीय निशानेबाजी लीग के लिए 400 से अधिक पंजीकरण

नई दिल्ली : आगामी भारतीय निशानेबाजी लीग (एसएलआई) में भाग लेने के लिए अभी तक दुनिया भर के 400 से अधिक खिलाड़ी पंजीकरण करा चुके हैं। इस प्रतियोगिता के आयोजक भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने बुधवार को यह जानकारी दी। भारत, कजाकिस्तान, रूस, ईरान, हंगरी, क्रोएशिया, अजरबैजान, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, ग्रेनेडा, इटली, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, सर्बिया, अमेरिका, स्पेन, थाईलैंड, जर्मनी, चेक गणराज्य, नॉर्वे, सैन मैरिनो और रोमानिया के निशानेबाजों ने लीग के लिए पंजीकरण कराया है। एनआरएआई के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा हमें पहली भारतीय निशानेबाजी लीग को लेकर जिस तरह की प्रतिक्रिया मिल रही है उससे वास्तव में हम उत्साहित हैं। पहली भारतीय निशानेबाजी लीग का आयोजन इस साल के आखिर में 20 नवंबर से दो दिसंबर तक किया जाएगा। इसमें पिस्टल (10 मीटर, 25 मीटर), राइफल (10 मीटर, 50 मीटर 3 पोजीशन) और शॉटगन (ट्रैप और स्कीट) में मिश्रित टीम स्पर्धाएं शामिल होंगी।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया

बर्लिन : भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को चार देशों के टूर्नामेंट में तीसरे और चौथे स्थान के लिए खेले गये मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हरा दिया। आज यहां खेले गये मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के टोबी मैलन ने दूसरे हाफ में 40वें मिनट में मैदानी गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलायी। इसके बाद भारत के रोहित ने (45वें) मिनट में गोलकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। चौथे क्वार्टर में भारत के अजीत यादव ने (52वें) मिनट में गोल कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। पहले हाफ में दोनों टीमें के बीच संघर्षपूर्ण मुकाबला हुआ।

पंत टेस्ट रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर

दुबई : भारत के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले टेस्ट में दो शतक की बदौलत बुधवार को जारी नवीनतम आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए।

पहले टेस्ट में पांच विकेट की हार के दौरान पहली पारी में शतक जड़ने वाले भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल भी पांच स्थान के फायदे से 20वें पायदान पर हैं। एक ही टेस्ट में दो शतक जड़ने वाले केवल दूसरे विकेटकीपर बने पंत को एक स्थान का फायदा हुआ है। पंत से पहले जिंबाब्वे के एंडी फ्लावर एकमात्र विकेटकीपर थे जिन्होंने एक ही टेस्ट में दो शतक जड़ने की उपलब्धि हासिल की थी। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह पहले टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट चटकाने के बाद शीर्ष पर बने हुए हैं। इंग्लैंड की जीत के दौरान 62 और 149 रन की पारी खेलकर मैन ऑफ द मैच बने बेन डकेट पांच स्थान की छलांग के साथ रैंकिंग में आठवें स्थान पर पहुंच गए। डकेट के टीम के साथियों ओली पोप (तीन स्थान के फायदे से 19वें स्थान पर) और जेमी स्मिथ (आठ स्थान के फायदे से 27वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट दुनिया के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज हैं जबकि टीम के उनके साथी हैरी ब्रूक दूसरे स्थान पर हैं। पहले टेस्ट में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट ऑलराउंडर की सूची में तीन स्थान के फायदे से पांचवें स्थान पर पहुंच गए।

कमजोर गेंदबाजी पर गंभीर ने कहा, हमें उन्हें समय देना होगा

लीड्स, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हार के दौरान भारतीय आक्रमण की अनुभवहीनता खुलकर उजागर हो गई, लेकिन मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि टीम के अधिकतर तेज गेंदबाज अभी अपने करियर की शुरुआत कर रहे हैं। उन्हें कुछ और समय देने की जरूरत है। इंग्लैंड की पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह को छोड़कर कोई भी अन्य गेंदबाज प्रभावशाली नहीं दिखा।

मेजबान टीम ने मंगलवार को मैच के पांचवें और अंतिम दिन 371 रन का लक्ष्य बिना किसी परेशानी के हासिल कर लिया। प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर की तेज गेंदबाजी तिकड़ी की लाइन और लेंथ में निरंतरता का अभाव दिखा। गंभीर में भारत की पांच विकेट से हार के बाद संवाददाताओं से कहा हमें उन्हें समय देना होगा। पहले हमारी टीम में चार तेज गेंदबाज होते थे, जिन्हें 40 से अधिक टेस्ट मैचों का अनुभव था। एकदिवसीय या टी20 मैचों में इसका इतना बड़ा प्रभाव नहीं पड़ता, लेकिन जब आप टेस्ट मैच खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या दक्षिण अफ्रीका का दौरा करते हैं तो अनुभव काफी मायने रखता है।

● मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भारतीय कमजोर आक्रमण पर गेंदबाजों का लिया पक्ष

उन्होंने कहा उनके करियर के अभी शुरुआती दिन हैं। अगर हम प्रत्येक टेस्ट मैच के बाद अपने गेंदबाजों का मूल्यांकन करना शुरू कर देंगे, तो हम अच्छा गेंदबाजी आक्रमण कैसे तैयार कर पाएंगे। बुमराह और सिराज के अलावा हमारे पास तेज गेंदबाजी में उतना अनुभव नहीं है, लेकिन उनमें (अन्य में) गुणवत्ता है और यही वजह है कि वे इस भारतीय टीम में हैं। गंभीर ने कहा लेकिन हमें उनका समर्थन करते रहना होगा, क्योंकि यह एक दौरे की बात नहीं है। यह एक मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण तैयार करने से जुड़ा है, जो टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय तक भारत की सेवा कर सके। भारतीय टीम में शामिल अन्य तेज गेंदबाजों में अर्शदीप सिंह ने अभी तक कोई टेस्ट नहीं खेला है जबकि हर्षित राणा ने केवल दो मैच खेले हैं। प्रसिद्ध ने मैच में पांच विकेट लिए लेकिन उन्होंने काफी रन भी लुटाए।

गंभीर को हालांकि लगता है कि प्रसिद्ध में एक बहुत अच्छा टेस्ट गेंदबाज बनने के सभी गुण मौजूद हैं। उन्होंने शार्दुल ठाकुर का भी बचाव किया, जिन्होंने पहली पारी में केवल छह और पूरे मैच में 16 ओवर ही फेंके। गंभीर ने कहा कप्तान परिस्थितियों के अनुसार फैसला करता है। रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में हमें संतुलन प्रदान किया जिससे हम दूसरे छोर पर अपने तीन तेज गेंदबाजों में अदला बदली कर सकते थे।

बल्लेबाज के तौर पर खेल को नया रूप दे रहे हैं पंत : ग्रेग चैपल

मुंबई : ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज और भारत के पूर्व मुख्य कोच ग्रेग चैपल ने ऋषभ पंत के लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की दोनों पारियों में शतक के बाद कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज 'बल्लेबाज के तौर पर खेल को नया रूप दे रहा है'। पंत ने पहले टेस्ट में 134 (178 गेंद, 12 चौके, छह छक्के) और 118 रन (140 गेंद, 15 चौके, तीन छक्के) की पारियां खेली और इस दौरान कुछ रिकॉर्ड भी बनाए। चैपल ने कहा कि भारत के टेस्ट उप कप्तान पंत ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो 'एमसीसी प्लेइंग मैनुअल' में भी नहीं हैं। जब मैंने पहली बार उसे देखा तो उसने मुझे एडम गिलक्रिस्ट की याद दिला दी। जब एक विकेटकीपर उस स्तर पर बल्लेबाजी कर सकता है और तेजी से रन बना सकता है तो यह टीम के लिए कितना बड़ा अंतर पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा खूबसूरती यह है कि ऋषभ बहुत तेजी से रन बनाता है जिससे आपको क्रिकेट मैच जीतने का समय मिल जाता है। उसका प्रदर्शन शानदार था। उसने जो शॉट खेले उनमें से कुछ एमसीसी की खेल नियमावली में नहीं थे। चैपल ने कहावह एक बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहा है। आधुनिक तकनीक के साथ बल्ले बहुत अलग हैं और आप ऐसे शॉट खेल सकते हैं जो पुराने जमाने में संभव नहीं थे।

पहले टेस्ट में हार के बावजूद बुमराह को लेकर योजना में कोई बदलाव नहीं

लीड्स : भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि टीम प्रबंधन पहले टेस्ट में हार के बावजूद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ तीन से अधिक टेस्ट मैच खेलने के लिए नहीं कहेगा। बुमराह एकमात्र भारतीय गेंदबाज थे जिन्होंने हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के बल्लेबाजों के सामने लगातार चुनौती पेश की। बुमराह अपने करियर के दौरान चोटों से जूझते रहे हैं और यही वजह है कि उनके कार्यभार प्रबंधन के तहत टीम प्रबंधन ने उन्हें पांच में से तीन टेस्ट मैचों में खिलाने का फैसला किया था। चार मैच शेष रहने के बावजूद यह योजना नहीं बदली है। गंभीर ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा नहीं, हम अपनी योजना में कोई बदलाव नहीं करेंगे। हमारे लिए उनके कार्यभार का प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि आगे काफी क्रिकेट खेलना है और हम जानते हैं वह क्या कर सकते हैं। श्रृंखला शुरू होने से पहले ही तय कर दिया गया था कि वह तीन टेस्ट मैच खेलेंगे।

वह दिन जिसने भारतीय क्रिकेट में कामयाबी की नींव रखी

नई दिल्ली, एजेंसी

पिछले चार साल में जब भी 25 जून आता है तो '83' वाट्सअप ग्रुप के सबसे जिंदादिल सदस्य की यादें बाकी 13 सदस्यों को कचोटती हैं। चार साल पहले यशपाल शर्मा ने आखिरी सांसें ली थी लेकिन ऐसा एक भी दिन नहीं गया होगा जब कपिल देव की 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्यों ने 'यश पाजी' को याद नहीं किया हो।

कोरोना महामारी से पहले पंजाब के तत्कालीन चयनकर्ता यशपाल दिल्ली में रणजी मैच देखने आये थे। उन्होंने कुछ पत्रकारों को उलाहना भी दिया था कि ओल्ड टैफर्ड में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच की रिकॉर्डिंग उनके पास नहीं है जिसमें उनकी 89 रन की पारी की मदद से भारत ने 34 रन से जीत दर्ज की थी। टूर्नामेंट में सर्वाधिक 240 रन बनाने वाले यशपाल ने कहा था जिसके पास भी रिकॉर्डिंग है, मैं उसे 5000 पाउंड देने के लिए तैयार हूं।

भारतीय टीम ने जब रवि शास्त्री के कोच रहते बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीती या रोजर बिन्नी बीसीसीआई अध्यक्ष बने या कीर्ति आजाद ने लोकसभा चुनाव जीता, इस ग्रुप पर चर्चा का दौर चला है। गावस्कर ने कहा हम लगभग हर रोज संपर्क में रहते हैं और आज तो बिल्कुल ही। विजय माल्या के यूबी समूह ने 2008 में विश्व कप जीत की 25वीं सालगिरह पर लार्डस पर टीम के सभी सदस्यों के लिये समारोह का आयोजन किया था। फिर 2023 में अडाणी समूह ने 40वीं सालगिरह पर सदस्यों को सम्मानित किया। इस बार गावस्कर और शास्त्री एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए अपनी मीडिया व्यस्तताओं के कारण बाहर हैं और दिलीप वेंगसरकर भी देश में नहीं है तो जश्न नहीं हो सका।

गावस्कर ने कहा हमने इस साल भी जश्न का सोचा था लेकिन सीरीज चालू होने के कारण स्थगित करना पड़ा। भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक सौरव गांगुली ने हाल ही में पीटीआई के एक पॉडकास्ट में कहा था 1983 बहुत बड़ी बात थी। कपिल देव, संधू, मदन लाल, रोजर बिन्नी, संदीप पाटिल को लॉर्डस पर देखना बहुत बड़ी बात थी।

विश्व कप विजेता भारतीय टीम के सदस्य अलग अलग शहरों में रहते हैं। शास्त्री और गावस्कर शीर्ष कमेंटेटर हैं। नील वाल्सन उत्तर भारत के हिल स्टेशन पर रहते हैं जबकि मदन लाल की सिरी फोर्ट में अकादमी है।

विश्व कप जीत के 42 साल

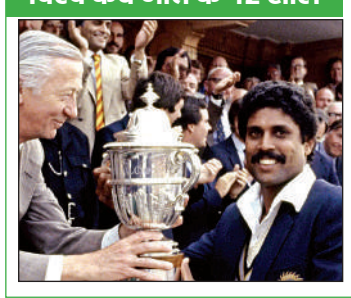

बीबीसी कर्मचारियों के हड़ताल के कारण वीडियो उपलब्ध नहीं

कपिल ने जिम्बाब्वे के खिलाफ जब 175 रन की नाबाद पारी खेली थी तब बीबीसी कर्मचारियों के हड़ताल पर होने से उसकी कोई वीडियो रिकॉर्डिंग उपलब्ध नहीं है। मशहूर पत्रकार गुलू इजेकील ने हालांकि अपनी किताब 'मिथ बस्टर्स' में लिखा कि 18 जून 1983 को बीबीसी ने मैनचेस्टर में इंग्लैंड और पाकिस्तान तथा लॉर्डस पर वेस्टइंडीज और आस्ट्रेलिया के मैच का प्रसारण किया था। बीबीसी को भारत और जिम्बाब्वे का मैच उतना महत्वपूर्ण नहीं लगा। टनब्रिज वेल्स पर वह पहला और आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच था लेकिन यह मैदान भारतीय क्रिकेटप्रेमियों के लिये किसी तीर्थ से कम नहीं है। स्टेडियम के आसपास रहने वालों के पास कपिल देव की एक न एक कहानी जरूर है। एक ब्रिटिश नागरिक ने इस संवाददाता को बताया था कि उसने जिस मकान मालिक से घर खरीदा था, उसकी एक खिड़की कपिल के छक्के से टूटी थी।

लता मंगेशकर बीसीसीआई के लिए जुटाया था धनराशि

भारत के विश्व कप जीतने के बाद आर्थिक तंगहाली से जूझ रहे बीसीसीआई ने लता मंगेशकर से धनराशि जुटाने के लिए एक कन्सर्ट करने का अनुरोध किया। इससे मिली रकम से बीसीसीआई ने टीम के हर सदस्य को दो लाख रुपये दिए थे। बदले में लता जी को भारतीय टीम के मैचों के दो वीआईपी टिकट मिलते रहे।

'मैं अपने प्रदर्शन से खुश नहीं हूं'

ओस्ट्रावा : भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने भले ही पदार्पण के साथ गोल्डन स्पाइक खिताब जीत लिया हो लेकिन पूर्व ओलंपिक चैम्पियन अपने प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। चोपड़ा ने 85.29 मीटर के थ्रो के साथ नौ खिलाड़ियों के बीच खिताब जीता। जीत के बाद उन्होंने कहा मैं आज अपने प्रदर्शन से खुश नहीं हूं लेकिन इस बात की खुशी है कि खिताब जीता। उन्होंने कहा मैं बचपन में यह टूर्नामेंट देखा करता था। मैने जान जेलेंजी और उसेन बोल्ट जैसे दिग्गजों को गोल्डन स्पाइक जीतते देखा और मुझे लगता था कि मैं भी एक दिन जीतूंगा।

अमरनाथ यात्रा

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने वाली है, देश भर से श्रद्धालुओं और साधु-संतों ने जम्मू पहुंचना शुरू कर दिया है। यात्रा शुरू होने तक यहां साधु-संत राम मंदिर बेस कैंप में ठहरे हुए हैं। बुधवार को साधुओं के नारों की वजह से यहां अलग ही माहौल नजर आया। अमरनाथ यात्रा के दौरान सुरक्षा के भी कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। एजेंसी

अंतरिक्ष यात्राओं की उपलब्धियां
जब मंगल पर रहेगा मानव

अंतरिक्ष यात्राओं का इतिहास रोमांचक और जोखिम भरा रहा है। अंतरिक्ष यात्राओं से बेहद महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियां हासिल हुई हैं तो नाकामियां भी मिली हैं। ऐतिहासिक सफलताओं ने भविष्य की अपार संभावनाओं के द्वार खोले हैं। एक तरह से कहा जाए तो अंतरिक्ष यात्राएं मानव की तकनीकी प्रगति के साथ विज्ञान और वैश्विक सहयोग का भी प्रतीक हैं। इनमें जोखिम जरूर रहे हैं लेकिन इन यात्राओं से मिली सीखों ने अंतरिक्ष विज्ञान को नई ऊंचाइयों तक भी पहुंचाया है। भविष्य में चंद्रमा और मंगल ग्रह पर मानव बस्तियों की कल्पना भी धीरे-धीरे वास्तविकता की ओर बढ़ने लगी है। भारत दुनिया के चुनिंदा देशों में शामिल है जो अंतरिक्ष विज्ञान की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। उसके कई सफल अंतरिक्ष अभियानों ने दुनिया को अचरज में भी डाला है।

संभावनाओं भरा इतिहास

अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत और प्रगति

अंतरिक्ष यात्रा का प्रारंभिक युग सन् 1950 से 1970 तक माना जा सकता है। सन् 1957 में सोवियत संघ ने स्पुतनिक-1 लॉन्च किया था जो पहला कृत्रिम उपग्रह था। सन् 1961 में यूरी गागरिन अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले इंसान थे। इसके बाद सन् 1969 में अपोलो 11 मिशन के तहत अमेरिका के नील आर्मस्ट्रॉन्ग और बज एल्ड्रिन चंद्रमा पर उतरने वाले पहले इंसान बने।सन् 1970 से सोवियत संघ और अमेरिका के बीच स्पेस रेस शुरू हुई जो 1990 तक चरम पर पहुंच गई। इसी दौरान पहले मीर और उसके बाद इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) जैसे स्पेस स्टेशनों की शुरुआत हुई। सन् 1975 में भारत ने भी अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट लांच किया। वर्ष 1984 में राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बने।

नई तकनीक और निजीकरण

सन् 1990 से 2020 के बीच हबल टेलिस्कोप से ब्रह्मांड में झांकने की शुरुआत हुई। 1998 में आईएसएस कई देशों की साक्षा परियोजना था जो अब भी कार्यरत है। इसी बीच स्पेस एक्स और ब्लू ओरिजिन जैसी निजी कंपनियां आईं।

प्रमुख सफलता

- नासा का चंद्रमा अभियान अपोलो शृंखला
- स्पेस एक्स का फाल्कन 9 और रियुजेबल रॉकेट्स- 1
- इसरो का मंगलयान।
- चीन का चांग मिशन, टियांगॉन्ग एसएस।

असफलता

- नासा के 1986 में चैलेंजर और 2003 कोलंबिया स्पेस शटल हादसे में सभी अंतरिक्ष यात्री मारे गए।
- यूएस का नाडेज्दा मिशन कई बार असफल मानव रहित प्रयास रहा।
- 2019 में चंद्रयान-2 लैंडर विक्रम चांद पर लैंडिंग में विफल हुआ।

भविष्य की योजनाएं

नासा

- आर्टिमिस मिशन : 2025 तक फिर चंद्रमा पर इंसान भेजने की योजना।
- मार्स मिशन : 2030 के दशक में मानव को मंगल ग्रह पर भेजने की योजना।

इसरो

- गगनयान : 2025 तक भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन।
- चंद्रयान-3 : चांद की सफल सॉफ्ट लैंडिंग 2023 में पूरी हुई।
- शुक्रयान : भविष्य में शुक्र ग्रह के अध्ययन का मिशन।

स्पेस एक्स और निजी क्षेत्र

- स्टारशिप : इंटरप्लैनेटरी ट्रैवल के लिए डिज़ाइन किया गया।
- मार्स कोलोनाइजेशन : एलन मस्क की दीर्घकालिक योजना।
- अंतरिक्ष पर्यटन : अब धीरे-धीरे आम लोगों के लिए खुल रहा है।

एक नजर

कोलंबिया में भूस्खलन में आठ लोगों की मौत

बोगोटा। उत्तर पश्चिमी कोलंबिया में एंटिओक्विया विभाग के बेलो नगरपालिका में मंगलवार को भूस्खलन में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। मेयर लोरेना गोंजालेज ने कहा, सुबह करीब 3 :25 बजे ग्रैनिज़ल सेक्टर में भूस्खलन हुआ। अब तक हमने आठ लोगों की मौत और पांच लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि ला नेग्रा धारा के ज्यादा प्रवाह से शुरू हुए भूस्खलन ने एल पिनार पड़ोस के 10 घरों को प्रभावित किया। एंटिओक्विया के गवर्नर एंड्रेस जूलियन ने कहा कि आपातकाल का निपटने के लिए विभाग के सभी संसाधन जुटाए गए हैं। बचाव दल लापता लोगों की तलाश जारी रखे हुए हैं।

जिनपिंग ब्रिक्स सम्मेलन में नहीं होंगे शामिल

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्राजील में छह-सात जुलाई को होने वाले 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट अखबार ने बुधवार को सूत्रों के हवाले से यह रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रधानमंत्री ली कियांग कर सकते हैं। राष्ट्रपति जिनपिंग ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में होने वाले 17वें शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। चीन के शीर्ष नेता एक वर्ष से भी कम समय में ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा से दो बार मिल चुके हैं।

विस्फोटक फटने से सात इजराइली सैनिकों की मौत

यरुशलम। दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में मंगलवार को एक इजराइली बख्तरबंद वाहन में लगे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से इजराइल के सात सैनिकों की मौत हो गयी। सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध में अब तक इजराइल के 860 से अधिक सैनिक मारे गए हैं। सेना ने बताया कि खान यूनिस इलाके में ही गोलीबारी में मंगलवार को एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया।

एससीओ बैठक में भाग लेने चीन पहुंचे राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन में भाग लेने के लिए बुधवार को चीन के बंदरगाह शहर किंगदाओ पहुंचे। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध के बाद दोनों देशों के संबंधों में गंभीर तनाव आने के बाद किसी वरिष्ठ भारतीय मंत्री की यह पहली चीन यात्रा है। सिंह का किंगदाओ हवाई अड्डे पहुंचने पर भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने स्वागत किया।

ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरा तबाह नहीं
अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी ने जारी की नई रिपोर्ट, बचाव में उतरे ट्रंप प्रशासन के अधिकारी

वाशिंगटन/दुबई, एजेंसी

अमेरिका की एक नई खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी हमले के बाद ईरान का परमाणु कार्यक्रम कुछ महीने पीछे चला गया है लेकिन पूरी तरह तबाह नहीं हुआ है, जैसा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है। रक्षा खुफिया एजेंसी की ओर से सोमवार को जारी यह रिपोर्ट ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों की स्थिति को लेकर ट्रंप और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बयानों के विपरीत है। रिपोर्ट से ट्रंप के दावों को करारा झटका लगने के बाद उनके प्रशासन के शीर्ष अफसर बचाव में उतर आए हैं।

रिपोर्ट में पता चला है कि ईरान के फोर्दो, नतांज और इस्फहान परमाणु स्थलों पर शनिवार को हुए हमलों से खासा नुकसान हुआ है, लेकिन वे पूरी तरह नष्ट नहीं हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के हमलों से पहले ही ईरान के अत्यंत संवर्धित यूरेनियम के एक हिस्से को दूसरी जगहों पर स्थानांतरित कर दिया गया था। फोर्दो में बहुत अंदर स्थित यूरेनियम संवर्धन संयंत्र का प्रवेश भाग ढह गया है और अवसंरचना को भी नुकसान हुआ है, लेकिन भूमिगत ढांचा क्षतिग्रस्त नहीं हुआ है। मंगलवार को सीएनएन ने इस आकलन के बारे में सबसे पहले खबर दी लेकिन व्हाइट हाउस ने इसे गलत बताकर खारिज कर दिया है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि जो खुफिया रिपोर्ट लीक हुई है, वह रिपोर्ट प्रारंभिक थी और उस पर बहुत ज्यादा भरोसा नहीं किया जा सकता। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस रिपोर्ट को लीक करने वाले अधिकारियों को पेशेवर धोखेबाज करार दिया है।व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने एक बयान में कहा, इस आकलन को उजागर करना राष्ट्रपति ट्रंप को नीचा दिखाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने के लिए एक बेहतरीन मिशन को अंजाम देने वाले बहादुर लड़ाकू पायलटों को बदनाम करने का प्रयास है। उन्होंने कहा, हर कोई जानता है कि जब आप 30,000 पाउंड के 14 बम लक्ष्य पर सटीक रूप से गिराते हैं तो क्या होता है: संपूर्ण विनाश। ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि हमलों के कारण ईरान में परमाणु स्थल पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं और ईरान कभी अपने परमाणु प्रतिष्ठानों का पुनर्निर्माण नहीं कर पाएगा।

उधर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने बुधवार को पुष्टि की कि अमेरिकी हमलों से देश के परमाणु प्रतिष्ठान बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं। 'अल जजीरा' से बात करते हुए बाघेई ने यह टिप्पणी की, हालांकि उन्होंने विस्तार से बताने से इनकार कर दिया।

तेहरान में अमेरिका और इजराइल के खिलाफ महिलाओं ने किया प्रदर्शन।

इजराइल के लिए जासूसी के आरोप में तीन और को फांसी

दुबई। ईरान ने इजराइल के लिए जासूसी करने के आरोप में बुधवार को तीन और कैदियों को फांसी दे दी। ईरान की सरकारी इरना समाचार एजेंसी ने खबर में ईरान की न्यायपालिका का हवाला देते हुए कहा कि इन व्यक्तियों पर देश में हथियार लाने का आरोप था। ईरान ने इजराइल के साथ अपने युद्ध के दौरान कई लोगों को फांसी की सजा दी है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने आशंका जताई है कि संघर्ष समाप्त होने के बाद कई और लोगों को फांसी पर लटकाया जा सकता है।

अमेरिका-ईरान के अधिकारी अगले सप्ताह वार्ता करेंगे

द हेग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के अधिकारी अगले सप्ताह बातचीत करेंगे, जिससे इजराइल और तेहरान के बीच हालिया संघर्ष के कारण बाधित हुई वार्ता बहाल होगी। नीदरलैंड में नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान प्रेस वार्ता में ट्रंप ने कहा, मैं आपको बता दूं कि हम अगले सप्ताह ईरान के साथ बातचीत करने जा रहे हैं। हम किसी समझौते पर हस्ताक्षर भी कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरान के साथ बातचीत फिर से शुरू करने में कोई खास दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिकी हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट कर दिया है।

ट्रंप के खिलाफ पेश महाभियोग प्रस्ताव खारिज

वाशिंगटन। संसदीय मंजूरी के बगैर ईरान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप पर महाभियोग चलाने के प्रयासों के खिलाफ अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने बढ़-चढ़कर मतदान किया। इस संबंध में पेश प्रस्ताव के विरोध में 344 और पक्ष में 79 वोट पड़े। टेक्सास से डेमोक्रेटिक सांसद एल ग्रीन ने यह प्रस्ताव पेश किया, जिसपर उनकी पार्टी में ही विभाजन हो गया। ग्रीन ने मतदान से पहले कहा, मैं ऐसा इसलिए कर रहा हूं क्योंकि किसी भी व्यक्ति को अमेरिकी संसद से परामर्श किए बिना 30 करोड़ लोगों को युद्ध में झोंकने का अधिकार नहीं होनी चाहिए। मैं समझता हूं कि या तो संविधान सार्थक साबित होगा या निरर्थक बन जाएगा। ट्रंप पर महाभियोग की यह पहली कोशिश नहीं है, लेकिन यह दिखाता है कि डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सदस्य विशेष रूप से ईरान के परमाणु केंद्रों पर अचानक हमले के बाद से उनके प्रशासन से असहज हैं, जो पश्चिम एशिया के मामलों में एक जोखिम भरा हस्तक्षेप है।

साइबर धोखाधड़ी: गुजरात महाराष्ट्र में ईडी के छापे

अहमदाबाद, एजेंसी

- ऋण धोखाधड़ी में एनसीआर, पंजाब में भी छापेमारी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने साइबर अपराध से जुड़े 100 करोड़ रुपये से अधिक के धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में बुधवार को गुजरात और महाराष्ट्र में छापेमारी की। इन साइबर अपराधियों पर 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर अपराध करने और विदेश में 100 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि स्थानांतरित करने का आरोप है।

एजेंसी के सूरत उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने पीएमएलए के तहत गुजरात के सूरत और अहमदाबाद तथा मुंबई में यह छापेमारी की। सूत्रों ने बताया कि धन शोधन का यह मामला 2024 में मकबूल डॉक्टर, काशिफ डॉक्टर, बासम डॉक्टर, महेश मफतलाल देसाई, माज अब्दुल रहीम नाडा और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ गुजरात पुलिस की एक प्राथमिकी से सामने आया है। उन्होंने कहा कि आरोप है कि साइबर अपराधी विभिन्न साइबर धोखाधड़ी जैसे कि नकली यूएसडीटी ट्रेडिंग (क्रिप्टो मुद्रा), डिजिटल अरेस्ट, कानून प्रवर्तन एजेंसियों आदि के नकली नोटिस भेजकर लोगों को धमकी देने जैसी साइबर धोखाधड़ी करते थे।

कर्नाटक: इंजीनियरिंग सीट से जुड़े घोटाले में छापे

बेंगलुरु। ईडी ने कुछ निजी कॉलेजों में इंजीनियरिंग सीट ब्लॉकिंग घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत बुधवार को शहर में कई स्थानों पर छापे मारे। कुल 18 परिसरों पर छापे मारे गए, जिनमें बीएमएस कॉलेज, आकाश इंस्टीट्यूट और न्यू होराइजन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बीएमएस के ट्रस्टियों और उनके मुख्य सहयोगियों, कुछ शिक्षा सलाहकारों और एजेंटों के ठिकाने शामिल हैं।

ईडी ने इसके अलावा दिल्ली में पंजीकृत दिवालिया कंपनी के पूर्व प्रवर्तकों के खिलाफ 989 करोड़ रुपये की बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मामले में बुधवार को एनसीआर और पंजाब में कई जगहों पर छापेमारी की। ऑटोमोबाइल और टेलीकॉम क्षेत्र के लिए बिजली के तार और केबल का डिजाइन एवं निर्माण करने वाली दिल्ली स्थित शिल्पी केबल्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कंपनी के खिलाफ 2017 में दिवालिया की कार्रवाई शुरू की गई थी।

बांग्लादेश: एक और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी

- आम चुनाव में गड़बड़ी और हेराफेरी करने का आरोप

बांग्लादेश के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त काजी हबीबुल अवल को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। कुछ दिनों पहले ही अवल के पूर्ववर्ती केएम नूरुल हुदा को शेख हसीना शासन के दौरान चुनाव में गड़बड़ी के आरोप में हिरासत में लिया गया था।

ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस के उपायुक्त तालेबुर रहमान ने कहा, पुलिस की खुफिया शाखा ने अवल को दोपहर राजधानी के मोघबाजार इलाके से गिरफ्तार किया। अवल से पहले रविवार रात नूरुल हुदा को चुनावों में हेराफेरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी से पहले हुदा को भीड़ ने पीटा भी था। अवल ने फरवरी 2022 से सितंबर 2024 तक बांग्लादेश के 13वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्य किया। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी की ओर से हुदा सहित 19 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने के बाद ये गिरफ्तारियां की गईं।

शेख हसीना के बचाव को नियुक्त वकील हटाया

ढाका। अपराध न्यायाधिकरण ने बुधवार को पूर्व पीएम शेख हसीना के बचाव के लिए सरकार द्वारा नियुक्त उस अधिवक्ता को हटा दिया है जिन्होंने पहले उन्हें फांसी देने की मांग की थी। बांग्लादेश के अधिकारियों के अनुसार आईसीटी-बीडी ने हसीना के लिए बचाव पक्ष के वकील नियुक्त अमीनुल गनी टीटू को कार्यमुक्त कर दिया है। एक दिन पहले ही न्यायाधिकरण ने उनकी नियुक्ति की थी।

भारतीय पायलट अभिनंदन को पकड़ने वाला पाकिस्तानी सैन्य अफसर मारा गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना के विशेष सेवा समूह का एक अधिकारी तालिबानी उग्रवादियों के साथ झड़प में मारा गया, जिसने 2019 में विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद भारतीय वायुसेना के पायलट अभिनंदन वर्धमान को पकड़ने का दावा किया था।

- अफगानिस्तान की सीमा के पास तालिबानी उग्रवादियों से मुठभेड़ में हुई मौत

सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के बयान के अनुसार, 37 वर्षीय मेजर सैयद मुईज अब्बास शाह मंगलवार को अफगानिस्तान की सीमा के पास दक्षिण वजीरिस्तान के सरारोगा इलाके में तालिबानी उग्रवादियों के साथ झड़प में मारे गए। बयान में कहा गया कि 27 वर्षीय लांस नायक जिब्रानउल्ला की भी इस हमले में मौत हो गई। इसमें कहा गया कि सेना के जवानों ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 11 आतंकवादियों को मार गिराया और सात अन्य घायल हो गए। मुईज के जनाजे की नमाज रावलपिंडी के चकलाला गैरीसन में पढ़ी गई और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी इसमें शामिल हुए।

मोदी महान इंसान, मैंने समझाया तो मान गए: ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर किया भारत-पाकिस्तान का युद्ध रुकवाने का दावा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- नीदरलैंड में नाटो सम्मेलन के बाद प्रेस से बात करते हुए की टिप्पणी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को फिर से दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवा दिया और दोनों देशों से कहा कि यदि वे लड़ाई जारी रखेंगे तो अमेरिका उनके साथ व्यापार नहीं करेगा। चार दिनों तक ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद भारत और पाकिस्तान 10 मई को सैन्य टकराव रोकने पर सहमत हुए।

ट्रंप ने नीदरलैंड के हेग में नाटो शिखर सम्मेलन के बाद एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि भारत और पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ व्यापार को लेकर कई बार फोन पर बात की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मैंने कहा, 'देखिए, अगर आप एक-दूसरे से लड़ते हैं... यह बहुत बुरा हो रहा था, आप जानते हैं कि पिछला हमला कितना बुरा था। ट्रंप ने कहा, अगर आप एक-दूसरे से लड़ते हैं, तो हम कोई व्यापार समझौता नहीं करेंगे। ट्रंप ने दावा किया, मोदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। वह बहुत सज्जन व्यक्ति हैं। वह एक महान इंसान हैं। मैंने उन्हें समझाया। मैंने कहा, अगर आप लड़ने जा रहे हैं तो हम व्यापार समझौता नहीं करेंगे...और आप जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा। नहीं, मैं व्यापार समझौता करना चाहता हूं। हमने परमाणु युद्ध रोक दिया।

नाइजीरिया में 14 सैनिकों की हत्या

अबूजा। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य नाइजर राज्य में सैकड़ों बंदूकधारियों के साथ संघर्ष में 14 सैनिक मारे गए। सेना के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। सेना प्रवक्ता अपोलोनिया एनेले के अनुसार, मंगलवार को 300 से अधिक बंदूकधारी मारिगा परिषद क्षेत्र में जंगलों से गांवों पर हमला करने की योजना बना रहे थे, तभी सेना ने उनसे निपटने के लिए सैनिकों को तैनात किया। एनेले ने बताया कि अभियान में 10 सैनिक घायल भी हो गये। उन्होंने कहा कि कि इस ऑपरेशन में दुश्मनों को भी काफी नुकसान हुआ है।

भारतीय-अमेरिकी जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में विजयी घोषित

न्यूयॉर्क। भारतीय-अमेरिकी सांसद जोहरान क्वामे ममदानी ने न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्रयू क्युमो को हरा दिया है। प्रख्यात भारतीय फिल्म निर्माता मीरा नायर और भारतीय मूल के युगांडा के लेखक महमूद ममदानी के बेटे जोहरान को मंगलवार रात को मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में विजेता घोषित किया गया। ममदानी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नेल्सन मंडेला के शब्दों में: कठिन से कठिन कार्य भी तब तक असंभव लगता है, जब तक हम उसे पूरा नहीं कर लेते। मेरे दोस्तों, यह पूरा हो चुका है। और आप ही हैं जिन्होंने इसे पूरा किया है। मुझे न्यूयॉर्क शहर के मेयर के लिए आपका डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने पर गर्व है।

गाजा में इजराइली हमलों से 70 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा, एजेंसी

गाजा पट्टी में मंगलवार को इजरायली गोलीबारी और हवाई हमलों में कम से कम 70 फिलिस्तीनी मारे गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने संवाद एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि इजरायली बलों ने दक्षिणी गाजा पट्टी में राफा के उत्तर में शाकौश क्षेत्र में एक अमेरिकी समर्थित सहायता वितरण केंद्र के पास जुटे फिलिस्तीनियों की भीड़ पर गोलीबारी की।

गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के एक चिकित्सा स्रोत ने बताया कि शाकौश में हुई इस गोलीबारी में कम से कम 25 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। सूत्र ने कहा,सुरक्षा स्थितियों और क्षेत्र की दूरस्थता के कारण घायलों को पास के फील्ड अस्पतालों में ले जाने के लिए जानवरों द्वारा खींची जाने वाली गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया। इस बीच एक अन्य घटना में इजरायली सेना ने पर वाडी गाजा के दक्षिण में सलाह अल-दीन स्ट्रीट पर खाद्यान्न लेने एकत्र हुए फिलिस्तीनियों को निशाना बनाया। मध्य गाजा पट्टी के नुसेरात में अल-अवदा अस्पताल ने कहा कि उसे 19 शव और 146 घायल व्यक्ति मिले हैं।

गाजा में खाने के पैकेट ले जाते लोग।

- सहायता वितरण केंद्र से राशन और खाने के पैकेट ले जा रहे लोगों पर की गोलीबारी

अनुदान कटौती के ट्रंप प्रशासन के फैसले के खिलाफ मुकदमा

बोस्टन। अमेरिका में 20 से अधिक राज्यों और वाशिंगटन डीसी के अटॉर्नी जनरलों ने ट्रंप प्रशासन की ओर से अनुदान में अरबों डॉलर की कटौती को चुनौती देते हुए संघीय अदालत में एक वाद दायर किया। मुकदमे में न्यायाधीश से ट्रंप प्रशासन को अनुदान में कटौती करने से रोकने का अनुरोध किया गया है।

मुकदमे में कहा गया है कि प्रशासन ने जनवरी से संघीय नियमन की एक अस्पष्ट धारा का उपयोग करके विभिन्न कार्यक्रमों और हजारों अनुदानों को रद्द किया है, जो पहले राज्यों व अनुदान प्राप्तकर्ताओं को प्रदान किए गए थे। वादियों ने तर्क दिया कि, बदली प्राथमिकताओं को आधार बनाकर अनुदान समाप्त करने के लिए धारा का इस्तेमाल करने का निर्णय गैरकानूनी है।

शिखर सम्मेलन | सामूहिक सुरक्षा गारंटी के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को किया रेखांकित

ट्रंप के दबाव में नाटो सदस्य रक्षा खर्च में भारी वृद्धि पर सहमत

द हेग, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव के बाद नाटो नेताओं ने बुधवार को रक्षा खर्च में भारी वृद्धि पर सहमति व्यक्त की तथा हमला होने पर एक-दूसरे की सहायता करने की अपनी 'दृढ़ प्रतिबद्धता' दोहराई। बैठक के दौरान ट्रंप यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से भी मिले और कहा कि रक्षा खर्च बढ़ने से यूक्रेन के खिलाफ रूसी आक्रामकता में कमी आएगी।

शिखर सम्मेलन के एक वक्तव्य में उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल 32 नेताओं ने कहा, सहयोगी देश अपने व्यक्तिगत और सामूहिक दायित्वों को सुनिश्चित करने के लिए 2035 तक मुख्य रक्षा आवश्यकताओं के साथ-साथ रक्षा एवं सुरक्षा संबंधी व्यय पर प्रतिवर्ष सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का पांच प्रतिशत खर्च करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नेताओं ने नाटो की सामूहिक सुरक्षा गारंटी के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया कि एक देश पर हमला सभी पर हमला है। शिखर सम्मेलन से पहले, ट्रंप ने अमेरिका द्वारा अपने सहयोगियों की रक्षा को लेकर फिर संदेह जताया था।

हालांकि बाद में ट्रंप ने शिखर सम्मेलन के दौरान जेलेंस्की से मुलाकात की और कहा कि ट्रांस-अटलांटिक गठबंधन द्वारा खर्च बढ़ाए जाने से भविष्य में पड़ोसियों के खिलाफ रूस की आक्रामकता को रोकने में मदद मिल सकती है। नाटो के सदस्य 2035 तक अपने खर्च लक्ष्य को बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का पांच प्रतिशत वार्षिक करने पर सहमत हुए हैं। ट्रंप ने जेलेंस्की से मिलने के तुरंत बाद शिखर सम्मेलन के समापन पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, सुरक्षा के लिए अधिक जिम्मेदारी लेने के वास्ते यूरोप के कदम उठाने से रूस और यूक्रेन के साथ भयानक स्थिति जैसी भविष्य की आपदाओं को रोकने में मदद मिलेगी।

जेलेंस्की से मिले ट्रंप, कहा- रक्षा खर्च बढ़ने से रूसी आक्रामकता पर लगेगी लगाम

शिखर सम्मेलन में नाटो महासचिव मार्क रूट के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप।

जापान और अमेरिका में तनाव के संकेत उभरे

तोक्यो। जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने अमेरिका के ट्रंप प्रशासन को स्पष्ट संकेत दिया है: जापान-अमेरिका संबंध बहुत गंभीर स्थिति में हैं। कुछ दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि वह इस सप्ताह हेग में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, लेकिन अंतिम समय में उन्होंने अचानक नाम वापस ले लिया। जापानी मीडिया के मुताबिक, इशिबा ने अपनी यात्रा इसलिए रद्द की क्योंकि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की उम्मीद नहीं थी और इंडो-पैसिफिक फोर (आईपी4) साझेदार की बैठक भी शायद नहीं होती। इशिबा के इस बैठक में शामिल नहीं होने से यह भी पता चलता है कि वाशिंगटन द्वारा जापान पर भारी शुल्क लगाने के बाद जापान ट्रंप प्रशासन के साथ अपने संबंधों को किस तरह देखता है।